शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं

यूपीएससी में झारखंड की स्वाति को मिली 17वीं रैंक, कई और सफल

शुभम संदेश टीम। रांची

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का रिजल्ट मंगलवार को जारी कर दिया गया. इसमें झारखंड की बेटी स्वाति शर्मा को 17वीं रैंक मिली है. स्वाति कालिका नगर मानगो की रहनेवाली है. वह पूर्व थल सैनिक (सीएमपी) संजय शर्मा की पुत्री है. वहीं गढ़वा डीसी शेखर जमुआर की बेटी साक्षी जमुआर को 89 वीं रैंक मिली है. रांची की मोनिका पटेल ने भी यूपीएससी क्रैक किया है. मोनिका को 708वीं रैंक मिली है. रांची के सेंट्रल कोलफील्ड लिमिटेड दरभंगा हाउस में पदस्थापित मुख्य प्रबंधक वीरेश कुमार के बेटे वैभव कुमार ने भी यूपीएससी क्लीयर कर लिया है. वैभव कुमार को 151वां स्थान प्राप्त हुआ है.

17वीं रैंक — स्वाति शर्मा

44वीं रैंक — आकांक्षा सिंह

151वीं रैंक — वैभव कुमार

708वीं रैंक — मोनिका

544वीं रैंक — अमन अग्रवाल

रांची से रहा है देश के टॉपर आदित्य श्रीवास्तव का नाता

सिविल सेवा परीक्षा 2023 परीक्षा में इस साल आदित्य श्रीवास्तव ने टॉप किया है. बता दें कि लखनऊ के रहने वाले आदित्य श्रीवास्तव का रांची से भी नाता रहा है. आदित्य के दादा आईटीई, रांची में नौकरी करत थे.उनके पिता अजय श्रीवास्तव की शिक्षा-दीक्षा भी रांची मे हुई. बाद में एजी आफिस लखनऊ में नौकरी मिल जाने के बाद आदित्य का परिवार वहां शिफ्ट हो गया. आदित्य का ननिहाल भी हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची में है. आदित्य श्रीवास्तव अभी पश्चिम बंगाल में अंडर ट्रेनिंग आईपीएस के पद पर कार्यरत हैं. उनके पिता अजय श्रीवास्तव सेंट्रल ऑडिट डिपार्टमेंट में एएओ के पद पर कार्यरत हैं, जबकि एक छोटी बहन नई दिल्ली से सिविल परीक्षा की तैयारी कर रही है. आदित्य की मां आभा श्रीवास्तव गृहणी हैं. आदित्य का बचपन रांची के हरमू और लखनऊ के मवैया इलाके में बीता. शुरुआती पढ़ाई सिटी मोंटेसरी स्कूल अलीगंज में हुई. 12वीं पास करने के बाद आदित्य ने आईआईटी कानपुर से बीटेक किया और कुछ दिनों के लिए निजी कंपनियों में नौकरी करने के बाद आईपीएस और अब आईएएस परीक्षा उत्तीर्ण की है. आदित्य के बाद अन्मेश प्रधान दूसरे, दोनुरु अनन्या रेड्डी तीसरे, पीके सिद्धार्थ रामकुमार चौथे और रूहानी 5वें पायदान पर रहे.

आईपीएस से बने आईएएस

1 रैंक

आदित्य श्रीवास्तव अभी पश्चिम बंगाल में अंडर ट्रेनिंग आईपीएस के पद पर कार्यरत हैं. उनके पिता अजय श्रीवास्तव सेंट्रल ऑडिट डिपार्टमेंट में एएओ के पद पर कार्यरत हैं. वहीं उनकी छोटी बहन नई दिल्ली से सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रही है. आदित्य की मां आभा श्रीवास्तव गृहिणी हैं.

टॉप- 20 टॉपर

1- आदित्य श्रीवास्तव
2- अनिमेश प्रधान
3- डोनुरु अनन्या रेड्डी
4- पीके सिद्धार्थ रामकुमार
5- रूहानी
6- सृष्टि डबास
7- अनमोल राठौड़
8- आशीष कुमार
9- नौशीन
10- ऐश्वर्यम प्रजापति
11- कुश मोटवानी
12- अनिकेत शांडिल्य
13- मेधा आनंद
14- शौर्य अरोड़ा
15- कुणाल रस्तोगी
16- अयान जैन
17- स्वाति शर्मा
18- वरदाह खान
19- शिवम कुमार
20- आकाश वर्मा

रांची की आकांक्षा को 44 वीं रैंक, चाईबासा के अमन पहले प्रयास में सफल

रांची की आकांक्षा सिंह को 44 वां रैंक मिला है. फिलहाल आकांक्षा सिंह एसएस मेमोरियल महाविद्यालय के भूगोल विभाग में सहायक शिक्षिका के पद पर कार्यरत हैं. वहीं चाईबासा के अमन अग्रवाल ने अपने पहले ही प्रयास में सिविल परीक्षा उत्तीर्ण कर पूरे कोल्हान का नाम रोशन किया है. उन्होंने 544वां स्थान हासिल किया है. पूर्वी सिंहभूम के बिष्टुपुर स्थित लोयोला स्कूल के छात्र रहे ऋत्विक ने यूपीएससी में 520वीं रैंक हासिल किया है. ऋत्विक ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई लोयोला स्कूल से करने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज से भूगोल विषय से स्नातक किया था. इससे पूर्व ऋत्विक का चयन बीपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में भी सफल हो चुका था.

कार्रवाई : जमीन घोटाला मामले में ईडी की नौ ठिकानों पर रेड

झामुमो नेता अंतू तिर्की और विपिन को साथ ले गई ईडी

सौरभ सिंह। रांची

जमीन घोटाला मामले में झामुमो नेता समेत चार लोगों के कुल नौ अलग-अलग ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने मंगलवार को छापेमारी की. 13 घंटे के बाद देरशाम ईडी की छापेमारी खत्म हो गई. ईडी की टीम झामुमो नेता अंतू तिर्की और जमीन कारोबारी विपिन सिंह को अपने साथ ले गई है, हालांकि दोनों को डीटेन कर लिया गया है या ईडी उनका स्टेटमेंट रिकॉर्ड करने के लिए उन्हें अपने साथ ले गई है, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है. सूत्रों के अनुसार ईडी को जांच में पता चला है कि झामुमो नेता अंतू तिर्की और मो. सद्दाम के बीच पैसे का लेन-देन था. सद्दाम ने पूछताछ में जमीन के एवज में पैसे के लेनदेन की बात कबूली थी.

एक साथ कई ठिकाने पर ईडी ने की थी छापेमारी: बता दें कि मंगलवार की सुबह ईडी की टीम झामुमो नेता अंतू तिर्की के बरियातू के मेडिकल चौक स्थित आवास पर पहुंची और देरशाम तक तलाशी ली. अंतू तिर्की के अलावा ईडी की टीम विपिन सिंह के मोरहाबादी स्थित आवास, खेलगांव स्थित शेखर कुशवाहा के ठिकाने के साथ साथ कोकर में प्रियरंजन सहाय के ठिकाने पर भी छापेमारी की. इससे पहले भी जमीन घोटाले मामले में विपिन सिंह, शेखर कुशवाहा और प्रियरंजन सहाय के यहां ईडी द्वारा छापेमारी की गयी थी. एक बार फिर से इनके यहां दबिश दी गयी.

सद्दाम से पूछताछ के बाद ईडी ने की छापेमारी: गौरतलब है कि ईडी ने नौ अप्रैल को पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में फर्जी डीड बनाने के मास्टरमाइंड सद्दाम को गिरफ्तार किया था. जिसके बाद ईडी सद्दाम को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है. सद्दाम से मिली जानकारी के बाद ईडी की टीम छापेमारी की. बता दें कि रांची में सेना की जमीन के साथ साथ जमीन घोटाले से जुड़े केस में ईडी ने बीते साल कार्रवाई की थी.

कैसे सामने आया जमीन घोटाला

1 जून 2022 में रांची के बरायतू पुलिस थाने में एक एफआईआर दर्ज हुई. ये एफआईआर रांची नगर निगम के टैक्स कलेक्टर दिलीप शर्मा की ओर से दर्ज कराई गई थी. इसमें प्रदीप बागची नाम के शख्स को आरोपी बनाया गया.

2 आरोप था कि प्रदीप बागची ने फर्जी कागजातों के जरिए भारतीय सेना की एक संपत्ति को हड़प लिया है. ईडी ने जब इसकी जांच की तो पता चला कि 4.5 एकड़ की ये जमीन बीएम लक्ष्मण राव की थी, जिन्होंने आजादी के बाद इसे सेना को सौंप दिया था.

3 अप्रैल 2023 में ईडी ने प्रदीप बागची समेत सात आरोपियों को मामले में गिरफ्तार किया. जिन सात को गिरफ्तार किया गया, उनमें से दो- अफसर अली और भानु प्रताप सरकारी कर्मचारी थे. अफसर अली सरकारी अस्पताल में ग्रेड-3 का कर्मचारी है, जबकि भानु प्रताप रेवेन्यू सब-इंस्पेक्टर था. बाकी सभी लैंड माफिया से जुड़े थे और फर्जी दस्तावेजों के जरिए जमीनों की बिक्री में शामिल थे.

4 पिछले साल ही 4 मई को ईडी ने आईएएस अफसर छवि रंजन को भी गिरफ्तार कर लिया. छवि रंजन रांची में दो साल तक डिप्टी कमिश्नर थे. उनपर आरोप है कि इस पद पर रहते हुए उन्होंने कथित तौर पर जमीन की अवैध खरीद और बिक्री में मदद की थी.

लैंड स्कैम के आरोपी पूर्व सीएम हेमंत की बेल पर हुई सुनवाई

रांची। लैंड स्कैम केस के आरोपी पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की जमानत याचिका पर मंगलवार को पीएमएलए की विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई. इस दौरान अदालत ने ईडी को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया. बता दें कि जेल में बंद पूर्व सीएम ने अपनी जमानत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दाखिल की है. हेमंत ने विशेष अदालत में आरोप लगाया कि ईडी द्वारा उन्हें गिरफ्तार किया जाना राजनीति से प्रेरित है तथा उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है. ईडी द्वारा जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगे जाने के बाद विशेष पीएमएलए अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 23 अप्रैल तय की. सोरेन के वकील अरुणाभ चौधरी द्वारा दायर जमानत याचिका में कहा गया, याचिकाकर्ता का पूरा अभियोजन और गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित है तथा याचिकाकर्ता की तरह प्रमुख विपक्षी नेताओं को डराने, धमकाने और अपमानित करने के लिए केंद्र सरकार की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है, ताकि उन्हें भाजपा में शामिल होने या एनडीए का हिस्सा बनने के लिए मजबूर किया जा सके. बता दें कि सोरेन को सीएम पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में 31 जनवरी को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था. वह फिलहाल रांची की बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल में बंद हैं.

धार्मिक अधिकार से ऊपर स्कूल के नियम

लंदन। लंदन में एक मुस्लिम छात्रा को वहां की कोर्ट से झटका लगा है. लंदन हाईकोर्ट ने कहा है कि स्कूल के नियमों से ऊपर किसी की धार्मिक स्वतंत्रता और रीति रिवाज नहीं है. इसके साथ ही कोर्ट ने उस मुस्लिम छात्रा की उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें अपने वेम्बली में स्थित मिशेला स्कूल के नियमों के खिलाफ कोर्ट की शरण ली थी. छात्रा का तर्क था कि स्कूल में उसकी इबादत पर प्रतिबंध उसके साथ भेदभावपूर्ण रवैया है. इसके जवाब में किसी भी धर्म में आस्था नहीं रखने वाले उस स्कूल ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता मुस्लिम छात्रा को इबादत करने की इजाजत देने से बच्चों के बीच समावेशी नजरिए के कमजोर पड़ने का खतरा है.

मुस्लिम छात्रा को नमाज पर हाईकोर्ट से झटका

-शेष पेज 7 पर

उग्रवाद पर प्रहार : छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़

इनामी नक्सली समेत 29 ढेर

एजेंसी। कांकेर

छत्तीसगढ़ के कांकेर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में मंगलवार को 29 नक्सली ढेर हो गए. इस कार्रवाई में 3 जवान भी घायल हुए हैं. कांकेर के छोटे बेठिया थाने के कलपर जंगल में देररात तक मुठभेड़ जारी थी. इस बड़ी मुठभेड़ में 25 लाख के इनामी नक्सली शंकर राव समेत 29 नक्सली ढेर हुए.

पुलिस के मुताबिक मौके से 5 एके 47 एवं एलएमजी समेत हथियारों की बड़ी खेप मिली है. मुठभेड़ में इंस्पेक्टर समेत 3 जवान भी घायल हैं. इंस्पेक्टर के पैर में गोली लगी वहीं कांस्टेबल को हल्की चोट लगी है. आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि जंगली इलाकों मुठभेड़ जारी है है. पुलिस की बैकअप पार्टी भी मौके पर पहुंच चुकी है. दोनों तरफ से गोलीबारी जारी है. कांकेर के एसपी कल्याण एलीसेला ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी नक्सलियों के शव मिल गये हैं.

बस्तर में 19 को वोट, शांतिपूर्ण चुनाव चुनौती : बता दें कि बस्तर सीट पर प्रथम चरण में 19 अप्रैल को वोट होना है. यहा शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराना पुलिस के लिए चुनौतीपूर्ण है, लेकिन नयी रणनीति के तहत एंटी नक्सल ऑपरेशन से माओवादी संगठन की कमर टूटी है और अब लगातार स्थानीय नक्सली संगठन छोड़ पुलिस के समक्ष सरेंडर कर रहे हैं.

5 एके-47 व एलएमजी समेत हथियारों की बड़ी खेप बरामद

विनम्र श्रद्धांजलि

27.12.1920 – 17.04.1994

श्रद्धेय स्व० सीतारामजी रूंगटा

कर्मचारीबृंद

एस० आर० रूंगटा ग्रुप

चुनावी समर 2024

पीएम मोदी ने गया में विपक्ष को घेरा

यह चुनाव उन्हें सजा देगा जो संविधान के खिलाफ हैं

गया। पीएम नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर अफवाहें फैलाकर देश के संविधान को राजनीतिक हथकंडे के तौर पर इस्तेमाल करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को कहा कि यह चुनाव उन्हें सजा देगा, जो संविधान के खिलाफ हैं एवं देश को विकसित भारत बनाने के केंद्र के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं. उन्होंने राजद और कांग्रेस सहित विपक्षी नेताओं पर संविधान के साथ राजनीति करने का भी आरोप लगाया. एक चुनाव रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, यह चुनाव घमंडिया गठबंधन के नेताओं को सजा देगा. यह चुनाव उन्हें सजा देगा जो संविधान के खिलाफ हैं एवं देश को विकसित भारत बनाने के केंद्र के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं.

राहुल गांधी का युवाओं से वादा

सत्ता में आये तो रद्द कर देंगे अग्निवीर योजना

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सेना में भर्ती की अल्पकालिक अग्निपथ योजना को सेना और देश की रक्षा का सपना देखने वाले युवाओं का अपमान करार दिया है. राहुल ने मंगलवार को कहा कि केंद्र में विपक्षी गठबंधन इंडिया की सरकार बनने के साथ ही इस योजना को तत्काल निरस्त कर पुरानी भर्ती प्रक्रिया बहाल की जाएगी. कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणा पत्र में भी इस योजना को खत्म करने का वादा किया है. राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, अग्निपथ योजना भारतीय सेना और देश की रक्षा करने का सपना देखने वाले बहादुर युवाओं का अपमान है.

तिहाड़ से दिल्ली सीएम ने मैसेज भेजा

मेरा नाम अरविंद केजरीवाल मैं कोई आतंकवादी नहीं हूं

नयी दिल्ली। मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है मैं आतंकी नहीं हूं. दिल्ली के सीएम ने लोगों के लिए जेल से यह मैसेज भेजा है. आम आदमी पार्टी के संजय सिंह ने मंगलवार को यह जानकारी दी. उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, आप केजरीवाल के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार कर रहे, आपको शर्म नहीं आती है. पीएम अपनी दुर्भावना में इस कदर आगे बढ़ चुके हैं कि केजरीवाल की उनके परिवार से मुलाकात भी शीशे की दीवार लगा कर कराते हैं. पंजाब के सीएम को जेड प्लस की सुरक्षा है. उनकी मुलाकात के समय भी बीच में शीशे की दीवार थी.

केंद्रीय कोयला सचिव को दिया कार्रवाई का निर्देश, दोषियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने में जिला-प्रशासन कर रहा टाल-मटोल

चट्टी बरियातू की किरणी बिरहोर की मौत पर राष्ट्रपति भवन ने लिया संज्ञान

प्रवीण कुमार। रांची

शुभम संदेश इंपैक्ट

हज़ारीबाग में एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोल परियोजना के दुष्प्रभाव से नाबालिग किरणी बिरहोर की मौत पर अब राष्ट्रपति भवन ने संज्ञान लिया है. एक्टिविस्ट मंटू सोनी की शिकायत पर राष्ट्रपति भवन के अवर सचिव पीसी मीणा ने केंद्रीय कोयला मंत्रालय के सचिव अमृत लाल मीणा को कार्रवाई कर सूचित करने का निर्देश दिया है. इसके पूर्व केंद्रीय जनजातीय मंत्रालय ने झारखंड के मुख्य सचिव और अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने उपायुक्त हज़ारीबाग़ को आठ सप्ताह में कार्रवाई का निर्देश दे चुका है. एनटीपीसी के चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना के महज कुछ दूरी पर लुप्तप्राय आदिम जनजाति बिरहोर समुदाय का एक बस्ती है, वहां एनटीपीसी के एमडीओ ऋत्विक-एएमआर द्वारा खनन कार्य किया जा रहा है. खनन के दुष्प्रभाव में नाबालिग किरणी बिरहोर बीमार चल रही थी. उसी दौरान विगत 28 फरवरी को उसी मौत हो गई थी. जिसको लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से बिरहोर बस्ती को बिना बसाए खनन कार्य करने और किरणी बिरहोर की मौत के जिम्मेवार लोगों को चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई थी.

कोयला मंत्रालय ने की थी एनटीपीसी की बैंक गारंटी जब्त

एनटीपीसी को फॉरेस्ट क्लीयरेंस मिलने के बाद समय से कोयला खनन शुरू नहीं करने को लेकर कई बार पत्राचार किया गया था. इसके बाद भी कोयला खनन नहीं किया गया. इस पर कोयला मंत्रालय ने कार्रवाई करते हुए एनटीपीसी की 24 प्रतिशत बैंक गारंटी 33 .68 करोड़ रुपए जब्त कर लिये थे. जानकारी के अनुसार कोयला मंत्रालय की कार्रवाई से बचने के लिए एनटीपीसी ने जिला-प्रशासन के सहयोग से आनन-फानन में कोयला खनन शुरू कर दिया. लेकिन खनन कार्य खनन सुरक्षा के निर्देशों को ताक पर रख कर किया गया.

बिरहोर बस्ती में स्थिति गंभीर, रहने वाले लोगों को बसाया नहीं गया

बता दें कि खनन स्थल के समीप बिरहोर बस्ती में बिरहोरों की संख्या लगभग 250 है. इनमें 40 बच्चे भी हैं. वहीं खनन क्षेत्र के आसपास घनी आबादी भी है, जिसे विस्थापित-पुनर्वास किए बिना खनन कार्य किया जा रहा है. परियोजना अंतर्गत छोटकी नदी के एक किलोमोटर एरिया को भी बंद कर उसमें ओबी डंप कर दिया गया है. जिससे उस नदी का अस्तित्व मिटने के कगार पर है. इस मामले पर जिला प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है. फिलहाल मामूली पानी छिड़काव कर मानव आबादी को खतरे में डाल खनन कार्य जारी है.

खूंटी लोकसभा : पत्थलगड़ी और भाजपा के खिलाफ हवा के बीच कालीचरण 1,864 मतों से हुए थे पराजित

पिछली बार नौ निर्दलीयों ने 47 हजार वोट काट कालीचरण को हराने में निभाया था अहम रोल

- तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार बैठ गए थे धरने पर, खूंटी से दिल्ली तक गूंजी थी आवाज, री-काउटिंग के बाद अर्जुन मुंडा के सिर बंधा था जीत का सेहरा
- इस बार भी दोनों प्रत्याशियों की राह नहीं है आसान, जोर आजमाइस होगी अर्जुन मुंडा और कालीचरण के बीच

कौशल आनंद। रांची

लोकसभा चुनाव 2019 की तरह ही इस बार भी खूंटी से एनडीए की ओर अर्जुन मुंडा और इंडिया की ओर से कालीचरण मुंडा आमने-सामने होंगे. पिछली बार की तरह ही इस बार भी दोनों के बीच जोर आजमाइस होगी. कांग्रेसी खेमा अब भी यह मानने को तैयार नहीं है कि गत लोकसभा चुनाव में कालीचरण मुंडा की हार हुई है. हाई वोल्टेज ड्रामे और री-काउटिंग के बाद अर्जुन मुंडा के सिर पर जीत का सेहरा बंधा था. झारखंड से लेकर दिल्ली तक खूंटी सीट की गूंज सुनाई पड़ी थी. तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार धरने में बैठ गए थे. इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया को इस सीट पर दखल देना पड़ा था. बहुत नजदीकी मुकाबले में री-काउंटिंग के बाद देर रात एक बजे के बाद अर्जुन मुंडा की जीत की घोषणा हुई थी. करीब साढे नौ घंटे रिजल्ट रुका रहा.

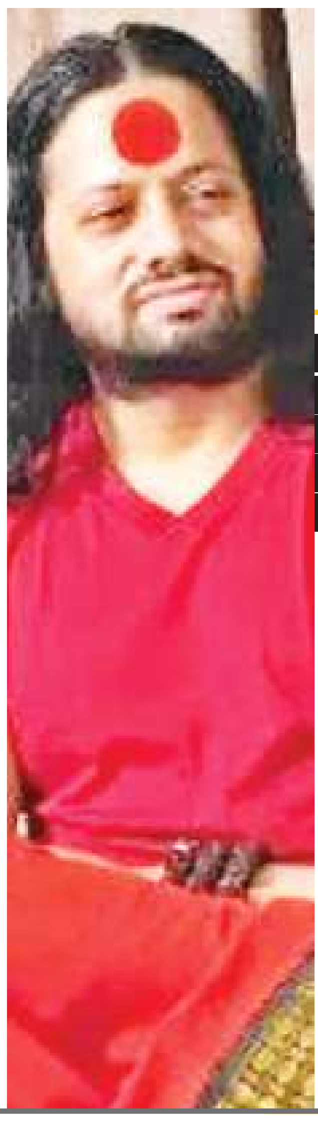

कालीचरण के हाथ लगी मायूसी, अर्जुन तीर साधने में हुए सफल

लोकसभा चुनाव 2019 में खूंटी क्षेत्र में पत्थलगड़ी मुवमेंट जोरों पर था. पूरे खूंटी क्षेत्र में तत्कालीन सीएम रघुवर दास और भाजपा के खिलाफ जबरदस्त अंडर करंट था. इस कठिन परिस्थिति में अर्जुन मुंडा को खूंटी से उतार दिया गया. उस समय यह चर्चा जोरों पर रही कि अर्जुन मुंडा को खूंटी से उतरवाने में तत्कालीन सीएम रघुवर दास का अहम रोल था, ताकि उनका राजनीतिक कैरियर खत्म ही हो जाए. मगर अर्जुन मुंडा वास्तव में अर्जुन की तरह लड़े. अंत तक हार नहीं मानी, तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अर्जुन अपना तीर निशाने पर साधने में सफल हुए. मामूली 1,864 मत से कांग्रेस के कालीचरण का मात देने में सफल रहे. इसके बाद न अर्जुन मुंडा के सिर जीत का सेहरा बंधा, बल्कि मोदी सरकार में कैबिनेट मंत्री बने.

अर्जुन ने मीनाक्षी मुंडा को उतार कर कालीचरण की राह की थी कठिन

गत लोकसभा चुनाव में यह कहा जाता है कि खुद अर्जुन मुंडा ने मीनाक्षी मुंडा को खड़ा करवाया था. बतौर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में वे 10,989 मत प्राप्त करके कालीचरण के जीत की राह में बड़ा रोड़ा बनाने में अहम भूमिका अदा की. अगर कालीचरण मुंडा के हार के अंतर को देखा जाए, तो मीनाक्षी मुंडा को मिले करीब 11 हजार वोट काफी टर्निंग प्वाइंट साबित हुए. क्योंकि कालीचरण की हार महज 1,864 मत से हुई थी.

धड़कने रुका देने वाले टक्कर के बीच विजयी हुए थे अर्जुन

मतगणना शुरू से ही रोमांचित करती रही. दोनों दलों की सांसे ऊपर-नीचे होती रही. शुरू में तीन राउंड तक भाजपा आगे थी. इसके बाद कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा आगे हो गए. उन्होंने अपनी बढ़त 13वें राउंड तक कायम रखी. 14वें राउंड में पुनः भाजपा प्रत्याशी अर्जुन मुंडा आगे निकल गए. 16 वें राउंड तक उनकी बढ़त बरकरार रही. उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा से 2075 वोट की बढ़त ले ली थी. इलेक्ट्रानिक मीडिया में अर्जुन मुंडा के विजयी होने की खबर प्रसारित होने लगी. तत्कालीन उपायुक्त सूरज कुमार ने मीडिया कक्ष में पहुंच कर सभी मीडिया कर्मियों से आग्रह किया कि वे बगैर घोषणा के चुनाव के नतीजे न तय करें. उन्होंने बताया कि कुछ ईवीएम एवं पोस्टल बैलेट की गणना अभी नहीं हुई है. इस बीच कांग्रेस के लोकसभा प्रभारी अजयनाथ शाहदेव ने मतगणना पर सवाल उठाते हुए गड़बड़ी की शिकायत निर्वाचन आयोग से की. स्थिति स्पष्ट न होने तक सर्टिफिकेट न देने का आग्रह चुनाव पर्यवेक्षक से किया. इस बीच कांग्रेस प्रत्याशी कालीचरण मुंडा ने पुनर्मतणना की मांग की.अंततः 11.36 पर दुबारा मतगणना के बाद मुंडा के जीत की घोषणा की गई.

लोकसभा 2019 में किसे मिला कितना मत

नाम	पार्टी	मत
अर्जुन मुंडा	भाजपा	3,82,638
कालीचरण मुंडा	कांग्रेस	3,61,262
मीनाक्षी मुंडा	दलीय	10,989
अजय टोपनो	जेएचकेपी	8,838
इंदूमति मुंडू	बीएसपी	7,663
सुखराम हेरेंज	निर्दलीय	5,255
नियारन हेरेंज	निर्दलीय	4,560
सिबिल कंडुलना	आरएसजीपी	3,895
अविनाशी मुंडू	एचबीपी	3,895
मुन्ना बरैक	एएनपी	1,864
नील जस्टिन	बेक	1,864

नौ निर्दलीयों ने कुल 47,864 वोट काटकर कालीचरण की राह में बिछाए कांटे

गत लोकसभा चुनाव 2019 में अर्जुन मुंडा और कालीचरण मुंडा को छोड़ कर कुल नौ निर्दलीय एवं अन्य छोटे दल के प्रत्याशी मैदान में उतरे थे. इन नौ प्रत्याशियों ने कुल 47,864 वोट हासिल करके कालीरण के जीत की राह में बड़ा रोड़ा खड़ा किया. झारखंड के पूरे 14 लोकसभा में खूंटी ही एक ऐसी सीट थी, जहां पर कुल 11 प्रत्याशी मैदान में थे. निर्दलीयों को मिले इतने भारी मत ने खूंटी के जीत-हार का मार्जिन काफी कम किया और दोनों मुख्य प्रत्याशियों के धड़कनें बढ़ाए रखा. अंततः महज 1,864 मत से अर्जुन मुंडा ने कालीचरण मुंडा को मात दे दी.

हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में ईडी ने की एक और गिरफ्तारी

संवाददाता। रांची

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में ईडी ने एक और गिरफ्तारी की है. एजेंसी ने जेल में बंद अफसर अली को गिरफ्तार किया है और उसे कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया है. ईडी ने अफसर अली से पूछताछ के लिए कोर्ट से रिमांड देने का आग्रह किया है. साथ ही एजेंसी ने कोर्ट से फर्जी डीड बनाने के मास्टरमाइंड मोहम्मद सद्दाम की रिमांड भी बढ़ाने की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है. अब ईडी सद्दाम और अफसर अली को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी.

सद्दाम ने पूछताछ में किये चौंकाने वाले खुलासे : गौरतलब है कि लैंड स्कैम केस में ईडी ने मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार कर कई दिनों तक पूछताछ की, जिसमें कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं. जानकारी के मुताबिक, सद्दाम ने ऐसे 11 डीड (रजिस्ट्री के दस्तावेज) के फर्जीवाडे की पुष्टि की है जो कोलकाता के बताये जा रहे हैं. यह डीड रांची के अलग-अलग इलाकों में स्थित भूखंडों के हैं, जिनके आधार पर भूमि पर कब्जा करने की तैयारी थी. बता दें कि ईडी ने बीते साल जब अफसर अली के ठिकाने पर छापेमारी की थी, तब वहां से कई दस्तावेज और डीड भी बरामद हुए थे.

पंकज ने प्रोटेस्ट पिटीशन दाखिल की कोर्ट ने सीबीआई से मांगा जवाब

संवाददाता ।रांची

34वें नेशनल गेम्स घोटाला मामले में रांची सीबीआई की विशेष कोर्ट में मंगलवार को सुनवाई हुई. इस दौरान हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करने वाले आरटीआई कार्यकर्ता पंकज यादव ने मामले की सीबीआई जांच के लिए प्रोटेस्ट पीटीश दाखिल की. साथ ही उन्होंने विधानसभा कमेटी की रिपोर्ट भी कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की है. आरटीआई कार्यकर्ता ने कोर्ट के समक्ष अपनी सुरक्षा का मामला भी उठाया है. पंकज यादव ने कोर्ट को बताया है कि उन पर पिछले दिनों एक केस किया गया है, ताकि जांच प्रभावित की जा सके. इसके बाद कोर्ट ने दोनों ही बिंदुओं पर सीबीआई से जवाब मांगा है. बता दें कि हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने नेशनल गेम्स घोटाला मामले में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है.

24 घंटे बाद भी नजरुल के खिलाफ पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

इंडी गठबंधन कर रहा पीएम की हत्या की साजिशः प्रतुल शाहदेव

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव कहा है कि झामुमो केंद्रीय समिति के सदस्य नजरुल इस्लाम ने विकृत मानसिकता और जिहादी सोच का परिचय दिया है. नजरुल ने पीएम नरेंद्र मोदी को जमीन के 400 फीट नीचे गाड़ने की धमकी दी है. इस बयान के सार्वजनिक होने के 24 घंटे के बाद भी पुलिस ने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है.

इससे साफ दिखता है कि सरकार ऐसे जिहादी तत्वों को बढ़ावा दे रही है. इससे पूर्व कोडरमा में राजद नेता ने पीएम मोदी की खोपड़ी में गोली मारने की बात कही थी. यह सीक्वेंस साफ दिखता है कि इंडी गठबंधन के नेता मोदी जी के खिलाफ किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए साजिश कर रहे हैं और जनता को भड़का रहे हैं. प्रतुल मंगलवार को बीजेपी मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि यह बेहद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि झारखंड पुलिस के द्वारा अब तक नजरुल इस्लाम की गिरफ्तारी नहीं हुई है. इस जेहादी व्यक्ति ने तो सीधे तौर पर प्रधानमंत्री के हत्या की बात कही है. लेकिन फिर भी मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और झारखंड मुक्ति मोर्चा खामोश हैं.

पूरे मामले की हो उच्चस्तरीय जांच

प्रतुल ने कहा इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए क्योंकि देश के प्रधानमंत्री की सुरक्षा से सीधा जुड़ा मामला है. देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की अस्मिता और गौरव के प्रतीक हैं. उनकी हत्या करने की बात करके विपक्ष साफ दिखा रहा है कि उसका लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर विश्वास नहीं है. पूरे प्रदेश में राज्य सरकार अराजकता का वातावरण चाहती है. एक तरफ राजद और झामुमो के नेता मोदी जी की हत्या करने की बात कर रहे हैं. तो दूसरी तरफ आदिवासी महिला सांसद गीता कोड़ा को झामुमो के सशस्त्र समर्थकों द्वारा बंधक बना कर रखा जाता है. प्रतुल ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय को तुरंत संज्ञान लेना चाहिए क्योंकि देश के प्रधानमंत्री के ऊपर हमला करने की बात और उनकी हत्या की बात कहना राजद्रोह की श्रेणी में आता है.

आर्किटेक विनोद सिंह की अग्रिम बेल पर 18 को सुनवाई

संवाददाता। रांची

लैंड स्कैम केस के आरोपी और झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के सहयोगी आर्किटेक्ट विनोद सिंह की अग्रिम जमानत पर 18 अप्रैल को सुनवाई होगी. विनोद सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्याययुक्त की कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है. इस याचिका को सुनवाई के लिए रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ़ मनी लांड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया है.

ईडी की प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन पर कोर्ट ने लिया संज्ञान : दरअसल ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन (पीसी) दायर की है. इस केस के प्रमुख आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बड़गाईं अंचल के हल्का कर्मचारी भानु प्रताप फिलहाल बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार में बंद हैं. प्रॉसिक्यूशन कम्प्लेन पर पीएमएलए कोर्ट ने संज्ञान भी लिया है. इसके बाद आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन पर गिरफ्तारी की तलवार लटकने लगी है. क्योंकि अदालत ने आर्किटेक्ट विनोद सिंह और राजकुमार पाहन के खिलाफ समन जारी किया है. बता दें कि हेमंत सोरेन को सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार कर लिया था. ईडी ने लैंड स्कैम से जुड़े मामले में सात घंटे से ज्यादा पूछताछ करने के बाद हेमंत सोरेन को गिरफ्तार किया था. इस केस में हेमंत सोरेन, भानु प्रताप के अलावा ईडी ने मोहम्मद सद्दाम को भी गिरफ्तार किया है. इस मामले में ईडी अबतक तीन लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है.

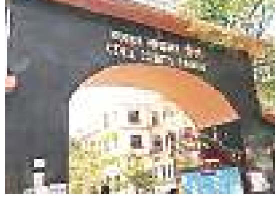

वित्त विभाग ने लिखा पत्र, महालेखाकार कार्यालय में दिये आंकड़ों का करें मिलान

प्रमुख संवाददाता। रांची

खास बातें

- सभी अपर मुख्य सचिव व प्रधान सचिव को दिया निर्दश
- निकासी और व्ययन पदाधिकारी द्वारा नहीं की जा रही कार्रवाई

वित्त विभाग ने सभी विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और सचिव को पत्र लिखा है. पत्र में कहा है कि महालेखाकार कार्यालय में दिए गए आंकड़ों का मिलान नहीं हो रहा है. निकासी और व्ययन पदाधिकारी ऑनलाइन सुलह (ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन) की कार्रवाई शत-प्रतिशत नहीं कर रहे हैं. जबकि ई-कुबेर पोर्टल में आय और व्यय से संबंधित विभागीय आंकड़ों को ऑनलाइन सुलह (ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन) करने का प्रावधान किया गया है. वहीं महालेखाकार कार्यालय द्वारा बार-बार सूचित किया जा रहा है कि निकासी एवं व्यनन पदाधिकारियों द्वारा ऑनलाइन सुलह की शत-प्रतिशत कार्रवाई नहीं की जा रही है.

ये लिए गए हैं निर्णय : जिस महीने में डीडीओ लेवल बिल मैनेजमेंट सिस्टम से विपत्र तैयार किया जाना होगा. उससे दो माह पूर्व तक के विभागीय आय एवं व्यय लेखा का महालेखाकार कार्यालय के आंकड़ों के साथ ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन अनिवार्य होगा. उदाहरण के लिए अगर गार्च माह में डीडीओ लेवल बिल मैनेजमेंट सिस्टम में कोई भी विपत्र बनाने से पूर्व दिसंबर माह में निकासी किये गये सभी विपत्रों का ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन किया जाना अनिवार्य होगा. उसी प्रकार अप्रैल माह में डीडीओ लेवल बिल मैनेजमेंट सिस्टम में कोई भी विपत्र बनाने से पूर्व जनवरी माह में निकासी किये गये सभी विपत्रों का 0 ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन किया जाना अनिवार्य होगा.

दूसरे विपत्र नहीं किए जा सकेंगे तैयार

जारी निर्देश के अनुसार वर्तमान माह से दो माह पूर्व तक के विभागीय आय एवं व्यय लेखा का महालेखाकार कार्यालय के आंकड़ों के साथ ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन नहीं रहने की स्थिति में डीडीओ लेवल बिल मैनेजमेंट सिस्टम से वेतन, जीपीएफ एडवांस, जीपीएफ फाइनल संबंधी विपत्रों को छोड़ कर अन्य किसी प्रकार के विपत्र तैयार नहीं किये जा सकेंगे. डीडीओ लेवल बिल मैनेजमेंट सिस्टम में लॉगिन करने पर पेंडिंग का अलर्ट प्रदर्शित होगा, जिसमें ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन करने संबंधी पेज का लिंक रहेगा. जिसके माध्यम से ऑनलाइन रिकॉनसिलिएशन की कार्रवाई पूर्ण कर लिये जाने के बाद डीडीओ लेवल बिल मैनेजमेंट सिस्टम से विपत्र तैयार किये जा सकेंगे.

बड़ी पहल : एजी के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए 1.56 करोड़ का लगेगा सॉफ्टवेयर

12.40 करोड़ से पेपरलेस होंगे सचिवालय सहित सरकारी ऑफिस

रवि भारती। रांची

राज्य के सचिवालय सहित सरकारी ऑफिसों में पेमेंट सिस्टम और इससे जुड़े सभी डाटा को पेपरलेस करने के लिए 12.40 करोड़ का सॉफ्टवेयर खरीदा जाएगा. वहीं प्रधान महालेखाकार कार्यालय से बीच समन्वय स्थापित करने के लिए 1.56 करोड़ का सॉफ्टवेयर लगाया जाएगा. ई-साइन या डिजिटल साइन के लिए दो करोड़ का सॉफ्टवेयर खरीदा जाएगा. वित्त विभाग ने इसका आदेश जारी कर दिया है.

एसएनए स्पर्श सॉफ्टवेयर से होगा कर्मियों के वेतन का भुगतान

सॉफ्टवेयर एसएनए स्पर्श से सरकारी कर्मियों के साथ केंद्र प्रायोजित योजनाओं की राशि का भुगतान पेपरलेस प्रक्रिया से किया जाएगा. इस सिस्टम को लागू करने के लिए राजस्थान, ओडिशा और बिहार में अपनायी जा रही प्रक्रिया का भी अध्ययन किया गया है. इसके आधार पर ही झारखंड में यह सिस्टम लागू किया जाएगा.

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जल्द ही की जाएगी शुरुआत

इस प्रक्रिया को राज्य सरकार पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू कर रही है. यह छह महीने तक का होगा. इस पायलट प्रोजेक्ट की सफलता के बाद राज्य के सभी कोषागारों में सभी तरह के विपत्रों के भुगतान के लिए पेपरलेस भुगतान प्रणाली अपनायी जाएगी.

डाटा बेस रहेगा सुरक्षित

वित्त विभाग के अनुसार पेपरलेस भुगतान प्रणाली से संबंधित इलेक्ट्रॉनिक डाटा. डाटा लॉग, डिजिटल साइन बिल और डोक्यूमेंट अगल डाटा बेस में सुरक्षित रहेगा. इस प्रक्रिया को अपनाने के लिए आइएफएमएस एप्लिकेशन मॉड्यूल में आवश्यक बदलाव वित्त विभाग के प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट द्वारा किया जाएगा.

क्या है यह प्रस्तावित प्रक्रिया

प्रक्रिया में निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी कार्यालय से डीडीओ लेवल बिल मैनेजमेंट सिस्टम में ही विपत्र तैयार होंगे. इसके बाद लिपिक टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन से सिस्टम में लॉगिन कर डिजिटली विपत्र तैयार करेंगे. फिर आधार बेस्ट ओटीपी ते माध्यम से निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी को ऑनलाइन अग्रसारित करेंगे. निकासी एवं व्यनन पदाधिकारी टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन से डीडीओ लेवल बिल मैनेजमेंट सिस्टम में लॉगिन कर विपत्र की जांच करेंगे. इसके बाद ई-साइन या डिजिटल साइन करेंगे. यह विपत्र ई-बिल कहलाएगा. फिर निकासी एवं व्यनन पदाधिकारी द्वारा ई-बिल को कोषागार कार्यालय में ऑनलाइन अग्रसारित किया जाएगा.

जेपीएससी परीक्षा की जांच के लिए दाखिल पीआईएल पर अब दूसरी कोर्ट में सुनवाई

संवाददाता ।रांची

खास बातें

- सीबीआई ने मामले में सौंप दी है स्टेटस रिपोर्ट
- बुद्धदेव उरांव ने मामले में दायर की है पीआईएल

हाईकोर्ट में पहली व दूसरी जेपीएससी समेत अन्य परीक्षाओं की जांच की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने इस जनहित याचिका की सुनवाई दूसरी अदालत में करने का निर्देश दिया. फिलहाल इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की बेंच में चल रही थी. सीबीआई ने इस मामले में अपना स्टेटस रिपोर्ट कोर्ट को सौंप दिया है.दरअसल बुद्धदेव उरांव ने साल 2008 में इन सभी परीक्षाओं में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की थी. इसके बाद हाईकोर्ट ने इन परीक्षाओं की सीबीआई जांच करने का निर्देश दिया था. साथ ही नियुक्ति पर ही रोक लगा दी थी. इसके बाद सरकार और मुकदमे से प्रभावित अभ्यर्थियों ने सुप्रीम कोर्ट की शरण ली थी. जहां से अभ्यर्थियों को राहत मिली थी. सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के नियुक्ति प्रक्रिया को रोकने के आदेश को खारिज कर दिया था. हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश को बरकरार रखा था. इस मामले में जांच पूरी की जा चुकी है.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | बुधवार 17 अप्रैल 2024 ● चैत्र शुक्ल पक्ष 09 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 9 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

यूपीएससी परीक्षा में जमशेदपुर के हुनरमंदों ने बिखेरा जलवा, चार अभ्यर्थियों ने बढ़ाया राज्य और शहर का नाम

स्वाति वर्मा को यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 17वां रैंक, बनीं झारखंड टॉपर

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

यूपीएससी की परीक्षा में जमशेदपुर की बेटी स्वाति शर्मा ने देश में 17वां स्थान और झारखंड में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्य और शहर का नाम रौशन किया है. स्वाति शर्मा मानगो के कालिका नगर निवासी पूर्व थल सैनिक संजय शर्मा की पुत्री हैं. स्वाति ने बताया कि चूंकि उसके पिता सेना में थे, इस वजह से उसकी पढ़ाई देश के कई राज्यों के शहरों में हुई है. स्वाति ने मैट्रिक की परीक्षा आर्मी सेकेंडरी स्कूल, कोलकाता से पास किया. इसके बाद 12वीं की पढ़ाई के लिए जमशेदपुर के साकची स्थित टैगोर एकेडमी में नामांकन लिया. इसके बाद 2019 में बिष्टुपुर स्थित जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज से राजनीति विज्ञान से एमए किया.

कोचिंग संस्थान में नहीं लिया नामांकन, खुद की तैयारी

स्वाति शर्मा ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता, परिजनों और शिक्षकों को दिया है. उन्होंने कहा कि यूपीएससी की पढ़ाई के लिए किसी भी कोचिंग संस्थान में नामांकन नहीं लिया. हालांकि, इसके लिए वर्ष 2022 में दिल्ली गई थीं. वहां जाकर विभिन्न कोचिंग संस्थानों का टेस्ट सीरीज लिया और वहां जहां भी साप्ताहिक टेस्ट होता था, उसमें वह भाग लेती थीं. वर्ष 2022 नवंबर से 2023 मई तक वहीं रह कर यूपीएससी की तैयारी की. इस कारण सफलता की ऊंचाई को छूने में सफल हो पाईं. उनके जीवन का डेढ़ साल सिर्फ यूपीएससी पर केंद्रित था.

तीसरे प्रयास में मिली सफलता

स्वाति शर्मा ने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि परीक्षा में असफलता से घबराना नहीं है. यूपीएससी की वर्तमान सफलता उन्हें तीसरे प्रयास में मिली. पहले प्रयास में तो वह प्रारंभिक परीक्षा तक उत्तीर्ण नहीं कर पाई थीं. दूसरे प्रयास में प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन उसके बाद की परीक्षाओं में वह उत्तीर्ण नहीं हुईं. तीसरी बार प्रारंभिक परीक्षा 2023 मई को दी थी. इसका रिजल्ट जून में आया था. उसके बाद सितंबर में मेंस हुआ था. साक्षात्कार जनवरी 2024 में हुआ था. स्वाति ने बताया कि वह पेंटिंग की शौकीन हैं और मूवी देखना भी पसंद है. उनका कहना है कि सकारात्मक कार्यों के लिए इंटरनेट व मीडिया का उपयोग जरूरी है. यह आज के समय के लिए आवश्यक भी है, लेकिन इसे आदत नहीं बनाना चाहिए.

टाटा स्टील कर्मचारी के पुत्र हर्षित को मिला 272वां रैंक

जमशेदपुर। टाटा स्टील के कर्मचारी समर कुमार के बड़े बेटे हर्षित वर्मा ने यूपीएससी की परीक्षा में 272वां रैंक हासिल किया है. समर कुमार जमशेदपुर के कदमा प्रकृति विहार निवासी और टाटा स्टील के सिंटर प्लांट तीन में सीनियर एसोसिएट के रूप में कार्यरत हैं. हर्षित वर्मा, वर्तमान में बंगलुरु की एक इंजीनियरिंग कंपनी एरकिसियम में कार्यरत हैं. उनकी मां गृहिणी तथा छोटा भाई बंगलुरु में गुगल के लिए काम करता है. उनका परिवार मूलतः कटिहार का रहने वाला है. हर्षित की स्कूली शिक्षा कदमा स्थित डीबीएमएस के मेन ब्रांच से हुई है. वहां से मैट्रिक और इंटर पास करने के बाद बीआईटी मेसरा से बीटेक की पढ़ाई की. उसके बाद उन्होंने इंजीनियरिंग कंपनी में काम करते हुए यूपीएससी की तैयारी की और सफलता हासिल की.

कपाली के शिक्षक पुत्र आतिफ वकार ने लाया 819वां रैंक

जमशेदपुर। कपाली के खुर्शीद इकराम और महजबीन अख़्तर के पुत्र आतिफ ने 819वां रैंक हासिल किया है. आतिफ ने इससे पहले पिछले साल बीपीएससी परीक्षा पास की थी, जिसके बाद उनका जहानाबाद में बीडीओ के पद पर चयन हुआ था. उनके पिता खुर्शीद इकराम बोड़ाम में सरकारी शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं. आतिफ की एक बहन आरिफा गायनेकोलॉगिस्ट और दूसरी बहन डॉ. फौजिया एमडी पैथोलॉजी हैं. भाई शाकिब हाफिज-ए-कुरान समेत बीटेक पास आउट है और मां महजबीं अख्तर कबिरिया उर्दू स्कूल की रिटायर्ड असिस्टेंट मैनेजर हैं. आतिफ वकार ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा केरला पब्लिक स्कूल, मानगो से हासिल की है.

जमशेदपुर के ऋत्विक को मिला 520वां रैंक

जमशेदपुर। लोयोला स्कूल जमशेदपुर के पूर्व छात्र और स्पर्धा प्रकाशन की प्रकाशक प्रियंका वर्मा के पुत्र ऋत्विक ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में देशभर में 520वां रैंक हासिल किया है. ऋत्विक ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई लोयोला स्कूल से करने के उपरांत दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज से भूगोल विषय से स्नातक किया था. वे दिल्ली में ही यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे. इससे पूर्व ऋत्विक का चयन बीपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में भी हो चुका है.

वासंतिक नवरात्र

नवमं सिद्धिदात्री

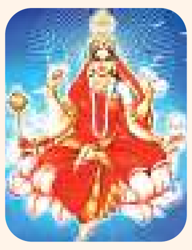

सिद्धगन्धर्व-यक्षाद्यैरसुरैरमरैरपि।
सेव्यमाना सदा भूयात् सिद्धिदा सिद्धिदायिनी।।

नवरात्र के अंतिम दिन नवमी की देवी हैं माता सिद्धिदात्री. नवमी के दिन इनके दर्शन-पूजन का विधान शास्त्रों में किया गया है. ये सभी प्रकार की सिद्धियां प्रदान करती हैं. माता सिद्धिदात्री अपनी चार भुजाओं में चक्र, गदा, शंख और कमल का पुष्प धारण करती हैं. कमल पुष्प पर आसीन रहनेवाली माता सिद्धिदातृ का वाहन सिंह है. हिमाचल के नन्दापर्वत पर इनका प्रसिद्ध तीर्थ है. एक मान्यता के अनुसार इनकी पूजा करने से बाकी देवियों की उपासना भी स्वयं हो जाती है. इनकी कृपा से कठिन से कठिन कार्य भी आसानी से संभव हो जाते हैं. अणिमा, महिमा, गरिमा, लघिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व आठ सिद्धियां होती हैं. इसलिए इस देवी की सच्चे मन से विधि विधान से उपासना-आराधना करने से यह सभी सिद्धियां प्राप्त की जा सकती हैं. कहते हैं भगवान शिव ने भी इस देवी की कृपा से यह तमाम सिद्धियाँ प्राप्त की थीं. इस देवी की कृपा से ही शिव जी का आधा शरीर देवी का हुआ था.इसी कारण शिव अर्द्धनारीश्वर नाम से प्रसिद्ध हुए.

-डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

कांग्रेस ने तीन प्रत्याशियों का किया ऐलान, रांची सीट फिर होल्ड में बढ़ा संशय

धनबाद से अनुपमा सिंह, गोड्डा से दीपिका और चतरा से केएन त्रिपाठी

कौशल आनंद। रांची

लंबे इंतजार के बाद कांग्रेस ने अपने कोटे के तीन और लोकसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नाम की घोषणा मंगलवार को कर दी. पार्टी ने धनबाद से विधायक अनूप सिंह की पत्नी अनुपमा सिंह, गोड्डा से महगामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह और चतरा से पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी को प्रत्याशी बनाया है. वहीं, तीसरी सूची में भी रांची सीट को होल्ड कर दिया है. कांग्रेस के घोषित तीनों प्रत्याशियों में सबसे चौंकाने वाले नाम गोड्डा से दीपिका पांडेय सिंह और धनबाद से अनुपमा सिंह का रहा. रही बात चतरा की, तो वहां से केएन त्रिपाठी रेस में काफी आगे थे. यूं कहें कि किसी अन्य बड़े नेता ने इस सीट के लिए दावेदारी नहीं की थी.

यौन शोषण का मामला प्रदीप के खिलाफ गया : गोड्डा से प्रदीप यादव का नाम तय माना जा रहा था. मगर ऐन वक्त पर उनका पत्ता साफ हो गया. प्रदीप यादव को लेकर पार्टी नेतृत्व को कोई संशय नहीं था, मगर उनपर चल रहा यौन शोषण का मामला उनके टिकट की राह में रोड़ा बन गया. पार्टी नेतृत्व को विभिन्न माध्यमों से यह फीड बैक मिला था कि अगर प्रदीप यादव को उतारा गया, तो भाजपा इस मुद्दे को लेकर चुनाव के बीच में कोई बड़ा खेल कर सकती है, जिससे सारे किए कराए पर पानी फिर सकता था. इस कारण अंततः महगामा विधायक दीपिका पांडेय सिंह के नाम पर मुहर लगायी गयी.

अनुपमा सिंह

दीपिका पांडेय सिंह

केएन त्रिपाठी

खास बातें

- सुबोधकांत के पक्ष में कांग्रेस का एक खेमा कर रहा लॉबिंग
- रांची से सुबोधकांत की बेटी यशस्विनी सहाय की भी चर्चा
- ओबीसी व कुरमी कार्ड खेले जाने के भी लग रहे हैं कयास

सुबोधकांत सहाय के लिए भी उम्र बन सकती है राह में रोड़ा

धनबाद में जब ददई दुबे और मन्नान मल्लिक का पत्ता उम्र के कारण कट गया, तो कांग्रेस उम्रदराज हो चुके सुबोधकांत सहाय को रांची से टिकट देकर पार्टी में कोई विवाद खड़ा करना नहीं चाहती है. कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें दिल्ली भी बुलाया था, पर कुछ तय नहीं हो पाया और वह रांची लौट गये. हालांकि कांग्रेस का एक खेमा सुबोधकांत को साइड लाइन करने के मूड में नहीं है. इसलिए, विकल्प के तौर सहाय की बेटी यशस्विनी सहाय का नाम चल रहा है. दूसरी ओर रांची सीट से ओबीसी या कुर्मी कार्ड खेले जाने की बातें भी काफी चर्चा में हैं.

धनबाद में ददई दुबे व मन्नान मल्लिक के लिए उम्र बनी बाधा

धनबाद सीट को लेकर कांग्रेस फूंक-फूंक कर कदम आगे बढ़ा रही थी. कांग्रेस नेतृत्व ने अंतिम समय तक कोयलांचल की गर्मी का एहसास किया. अंततः पार्टी ने इस सीट से राजपूत कार्ड खेलने का ही मन बनाया और धनबाद से विधायक अनूप सिंह की पत्नी अनुपमा सिंह को धनबाद से प्रत्याशी घोषित किया. हालांकि सरयू राय को लेकर भी दिल्ली में उच्चस्तरीय मंथन चला था, मगर कांग्रेस नेतृत्व संतुष्ट नहीं हो सका. रही बात ददई दुबे और मन्नान मल्लिक की, तो उम्र की बाधा इनके खिलाफ चली गयी.

भाजपा में जाने की चर्चा के कारण पूर्णिमा नीरज सिंह का पत्ता साफ

कांग्रेस ने शुरू में धनबाद सीट से झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह को चुनाव लड़ाने का मन बनाया था. मगर उनकी भाजपा में जाने की चर्चा ने पानी फेर दिया. जब पूर्णिमा को भाजपा ने अपने पाले में नहीं लिया, तो वे रेस हुईं, मगर तब तक काफी देर हो चुकी थी. दूसरी ओर अनुपमा सिंह को लेकर पार्टी नेतृत्व को विश्वास में ले लिया गया था. हालांकि, इसको लेकर नेतृत्व ने पूर्णिमा नीरज सिंह को दिल्ली भी बुलाया, उनसे सलाह-मशविरा करके, उन्हें विश्वास में लेने का पूरा प्रयास किया गया.

हजारीबाग में रामनवमी जुलूस रोकने पर बवाल

आक्रोशित लोगों ने पुलिस की गाड़ियों में की आगजनी

बड़कागांव इलाके में मचान व पुलिस वाहनों में धधकती आग.

आक्रोश व्याप्त

- पुलिस की गाड़ियों में की तोड़फोड़, माहौल तनावपूर्ण
- बड़कागांव इलाका छावनी में तब्दील, स्थिति नियंत्रण में

संवाददाता। हजारीबाग

जिले के बड़कागांव में रामनवमी जुलूस रोके जाने से आक्रोशित लोगों ने आगजनी की है. पुलिस की गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई है. घटना मंगलवार की देर शाम हुई है, जहां बड़कागांव थाना क्षेत्र के महुदी गांव में अष्टमी का वापसी जुलूस प्रशासन द्वारा रोके जाने पर देर शाम तक रामभक्तों में आक्रोश बना हुआ है. पुलिस द्वारा लगाए गए उत्तरी दिशा के बैरिकेडिंग को राम भक्त द्वारा तोड़ कर पहले आगे बढ़ गए.

दूसरे बैरिकेडिंग के पास जय श्रीराम का नारा लगाते हुए आगे बढ़ने का प्रयास करने लगे. इसी बीच मचान में आगजनी की घटना हो गई. आक्रोशित लोगों ने प्रशासन के आधा दर्जन वाहनों में तोड़फोड़ की है. भीड़ को हटाने के लिए पुलिस द्वारा लाठीचार्ज किये जाने की भी खबर है. आग पर काबू पाने के लिए एंबुलेंस वाहन पहुंची. घटना की सूचना मिलते ही हजारीबाग डीसी नैंसी सहाय और पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने महुदी गांव पहुंच कर मोर्चा संभाल लिया. रात होने के कारण अफरा-तफरी का माहौल बन गया था. फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है. प्रशासन की ओर से पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया गया है.

महुदी में 40 वर्षों से रुका था रामनवमी का जुलूस

बड़कागांव थाना क्षेत्र के महुदी गांव में रामनवमी जुलूस 40 वर्षों से रुका हुआ था. इसी दौरान मंगलवार को रामनवमी का जुलूस अष्टमी के दिन बिना प्रशासन की देखरेख में शांतिपूर्वक निकल कर सोनपुरा गांव मेलाटांड़ पहुंचा. जुलूस निकलने की सूचना पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई और खुशी का माहौल बन गया. जुलूस निकलने की सूचना मिलते ही बड़कागांव प्रशासन की टीम महुदी गांव पहुंची और वापसी जुलूस को रोक दिया गया. जुलूस रोके जाने के बाद लोग वहां धरने पर बैठ गए और प्रशासन का विरोध करते हुए गाड़ियों में आगजनी कर दी.

11वीं की छात्रा ने अपने घर में फंदे से लटक कर दे दी जान

संवाददाता। बहरागोड़ा

प्रखंड क्षेत्र के बरसोल थाना अंतर्गत प्लस टू हाईस्कूल खांडामौदा में पढ़ने वाली 11वीं कक्षा की छात्रा ने अपने घर में ही दुपट्टा के फंदे से लटक कर अपनी जान दे दी. मृतका की पहचान जेस्टी भोक्ता की पुत्री खुशी भोक्ता (17) के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार, छात्रा ने जब इसने यह कदम उठाया, तब घर में कोई नहीं था. मृतका की मां सामान लाने के लिए दुकान गई हुई थी, जबकि पिता काम के सिलसिले में बाहर थे. दुकान से मां जब घर लौटी, तो खुशी को घर के एंगल में फंदे से लटका पाया. शोर मचाने पर आस-पड़ोस के लोग जुट गए. सूचना पर पहुंची बरसोल पुलिस ने परिजनों से घटना की जानकारी ली और शव को बहरागोड़ा सीएचसी भेज दिया. फिलहाल, घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है.

चाचा पर भतीजे की पत्नी से छेड़खानी करने का आरोप

चाचा ने भतीजे को चाकू मारकर किया घायल

संवाददाता। जमशेदपुर

मानगो थाना अंतर्गत कुंवर बस्ती निवासी बालेश्वर यादव ने अपने भतीजे संदीप यादव उर्फ राजा यादव पर चाकू से हमला कर दिया. सोमवार देर रात हुई घटना में संदीप का दायां कंधा जख्मी हो गया.

घटना के बाद परिजनों ने घायल संदीप को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल में भर्ती कराया. संदीप की पत्नी ज्योती को भी अंदरूनी चोट आई है. इधर, घटना की सूचना मानगो पुलिस को मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया. इस संबंध में ज्योति देवी ने मानगो थाना में लिखित शिकायत की है. जानकारी देते हुए संदीप के साला अनिल यादव ने बताया कि बालेश्वर यादव उसनकी बहन से साथ हाथापाई करते हुए छेड़खानी कर रहा था. इसी बीच संदीप यादव घर पहुंचा, तो यह सब देख चाचा का विरोध किया. इस पर बालेश्वर ने संदीप पर चाकू से हमला कर दिया. अनिल ने बताया कि बालेश्वर घर पर अवैध शराब का भी कारोबार करता है. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

घरेलू विवाद में पत्नी और दो बेटियां की गला रेत की हत्या

संवाददाता। चाईबासा

पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा मुफस्सिल थाना क्षेत्र में में पति ने अपने पत्नी और दो बेटियां की गला रेत कर हत्या कर दी. घटना बीते देर रात की बताई जा रही है. उधर, घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस घटनास्थल पहुंची और हत्यारोपी को गिरफ्तार कर लिया. इधर, पुलिस ने मृतकों के शवों को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया.

जानकारी के अनुसार, चाईबासा मुफस्सिल थाना क्षेत्र के लादुराबासा गांव निवासी आरोपी गुरुचरण पांडेया रोज की तरह काम कर के बीते सोमवार को भी घर आया था. तभी उसकी पत्नी किसी बात को लेकर नाराज हो गई और हल्ला करने लगी. इससे नाराज होकर गुरचरण ने अपनी पत्नी जानो पांडेया, बेटी सुमी पांडेया और रेणुका पांडेया की धारदार हथियार से गला काट के हत्या कर दी. गिरफ्तार आरोपी ने पूछताछ के क्रम में पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी छोटे-छोटे बात को लेकर झगड़ा करती थी. सोमवार रात वह हल्का नशे में था और जब वह चिल्लाने लगी, तो मुझे गुस्सा आ गया और पत्नी व दो बेटियों की हत्या कर दी.

जघन्य घटना

- पुलिस ने घटनास्थल से हत्यारोपी को किया गिरफ्तार
- तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया

रामनवमी विशेष

झरिया के अखाड़ा उस्ताद किशुन पहलवान का ख्यातियां आज भी लोगों के जेहन में

शरीर मंदिर है, व्यायाम पूजा और हम इसके पुजारी हैं...

रिजवान शम्स। धनबाद

शरीर मंदिर है, व्यायाम पूजा है और हम पुजारी हैं. यह कहना था झरिया के प्रसिद्ध पहलवान किशुन साव (स्वर्गीय) का. वे छह दशकों तक झरिया के महाराणा प्रताप दल के उस्ताद रहे. किशुन पहलवान ने 60 के दशक में इस दल की कमान संभाली थी. उनको वैकुंठवासी हुए 13 साल बीत चुके हैं, लेकिन आज भी उनके वंशज और शागिर्द अखाड़ों के दंगल में नाम कमा रहे हैं. उनके दंगल से निकले पहलवान दीनानाथ सिंह ने सिनेमा जगत तक में जगह बनाई थी. इसके अलावा कई लोगों ने देश भर में नाम कमाया. किशुन पहलवान के गुजरने के बाद भी इस दल में युवाओं को तराशने का काम जारी है. इस बार भी रामनवमी में बॉडी शो के लिए कोलकाता से पांच प्रसिद्ध बॉडी बिल्डरों को बुलाया गया है, ताकि युवा वर्ग अपने सेहत और शरीर को मंदिर समझ कर इसका ख्याल रखें.

दंगल क्रेज

60 के दशक में महाराणा प्रताप दल के उस्ताद बने थे किशुन

87 साल से युवाओं को मिल रहा प्रशिक्षण, कमा रहे हैं नाम

13 साल पहले हो गये थे वैकुंठवासी

झरिया कोयलांचल में किशुन पहलवान ऐसा नाम है, जिसे लगभग हर कोई जानता है. उम्र के नवें दशक में उन्होंने मार्च 2011 में इस दुनिया से विदा लिया था. झरिया के महाराणा प्रताप दल में 1937 में पहली बार अखाड़ा निकाला गया था. किशोरावस्था से ही पहलवानी और अखाड़े के प्रति उनकी जो ललक अंतिम सांस तक रही. वे महाराणा प्रताप दल के आजीवन उस्ताद बने रहे.

74 वर्ष की उम्र में सीने पर तोड़वाया था पत्थर

किशुन पहलवान हर साल रामनवमी में सीने पर पत्थर तुड़वाने और हाथ से डाब तोड़ने समेत पहलवानी की कई कलाओं का प्रदर्शन करते थे. 74 वर्ष की उम्र में उन्होंने जी टीवी के एक शो 'शाबाश इंडिया' में हिस्सा लिया था और टीवी पर लाइव 100 किलो का पत्थर अपने सीने पर रखकर हथौड़े के प्रहार से तुड़वाया था. आज उनकी याद में उनके शागिर्द हर साल अखाड़ा में पहुंचते हैं और श्रद्धांजलि स्वरूप अपने शारीरिक सौष्ठव का प्रदर्शन करते हैं.

जिले में निकलेंगे 150 से अधिक अखाड़े

वर्तमान में सिर्फ झरिया में 23 अखाड़े हैं, जबकि पूरे धनबाद जिले में ये संख्या 150 के करीब हो जाती है. रामनवमी के दिन ये अखाड़े शस्त्र कला और ढोल बाजे के साथ श्रीराम के जयकारे लगाते हुए सड़क पर उतरेंगे. झरिया के सब्जी पट्टी में अखाड़ों का जुटान होगा. यहां सभी दल पहुंच कर अपनी-अपनी प्रतिभा का कौशल दिखाएंगे. इसी में महाराणा प्रताप दल का भी बॉडी शो होगा, जिसमें कोयलांचल समेत पश्चिम बंगाल से बुलाए गए पहलवान अपना शारीरिक पराक्रम दिखाएंगे.

ब्रीफ खबरें

सुबह से विभिन्न इलाकों में बिजली गुल रहेगी

महुदा । रामनवमी पर्व में सड़क पर सुरक्षा को लेकर गणेशपुर सब-स्टेशन से विधुत आपुर्ति बुधवार दोपहर दो बजे से रात 10 बजे तक करीब आठ घंटे बिजली गुल रहेगी. इस दौरान काण्ड्रा फिडर के तेलमाचो, महुदा मोड़, काण्ड्रा, लोहपिट्टी, पुपुनकी, पाथरगड़िया फिडर के अन्तर्गत महुदा बाजार, राधानगर, देवघरा, लालबंगला तथा बाघमारा फिडर के हरिणा, कतरास आदि क्षेत्रों में बिजली प्रभावित रहेगी. कनीय अभियंता सोनु सामड़ ने बताया कि रामनवमी पर्व पर सड़क पर जुलुस व झंडा निकाला जाता है.

नीरज हत्याकांड में पंकज समेत अन्य की हुई पेशी

धनबाद। पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह सहित चार लोगों की हत्या के मामले में मंगलवार को जेल में बंद आरोपियों की पेशी हुई. जेल में बंद झरिया के पूर्व भाजपा विधायक संजीव सिंह को स्वास्थ्य खराब रहने के कारण पेश नहीं किया जा सका. वहीं, धनजी सिंह, डब्लू मिश्रा, संजय सिंह, पिंटू सिंह , शूटर शिबू उर्फ सागर , सोनू उर्फ कुर्बान, सतीश उर्फ रोहित उर्फ चंदन एवं पंकज सिंह को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया. 21 मार्च 2017 की संध्या सात बजे नीरज सिंह की स्टील गेट के पास हत्या कर दी गयी थी.

पेयजल को लेकर आपस में भिड़े दो पक्ष

तोपचांची । मंगलवार को तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत श्रीराम पुर पंचायत के बड़कीटांड़ में पेयजल को लेकर दो पक्षों में नोंक-झोंक हुई. गर्मी की शुरुआत होते ही तोपचांची पंचायत के विभिन्न पंचायतों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है. पेयजल की आपूर्ति के लिए तोपचांची प्रखंड के 28 पंचायतों में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना से जलमीनार का निर्माण करवाया गया है. लेकिन गर्मी आते ही पेयजल मिलना मुश्किल होता जा रहा है. बड़कीटांड़ में हुए दो पक्षों के बीच नोंक-झोंक के बाद पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर दोनों पक्षों को शांत कराया.

लापरवाही में सस्पेंड हुए धनबाद थानेदार

धनबाद । धनबाद एसएसपी एचपी जर्नादनन ने धनबाद थाना प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश कुमार को निलंबित कर दिया है. उनके खिलाफ कार्य में लापरवाही बरतने की बात कही जा रही है. चुनाव कार्य में भी थानेदार सुस्ती बरत रहे थे. इसके अलावा थाना क्षेत्र में घटित आपराधिक मामलों पर भी अंकुश लगाने में पूरी तरह नाकाम साबित हो रहे थे. पिछले कई महीनों से कोई उपलब्धी भी नहीं दिखा पाए. इन सारी बातों को देखते हुए पुलिस कप्तान ने उन्हें निलंबित कर दिया है. फिलहाल धनबाद थाने में पदास्थापित अन्य दारोगा से कार्य लिया जा रहा है.

सीपी चौधरी का सालपहाड़ में हुआ जोरदार स्वागत

टुंडी । गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र के आजसू प्रत्याशी चंद्रप्रकाश चौधरी ने टुंडी बंगारो, पारसबनी, धधकीटांड, सालपहाड़ के गांव पहुंचे व अपने विकास कार्यों के लिए ग्रामीणों से आशीर्वाद मांगा. वहीं अरवाटांड़ यज्ञ समिति, बेहाड़ा बादलपुर हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समिति के सदस्यों ने उनका स्वागत किया. पूर्वी टुंडी पालोबेड़ा चैती दुर्गा पूजा समिति लतानी और रामपुर के ग्रामीणों ने स्वागत किया. मौके केंद्रीय सचिव मनोज महतो, केंद्रीय सचिव भास्कर ओझा, केंद्रीय सदस्य दिनेश राय, केंद्रीय सदस्य महेंद्र प्रसाद, निरंजन मंडल व रामचंद्र राणा मौजूद थे.

सिटी एसपी ने निकाला फ्लैग मार्च, लोगों से की शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील

कोयलांचल में आज गूंजेगा श्रीराम का जयकारा

संवाददाता। धनबाद

रामनवमी के अखाड़े को लेकर शहर में तैयारी पूरी कर ली गई है. पूरा शहर राम के जयकारे से गुंजायमान है. समितियां अखाड़ा जुलूस को भव्य बनाने में जुटी हुई हैं. रामनवमी के अवसर पर धनबाद, झरिया, जामाडोबा, सिंदरी, कतरास आदि क्षेत्रों से भव्य अखाड़ा जुलूस निकालने की तैयारी है. इसे लेकर लोगों में खासा उत्साह भी देखा जा रहा है. वहीं बैंक मोड़, झरिया, जामाडोबा सहित अन्य जगहों पर अखाड़ा जुलूस का स्वागत किया जाएगा. इसके पूर्व सभी अखाड़ा दल महावीर मंदिरों में बजरंग बली को पताका चढ़ाकर ढोल नगाड़ों के साथ पूजा अर्चना करेंगे. शाम को शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अखाड़ा मुख्य बाजार पहुंचेगी और खिलाड़ी अपने शस्त्र कला का प्रदर्शन करेंगे. वहीं सिटी एसपी अजीत कुमार के नेतृत्व में शहर में फ्लैगमार्च निकाला गया. जो विभिन्न स्थलों से होकर गुजरा और लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की बात कही गई. मार्च में बाइक के साथ-साथ चार पहिया वाहनों में भी पुलिस पदाधिकारी शामिल थे.

प्रशासन तैयार

- जामाडोबा में अखाड़ा जुलूस का स्वागत किया गया
- अखाड़ा दल महावीर मंदिरों में पूजा अर्चना करेंगे

पुलिस प्रशासन पूरी तरह से है मुस्तैद

त्योहार को लेकर जिला प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड पर है. राम नवमी को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण व हर्षोल्लास के साथ संपन्न कराने के लिए जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा, वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन तथा अपर जिला दंडाधिकारी विधि व्यवस्था हेमा प्रसाद ने संयुक्त आदेश जारी कर जिले के कतरास, धनबाद, चिरकुंडा, तोपचांची, झरिया, गोविंदपुर एवं टुंडी को जोन में बांटा है. सभी जोन में जोनल दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहेंगे. साथ ही धनबाद, बैंक मोड़, सरायढेला, धनसार, झरिया, जोरापोखर, सुदामडीह, पाथरडीह, तिसरा, सिंदरी, बलियापुर, केंदुआडीह, पुटकी, लोयाबाद, जोगता, कतरास, राजगंज, महुदा, मधुबन, बरोरा, तेतुलमारी, बाघमारा, तोपचांची, हरिहरपुर, बरवाअड्डा, गोविंदपुर, टुंडी, पुर्वी टुंडी, मनियाडीह, निरसा, चिरकुंडा थाना व भूली ओपी, घनुआडीह, बोर्रागढ़, भौंरा, लोदना, अलखडीहा, गौशाला, मुनिडीह, भागाबांध, अंगारपथरा, कपूरिया, रामकनाली, गोंदुडीह, खरखरी, ईस्ट बसुरिया, सोनारडीह, धर्माबांध, कालूबथान, कुमारधुबी, मैथन, गलफरबाड़ी, खरखरी, भाटडीह एवं पंचेत ओपी में पुलिस पदाधिकारियों के दंडाधिकारी मौजूद रहेंगे. रामनवमी को लेकर जिला नियंत्रण कक्ष 16 अप्रैल दोपहर दो बजे से 18 अप्रैल की सुबह छह बजे तक कार्यरत रहेगा. जिला नियंत्रण कक्ष में 21 पदाधिकारी व 18 कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है, जो 16 अप्रैल के दोपहर दो बजे से 18 अप्रैल की सुबह छह बजे तक तीन शिफ्ट में मौजूद रहेंगे. अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक जिला नियंत्रण कक्ष के संपूर्ण प्रभार में हैं. बता दें कि चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष के नौवें दिन मनाया जाता है रामनवमी.

शहर में एक बजे के बाद बड़े वाहनों का प्रवेश हुआ बंद

- रामनवमी को लेकर नया रूटचार्ट जारी किया गया
- जुलूस को लेकर आठ मार्ग पर पाबंदी लगी है

संवाददाता । धनबाद

रामनवमी को लेकर यातायात विभाग की ओर जिले भर में नया रूट चार्ट जारी किया गया है. इसमें आटो, हैवी वाहन, बस से लेकर अन्य वाहनों के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गई है. इसके तहत कई रास्तों पर बदलाव किए गए हैं. डीएसपी अरबिंद कुमार सिंह ने बताया कि ऑटो और यात्री बसों के परिचालन के लिए समय-सीमा तय की गई है. सात रास्तों को वाहनों के लिए बंद रखा जाएगा. नौ जगहों पर ड्रॉपगेट के जरिए वाहनों को नियंत्रित किया जाएगा. दोपहर एक बजे के बाद मुख्य शहर में यात्री बसें नहीं चलेंगी. ऑटो-टोटो का परिचालन भी विभिन्न रूटों पर शाम चार बजे से जुलूस की समाप्ति तक बंद रहेगा. बसों व भारी वाहनों का मार्ग भी बदला गया है. नौ लाइसेंसी अखाड़ा दलों ने बैंक मोड़ से होकर जुलूस निकालने की घोषणा की है. पुराना बाजार पानी टंकी के पास धनसार थाना क्षेत्र के 14 में से 11 अखाड़ों का शाम 6 से 8 बजे के बीच जुटान होगा.

जुलूस के दौरान यहां रहेगी वाहनों की नो एंट्री

- केंदुआडीह मोड़
- धनसार मोड़
- कतरास मोड़ से केंदुआडीह मार्ग
- बस्ताकोला से कतरास मोड़ मार्ग
- सिंदरी गौशाला ओपी के पास
- बोर्रागढ़-आबो देवी पेट्रोल पंप के पास
- गोल बिल्डिंग
- मेमको मोड़

किसी भी अस्पताल में 24 घंटे इलाज करने का नियम बना है

शाम पांच बजते ही सदर अस्पताल के गेट पर लटक जाता है ताला

मरीज परेशान

- धनबाद की बड़ी आबादी सदर अस्पताल पर निर्भर है
- इमरजेंसी व इनडोर में चिकित्सक होना अनिवार्य है

राजा गुप्ता । धनबाद

धनबाद में 30 लाख आबादी की इलाज का जिम्मा एसएनएमएमसीएच और सदर अस्पताल का है, लेकिन यहां 24 घंटे इलाज का दावा फेल साबित हो रहा है. शहर के कचहरी रोड स्थित सदर अस्पताल में शाम पांच बजते ही मुख्य गेट और इमरजेंसी गेट पर ताला लटक जाता है. जबकि नियमतः किसी भी अस्पताल में 24 घंटे इलाज करने का नियम है और सभी गेट 24 घंटे खुले भी रहने चाहिए, ताकि मरीज व उनके परिजनों को लगे कि यह अस्पताल सरकार की ओर से बनायी गई नियम का पालन हो रहा है.

खुद स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारी कहते हैं कि प्राइवेट हो या फिर सरकारी अस्पताल, उसे 24 घंटे खुले रहना चाहिए. इमरजेंसी व इनडोर में चिकित्सकों का होना अनिवार्य है.

पारा मेडिकल स्टाफ के साथ-साथ नर्स, वार्ड ब्वाय समेत अन्य कर्मी भी होनी चाहिए. इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था का भी पुख्ता इंतजाम होना चाहिए. 24 घंटे एंबुलेंस सेवा और अग्नि सुरक्षा यंत्र की भी व्यवस्था होनी चाहिए. जबकि हकीकत यह है कि सदर अस्पताल सरकारी नियमों के मानक को पूरा नहीं कर रहा है. यह अस्पताल सिविल सर्जन चंद्र भानु प्रतापन के अधीन है. वहीं दूसरी ओर मरीज व उनके परिजन कहते हैं कि उन्होंने कभी भी सिविल सर्जन को अस्पताल में औचक निरीक्षण करते नहीं देखा है और ना ही मरीजों से बेहतर इलाज मिलने के बारे में बातचीत की है. जानकारों का कहना है कि इमरजेंसी वार्ड में एक भी मरीज भर्ती नहीं होता है. कभी गेट खुलता है तो कभी बंद हो जाता है. ऐसा नहीं है कि यहां बेड नहीं है. इलाज के लिए ऑक्सीजन व पल्स आदि नापने के लिए मॉनिटर तक है, लेकिन सभी बेकार पड़े हैं. कोरोना काल के समय सभी का एक साल तक इस्तेमाल किया गया. उसके बाद तीन साल से अधिक समय बीत गए, उसके बाद भी व्यवस्था में सुधा नहीं हुआ है. जब मंत्री या आला अधिकारी सदर अस्पताल का निरीक्षण करने आते हैं तो सभी व्यवस्था दुरूस्त हो जाती है. इमरजेंसी से लेकर सभी इनडोर वार्ड में चिकित्सक व मेडिकल स्टाफ नजर आने लगते है, लेकिन सामान्य दिनों में अस्पताल श्मशान घाट की तरह नजर आता है. दिन में ओपीडी खुला रहने से सुबह दस से एक बजे तक मरीज नजर आते हैं. धीरे-धीरे शाम होते ही नजारा वीरान हो जाता है.

स्त्री-प्रसूती विभाग इमरजेंसी में हमेशा रहता है चिकित्सक

लोगों का कहना है कि सदर अस्पताल के स्त्री-प्रसूती विभाग के इमरजेंसी में एक पुरुष चिकित्सक हमेशा रहता है. तीन शिफ्ट में तीन डॉक्टर इलाज करते हैं. रात में दस से सुबह छह बजे तक यहां भी चिकित्सक नहीं के बराबर रहते हैं. ड्यूटी के दौरान कहीं सो जाते हैं. जब गंभीर मरीज आते हैं, तो चिकित्सक को कॉल कर बुलाया जाता है. वरना मरीज को कहा जाता है कि वह एसएनएमएमसीएच चला जाए. इसको लेकर कई बार हंगामा भी हो चुका है, लेकिन व्यवस्था पहले की तरह ही है.

उपविजेता राजा बोस को नकद 1500 और ट्रॉफी दी गई

35वां जिला चेस चैंपियन बने विकास

संवाददाता। धनबाद

धनबाद जिला शतरंज संघ द्वारा आयोजित 35वीं ओपन शतरंज प्रतियोगिता और दसवीं महेंद्र मेमोरियल ट्रॉफी संपन्न होने के बाद पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया. जिसमें धनबाद जिला शतरंज संघ के सचिव मुकेश सिन्हा ने कहा कि तीन दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता अव्वल विकास कुमार सिन्हा को ओवरऑल चैंपियन का पुरस्कार मिला है. प्रशस्ति पत्र के साथ नकद 2500 के साथ ट्रॉफी दी गई. वहीं उपविजेता राजा बोस को नकद 1500 और ट्रॉफी दी गई. तृतीय पुरस्कार धनंजय महतो और चतुर्थ वेदांत राजेश को मिला. धनंजय को 1000 और वेदांत को 600 रुपये नकद राशि दी गई. पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि धनबाद रेल मंडल के वरीय वाणिज्य पदाधिकारी अमरेश कुमार थे. उन्होंने संबोधन में कहा कि धनबाद में काफी संख्या में बच्चे, युवा व बुजुर्ग शतरंज खिलाड़ी के रूप में शिरकत करेंगे, यह मैंने सोचा भी नहीं था. उन्होंने संघ को हर संभव मदद करने की बात कही. मंच पर धनबाद जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष महेंद्र सिंह, सचिव मुकेश सिन्हा और संयुक्त सचिव प्रोफेसर धनंजय सिंह थे. मंच का संचालन नरेश कुमार ने किया. शतरंज प्रतियोगिता में आर्बिटल प्रभात कुमार और अरुण कुमार का सराहनीय योगदान रहा.

रामनवमी को लेकर महुदा में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

संवाददाता। महुदा

रामनवमी पर्व शान्तिपूर्वक मनाने को लेकर मंगलवार को महुदा थाना प्रभारी धीरज कुमार के नेतृत्व में महुदा थाना एवं भाटडीह ओपी क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया. इस दौरान महुदा थाना प्रभारी धीरज कुमार एवं भाटडीह ओपी प्रभारी बाल मुकुन्द सिंह सहित दर्जनों सिपाही अपने मोटरसाइकिल से महुदा बाजार से होते हुए तेलमोचो बाजार से भाटडीह ओपी क्षेत्र तक फ्लैग मार्च किया. इसके अलावे ग्रामीण क्षेत्रों का भी भ्रमण किया. थाना प्रभारी धीरज कुमार ने लोगों से मिलकर कहा कि रामनवमी पर्व शान्तिपूर्वक मनाये. किसी प्रकार का समस्या होने पर हमें तुरंत सुचित करें. इसके अलावे तेलमच्चो चेकपोस्ट स्थित कैम्प का भी जायजा लिया गया. फ्लैग मार्च में एएसआई मनोहर कुमार, धनेश्वर सिंह, मनोज लकड़ा, निरंजन प्रताप, प्रदीप कुमार, बाजुन हेम्ब्रम सहित अन्य मौजूद थे.

रामनवमी का पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं : एसडीपीओ

निरसा/मैथन। आगामी रामनवमी पर्व को शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने के लिए निरसा अनुमंडल पुलिस ने मंगलवार की संध्या क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला. फ्लैग मार्च का नेतृत्व निरसा एसडीपीओ रजत माणिक बाखला कर रहे थे. फ्लैग मार्च में बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी, अर्धसैनिक बल के जवान शामिल थे. फ्लैग मार्च निरसा थाना से चिरकुंडा, मैथन, कुमारधुबी, गल्फरबाड़ी एवं पंचेत के मुख्य मार्गो से होते हुए थाना परिसर में जाकर समाप्त हुआ. एसडीपीओ श्री बाखला ने लोगों से अपील की कि वे रामनवमी का पर्व शांति और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाएं. उन्होंने कहा कि पुलिस किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सतर्क है. उन्होंने लोगों से यह भी कहा कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि को देखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें.

बिना पोस्टमार्टम के ही दफन किये गए महिलाओं के शव

- घर की पुताई के लिए मिट्टी काटने के दौरान दोनों की मृत्यु हुई थी

संवाददाता। टुंडी

मनियाडीह थाना क्षेत्र के भेलवाबेड़ा इलाके में टुंडी पहाड़ के नीचे घर की पुताई के लिए मिट्टी काटने पहुंची दो महिलाओं की मौत मंगलवार को मिट्टी में दबने से हो गई थी. यहां मिट्टी काटने के लिए चार महिलाएं गईं थीं. अचानक मिट्टी भरभरा का गिर गया और दो महिलाओं को चपेट में ले लिया. जबकि दो महिलाएं बाल-बाल बच गईं. मरने वालों में झिनाकी टोला के रहने वाले छुटूलाल मरांडी की पत्नी और प्रेम प्रकाश मरांडी की पत्नी हैं. मिट्टी में दबी इन दोनों महिलाओं को मिट्टी काटने गई अन्य साथी महिलाओं ने ही मिट्टी से बाहर निकाला. ये महिलाएं पहाड़ के नीचे से सफेद मिट्टी लाने के लिए वहां जाती हैं, क्योंकि सफेद मिट्टी से पुताई काफी बेहतर होती है. मिट्टी को काट-काटकर सुरंग जैसा बना दिया गया है. इसी में प्रवेश कर महिलाएं मिट्टी काट रही थीं, तभी हादसा हो गया. पूर्व में भी इस इलाके में मिट्टी में दबने से दो महिलाओं की मौत हो चुकी है. इधर मंगलवार को दोनों महिलाओं के शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया. गांव के लोगों की तरफ से पुलिस को लिखकर दे दिया गया कि वे लोग पोस्टमार्टम कराना नहीं चाहते हैं. इसके बाद दोनों शवों का अंतिम संस्कार कर दिया गया. एक साथ गांव में दो मौतों से मातम पसर गया है.

पदाधिकारियों ने किया निरीक्षण

संवाददाता। धनबाद

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा के निर्देशानुसार मंगलवार को अधिकारियों ने बूथों का निरीक्षण किया. लोकसभा चुनाव को लेकर नोडल पदाधिकारी स्वीप कोषांग सह जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह एवं डीपीएम जेएसएलपीएस शैलेश रंजन ने कम मतदान प्रतिशत वाले झरिया के विभिन्न बूथों का निरीक्षण कर लोगों को मतदान के प्रति जागरूक किया. इस दौरान वोटर अवेयरनेस फोरम के तहत नोडल पदाधिकारी द्वारा शपथ ग्रहण करवाते हुए निर्वाचन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया. इस दौरान देश की लोकतांत्रिक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए निर्भीक होकर धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करने की सभी से अपील की गई. साथ ही स्वीप के पदाधिकारियों द्वारा ऑन द स्पॉट कई लोगों का फॉर्म छह भी भरा गया. जागरुकता कार्यक्रम के दौरान मतदाता सूची में निबंध की प्रक्रिया से अवगत कराया गया एवं वोटर हेल्पलाइन एप डाउनलोड कराया गया. मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सुनिल कुमार सिंह, डीपीएम जेएसएलपीएस शैलेश रंजन, कार्यपालक दंडाधिकारी नारायण राम, बाल संरक्षण पदाधिकारी साधना कुमारी, सोशल मीडिया पब्लिसिटी ऑफिसर विनीता कुमारी समेत बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइज़र एवं अन्य मौजूद थे.

दुरंतो एक्सप्रेस में दो बांग्लादेशी पर्यटकों की बिगड़ गई तबीयत

संवाददाता। धनबाद

दुरंतो एक्सप्रेस में दो बांग्लादेशी पर्यटकों की तबीयत बिगड़ने से रेलवे के अधिकारियों में हड़कंप मच गया. दोनों को आनन फानन में पहले धनबाद स्टेशन पर रेलवे के चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज किया, फिर उन्हें एसएनएमएमसीएच भेज दिया. जहां दोनों इलाजरत हैं. बताया जाता है कि बांग्लादेश से सात युवकों की टोली भारत के कई पर्यटन स्थल देखने आए थे. वापसी में गया स्टेशन के पास सात में दो युवकों की उल्टी-दस्त शुरू हो गई. फिर कोच अटेंडेंट और टीटीई को तबीयत बिगड़ने की जानकारी दी गई. उसके बाद धनबाद रेलवे कंट्रोल रूम को खबर किया गया. मंडल रेल अस्पताल से चिकित्सक एंबुलेंस लेकर धनबाद स्टेशन पहुंचे और ट्रेन की प्रतीक्षा करने लगे. गया से धनबाद तक किसी भी स्टेशन पर दोनों तक इलाज नहीं किया गया. जबकि एक दर्जन स्टेशनों के पास क्षेत्रीय रेलवे अस्पताल है और वहां चिकित्सक भी हैं. धनबाद पहुंचने पर ही दोनों का इलाज किया गया. जबकि रेलवे के अधिकारी हमेशा दावा करते हैं कि ट्रेन में सफर करनेवाले यात्रियों की सुरक्षित यात्रा करना उनका कर्तव्य है.

प्रशिक्षण ऑब्जर्वर मॉक पोल के डाटा को क्लियर कर ईवीएम को जीरो पर सेट करेंगे

माइक्रो ऑब्जर्वर मतदान केंद्रों में समय से मॉक पोल करेंगे

संवाददाता। धनबाद

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देश पर मंगलवार को न्यू टाउन हॉल में लोकसभा चुनाव के सफलतापूर्वक क्रियान्वयन के लिए माइक्रो ऑब्जर्वरों को चुनाव के दिन मॉक पोल से लेकर मतदान संपन्न होने के बाद पोलिंग पार्टी के निकलने तक, उनके दायित्व का प्रशिक्षण दिया. प्रशिक्षण में माइक्रो ऑब्जर्वरों को उनका दायित्व समझाते हुए उपायुक्त ने कहा कि माइक्रो ऑब्जर्वर अपने मतदान केंद्रों में समय से मॉक पोल करेंगे. पहली बार प्रत्येक उम्मीदवार के लिए तीन-तीन मॉक पोल करेंगे. वहीं मतदान के दौरान यदि कंट्रोल यूनिट को रिप्लेस करने की स्थिति आती है, तब उसे रिप्लेस करके प्रत्येक उम्मीदवार के लिए एक-एक मॉक पोल करेंगे. मॉक पोल हो जाने पर कंट्रोल यूनिट से मॉक पोल के डाटा को क्लियर कर, वीवीपैट से सभी स्लिप निकाल कर लिफाफे में सीलबंद कर, ईवीएम को जीरो पर सेट करेंगे. उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों पर आयोग के निर्देशानुसार समय पर मतदान शुरू कराएंगे. बूथ पर प्रत्येक उम्मीदवार के एक-एक एजेंट को मौजूद रहने की अनुमति देंगे. साथ ही यह सुनिश्चित करेंगे कि मतदान की गोपनीयता बनी रहे. वहीं एब्सेंटी वोटर के मतदान की प्रक्रिया पर प्रकाश डालते हुए उपायुक्त ने कहा कि एब्सेंटी वोटर जब मतदान करने आते हैं तो उनके अंगूठे का निशान अवश्य लेना है. साथ ही आयोग द्वारा प्रमाणित जो भी पहचान पत्र मतदाता प्रस्तुत करें, उसका नंबर नोट करना है. उपायुक्त ने कहा कि ईवीएम को क्लोज करते ही समय अंकित हो जाएगा. इसलिए सभी मतदान केंद्रों पर आयोग द्वारा निर्धारित समय अवधि से पहले मतदान की प्रक्रिया को बंद नहीं करना है. उन्होंने कहा कि हर मतदान केंद्र से वेब कास्टिंग की जाएगी. इसकी सतत निगरानी की जाएगी. इसलिए सभी माइक्रो ऑब्जर्वर एवं पोलिंग पदाधिकारी अपने दायित्व का सुचारू रूप से निर्वाहन करें. प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर दिलीप कुमार कर्ण एवं राजकुमार वर्मा ने चुनाव के दिन माइक्रो ऑब्जर्वरों के विशेष 18 दायित्व पर प्रशिक्षण दिया. इस अवसर पर उपायुक्त माधवी मिश्रा, उप विकास आयुक्त सादात अनवर, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, डीसीएलआर संतोष गुप्ता के अलावा माइक्रो आब्जर्वर उपस्थित थे.

धनबाद डीसी

- बूथ पर प्रत्येक उम्मीदवार के एक-एक एजेंट मौजूद रहेंगे
- एब्सेंट वोटर के अंगूठे का निशान लेना है जरुरु

महाअष्टमी में उमड़ी भक्तों की भीड़

सतीश गोस्वामी । गोमो

गोमो । रेल नगरी गोमो के आजाद नगर गुनघुसा व खेसमी मे श्री श्री सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति के द्वारा आयोजित चैती दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाई जा रही है. दुर्गा मंडप में मां दुर्गा की बड़ी प्रतिमा स्थापित की गई है. परिसर में आकर्षक पंडाल विद्युत बल्ब की लरियों से सजाया गया है. मंगलवार को महाअष्टमी पूजन में भक्तों की भारी भीड़ रही. दोपहर एक बजे तक माता रानी की पुष्पांजलि पूजन में महिलाओ की भीड़ उमड़ी. तपती धूप में भी मां दुर्गा के दर्शन पूजन में श्रद्धालुओं की भीड़ दिन भर पंडाल में जुटी रही. भक्तों ने मां दुर्गा के दर्शन व पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किए. माता दुर्गा की वैदिक पाठकर्ता पण्डित अतुल चक्रवर्ती ने बताया कि महाअष्टमी पूजन अतुल्य है. निष्ठा भाव से किए गए पूजन में सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं. बताया गया कि शास्त्री निरंजन पांडे व अवध किशोर पांडे के द्वारा मां दुर्गा का वैदिक पूजन किया जा रहा है. उन्होंने बताया कि महाअष्टमी को महागौरी की पूजा की जाती है. जो तप का रुप है. पण्डित नित्यानन्द झा उर्फ गुड्डू पण्डित (गुनघुसा) ने बताया कि महाअष्टमी पूजन अमोद फ़लदायिनी है. माता गौरी की उपासना आराधना कल्याणकारी होता है. पति के रुप में भगवान शिव की प्राप्ति के लिए माता गौरी ने तपस्या की थी और मनोकामनाएं पूर्ण हुईं थीं. इसलिए महाअष्टमी पूजन का विशेष महत्व है, जो शास्त्रों में काफी फलदायी बताया गया है.

ब्रीफ खबरें

ताला मरांडी ने लोगों से किया संवाद

पाकुड़ । राजमहल लोकसभा क्षेत्र में कमल खिलाने को लेकर जनसंपर्क अभियान के तहत भाजपा प्रत्याशी ताला मरांडी ने लोगों से संवाद किया. जिले के आमड़ापाड़ा प्रखंड के बोहड़ा पंचायत के कालाझोर, भिलाई एवं जामुगाड़िया गांव में मंडल अध्यक्ष आशीष हेंब्रम की अध्यक्षता में ताला मरांडी ने जनसंपर्क अभियान के तहत लोगों से संवाद किया. संवाद पर लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के लोककल्याण कार्यों के प्रति अपना संतोषप्रद एवं सुखद अनुभव साझा करते हुए राजमहल लोकसभा क्षेत्र में कमल खिलाने एवं देश में अबकी बार 400 पार के साथ फिर एक बार मोदी सरकार को लाने का संकल्प लिया.

डीसी ने सुनी लोगों की समस्याएं

पाकुड़ । उपायुक्त पाकुड़ मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में मंगलवार को जनता दरबार का आयोजन कर लोगों की समस्याएं सुनीं. जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे लोगों ने उपायुक्त को अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान का अनुरोध किया. उपायुक्त ने प्राप्त समस्याओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवेदन अग्रसारित करते हुए जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया. जनता दरबार में जमीन, पशुपालन विभाग, रोजगार से संबंधित मामले के अलावा विभिन्न आवेदन प्राप्त हुए. उपायुक्त ने सभी आवेदनों का बारीकी से अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

गाइडलाइन के अनुसार ही त्योहार मनाएं

बोकारो । कसमार थाना प्रभारी भजनलाल महतो ने मंगलवार को थाना क्षेत्र अंतर्गत वासंतीय नवरात्र एवं रामनवमी महोत्सव के विभिन्न पूजा पंडालों की विधि व्यवस्था का जायजा लिया. इस दौरान कसमार, बगदा, खैराचातर, चंडीपुर, मधुकरपुर आदि पूजा पंडालों में जाकर कमेटी के लोगों से मिले तथा पूजा की तैयारी की जानकारी ली. उन्होंने विधि व्यवस्था बनाए रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की. कहा कि गाइडलाइन के अनुसार ही त्योहार मनाएं. रामनवमी जुलूस एवं विसर्जन इत्यादि पर डीजे बजाना पूर्णतः बंद रहेगा. मौके पर संजय महतो, अनिल महतो, सिद्धेश्वर महतो, मनोज महतो, निर्मल महतो, रामबिलास महतो, धीरेंद्र महतो, रमेश प्रजापति, बर्जेश महतो आदि मौजूद थे.

राम कथा की कथा अमृत समान है: मालती

बोकारो । कसमार प्रखंड के मधुकरपुर में बासंती दुर्गा पूजा सह रामनवमी महोत्सव के अवसर पर सोमवार की रात को श्रीराम कथा का आयोजन हुआ. इस दौरान काफी संख्या में ग्रामीणों ने कथा श्रवण किया. इस दौरान कथा वाचिका मालती शास्त्री ने कहा कि श्रीराम कथा से साक्षात हनुमान जी का दर्शन संभव है. उन्होंने कहा कि श्रीराम कथा अमृत के समान है. इसके सुनने मात्र से प्राणी धन्य एवं जन्म मरण के बंधनों से मुक्त हो जाता है. वर्तमान जीवन में भी सारे कष्टों से छुटकारा पा जाता है. साथ ही मनुष्य आचार, व्यवहार और स्वभाव से श्रेष्ठ हो जाता है. कथा के प्रारंभ होने से पहले कमेटी के अध्यक्ष संजय महतो ने व्यास पीठ को पूजन कर माल्यार्पण किया. मौके पर धीरेंद्र महतो, दिनेश चंद्र महतो, परमेश्वर महतो, प्रफुल महतो, कैलाश आदि मौजूद थे.

जिला प्रशासन ने रामनवमी को लेकर शहर व अन्य क्षेत्रों में ट्रैफिक व्यवस्था में बदलाव किये हैं

शहर के कई रूटों पर बड़े वाहनों की होगी नो एंट्री

संवाददाता । बोकारो

ट्रैफिक व्यवस्था

- कई रूटों पर वाहनों के परिचालन में पाबंदी रहेगी
- दो बजे से रात 10 बजे तक ट्रैफिक में बदलाव

जिला प्रशासन ने रामनवमी के अवसर पर शहर व अन्य क्षेत्रों में ट्रैफिक व यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कई बदलाव किए हैं. रामनवमी में बुधवार को अपराह्न दो बजे से रात 10 बजे तक ट्रैफिक में बदलाव किया गया है. जिसमें कई रूटों पर वाहनों के परिचालन में पाबंदी रहेगी. इस जुलूस में लोग भारी संख्या में उमड़ते हैं. इस परिप्रेक्ष्य में रामनवमी जुलूस के दौरान समय दोपहर दो बजे से रात्रि 10 बजे तक यातायात को सुव्यवस्थित रखने एवं विधि- व्यवस्था के मद्देनजर दिशा निर्देश जारे किये गये हैं. साथ ही संबंधित थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्र अन्तर्गत वाहनों को निर्धारित समय एवं स्थल पर रोकने का निर्देश दिया गया है. वहीं पेटरवार की ओर से उकरीद मोड़ की ओर आनेवाली एनएच 23 पर भारी वाहन को जरीडीह टोल के पास रोकी जायेगी. पुरुलिया की ओर से आईटीआई मोड़ की ओर आने वाली एनएच 32 पर भारी वाहन को पिण्ड्राजोरा चेकपोस्ट एवं आईटीआई मोड़ पर रोकी जायेगी. धनबाद की ओर से जोधाडीह मोड़ की ओर आने वाली एनएच 32 पर भारी वाहन को तेलमच्चो टोल के पास रोकी जायेगी. इधर, चन्दनकियारी की ओर से जोधाडीह मोड़ की ओर आने वाली भारी वाहन को भवानीपुर साईड के पास रोकी जायेगी. इलेक्ट्रोस्टील की ओर से आनेवाली भारी वाहनों को तेलगड़िया मोड़ पर रोक दी जायेगी. वहीं, माराफारी से नयामोड़ की ओर आने वाली भारी वाहन का परिचालन पूर्णतः बंद रहेगी. भारी वाहन को रेलवे पुल के पास रोका जायेगा. उकरीद मोड़ बैरिकेटिंग कर पूर्णतः बंद रहेगा. नयामोड़ से उकरीद मोड़ वाले गले मार्ग पर जुलूस के समय बस का परिचालन पूर्णतः वर्जित रहेगा. दूसरी तरफ बालीडीह की तरफ से उकरीद मोड़ की ओर आने वाली एनएच 23 पर चार पहिया, तीन पहिया वाहन का परिचालन पर रोक रहेगी. उकरीद मोड़ से बालीडीह जाने वाली एनएच 23 पर सभी चार पहिया, तीन पहिया वाहन का परिचालन स्टेशन मोड़ से उकरीद मोड़ तक होगा. नयामोड़ से उकरीद मोड़ की ओर जाने वाली सभी प्रकार के वाहन का परिचालन सेक्टर-12 मोड़ से होते हुए पुलिस लाईन से होते हुए उकरीद मोड़ जायेंगे. चास की ओर से आने वाली तथा उकरीद मोड़ की ओर जाने वाली सभी प्रकार के वाहन का परिचालन सेक्टर-12 मोड़ से बाएं पुलिस लाइन होते हुए हाईवे से उकरीद मोड़ जायेंगे.

डीसी की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक

सरकारी नियमों का करें पालन डीजे का इस्तेमाल न करें : डीसी

संवाददाता । गिरिडीह

दिये निर्देश

- शांतिपूर्ण वातावरण में रामनवमी मनाने की अपील
- असामाजिक तत्वों पर जिला प्रशासन की नजर रहेगी
- बिजली के तारों को व्यवस्थित करने का निर्देश

रामनवमी को लेकर मंगलवार को समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने बैठक की. इसमें सभी अनुमंडल पदाधिकारी, गिरिडीह जिला व जिला स्तरीय शांति समिति/ महावीर समिति/ जुलूस, अखाड़ा आयोजन समिति के सदस्यों शामिल हुए. बैठक में उपायुक्त ने लाइसेंसधारी अखाड़ा समिति तथा गैर लाइसेंसधारी अखाड़ा समिति के सदस्यों को रामनवमी जुलूस के दौरान सरकारी नियमों के पालन किए जाने को लेकर कई निर्देश दिए. उपायुक्त ने रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में चयनित रुट पर ही जुलूस निकालने का निर्देश दिया. साथ ही अखाड़ा जुलूस को रात 10 बजे तक ही निकालने व जुलूस के दौरान डीजे का इस्तेमाल नहीं करने का निर्देश दिया. उपायुक्त ने कहा कि अखाड़ा समिति वीडियोग्राफी के साथ जुलूस को निकालें, ताकि विपरीत स्थिति उत्पन्न होने पर वीडियो के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई की जा सके. उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान पर्याप्त रौशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करें. मेडिकल टीम एवं अग्निशमन की भी व्यवस्था रहेगी. उपायुक्त ने कहा कि असामाजिक तत्वों पर जिला प्रशासन की पैनी निगाह रहेगी. कोई भी व्यक्ति अगर विधि व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न करता है तो ऐसे व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी. साथ ही सड़क किनारे झूलते हुए बिजली के तारों को व्यवस्थित करने का निर्देश दिया.

उपायुक्त ने कहा कि सोशल मीडिया यथा फेसबुक, व्हाट्सअप, एक्स हैंडल, इंस्टाग्राम आदि पर जिला प्रशासन की नजर रहेगी. कोई भी व्यक्ति अगर सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने, विधि व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न करने का कार्य करेगा तो उक्त व्यक्ति को चिन्हित करते हुए कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि किसी भी खबर की प्रामाणिकता की जांच किए बिना किसी भी परिस्थिति में अफवाह फैलाने का कार्य नहीं करें. पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा ने अखाड़ा समिति के सदस्यों से कहा कि जुलूस के दौरान पारंपरिक वाद्य यंत्र का उपयोग करें. जिस रुट से जुलूस निकालने की अनुमति दी गई है, उसी रुट से जुलूस निकालें. सभी जुलूस के साथ पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जाएगी. ड्रोन के माध्यम से विधि व्यवस्था की निगरानी रखी जाएगी. उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का महात्योहार की भी घोषणा हो चुकी है. किसी भी परिस्थिति में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखें. उन्होंने शांति समिति के सभी सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि जिले में शांतिपूर्ण, सद्भावना, आपसी सौहार्द से ही रामनवमी मनाने में प्रशासन का सहयोग करें. वहीं अधिकारियों को उन्होंने अपने स्तर से संवेदनशील स्थानों एवं अन्य स्थानों की निगरानी रखें, साथ ही यह सुनिश्चित करें कि पर्व/त्योहार में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो. उन्होंने कहा कि हम सभी कि जिम्मेवारी है कि जिले में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से त्योहार संपन्न कराई जाए. कहा कि भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं और दूसरों के लिए मिसाल पेश करें. इसके अलावा बैठक में सभी शांति समिति के सदस्यों द्वारा पूर्व के अनुभव के आधार पर कई बिंदुओं पर प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराया व सुझाव भी दिए. उन्होंने बेहतर समन्वय एवं सद्भाव के साथ प्रशासन व अन्य समुदाय के लोगों के साथ मिलकर शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में रामनवमी संपन्न कराने का भरोसा दिलाया. उन्होंने कहा कि अखाड़ावार वॉलिंटियर्स को सक्रिय भूमिका के लिए जिम्मेदारी दी जाए. संवेदनशील जुलूस मार्गों में किसी भी प्रकार की अफरा तफरी ना हो इसके लिए अतिरिक्त सतर्कता व समन्वय बनाई जाए. बैठक में डीसी के अलावा जिले के सभी वरीय अधिकारी व अखाड़ा समिति के सदस्य मौजूद थे.

स्कूल वैन में लगी आग जलकर हुआ खाक

गोड्डा । बच्चों को लेकर स्कूल जाने वाली वैन में आग लगने से वैन जलकर खाक हो गया. घटना देवदाड़ थाना अंतर्गत ग्राम जामबाद की है. गांव में ही संचालित हो रहे एक निजी स्कूल के लिए उक्त वैन की सेवा ली जा रही थी. घटना शाम की है. उस वक्त बच्चों को घर छोड़कर वैन खड़ी थी. अचानक लगी आग से सब कुछ जलकर राख हो गया. घटना की वजह शॉट सर्किट बतायी जा रही है. वाहन पुरानी थी. इस वजह से पूरी तरह से फिट नहीं थी. यह महज संयोग ही था कि घटना के समय कोई भी बच्चा वाहन में मौजूद नहीं था. थाना प्रभारी के अनुसार यह दुर्घटना थी जिसका वजह शॉट सर्किट था. जिसमें जानमाल का कोई नुकसान नहीं हुआ है. स्कूल के अधीन चलने वाले अधिकांश वाहनों में सरकार द्वारा निर्धारित किए गए मानकों का पालन नहीं किया जाता है.

पुलिस ने सात सौ लीटर स्पिरिट किया जब्त

गोड्डा । पुलिस ने नकली शराब बनाने की फैक्ट्री का खुलासा किया. राजाभिट्ठा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में नकली शराब और शराब बनाने में प्रयुक्त होने वाली कच्ची सामग्री को जब्त किया. मामला महगामा अनुमंडल के राजाभिट्ठा थाना क्षेत्र का है. पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर जब चंपापुर गांव के जंगल में छापेमारी की गई तो टीम में शामिल अधिकारी भी यह देखकर दंग रह गए. जंगल में पूरा सेटअप लगाकर नकली शराब बनाने का अवैध कारोबार चल रहा था. छापेमारी के क्रम में पुलिस ने सात सौ लीटर स्पिरिट और करीब 45 लीटर नकली शराब जब्त किया. इसके अलावा बड़ी मात्रा में बोतलों पर चिपकाए जाने वाले स्टिकर और ढक्कन भी बरामद किया गया. उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक निलेश सिन्हा के नेतृत्व में की गई थी.

न्यूज अपडेट

रेलवे सिग्नल विभाग के गोदाम में लगी आग

साहिबगंज । साहिबगंज नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत रेलवे सिग्नल टेलीकॉम विभाग के गोदाम में रखे केबल में मंगलवार की दोपहर अचानक आग लग गई. बगल के रेलवे क्वार्टर में रहने वाली महिला ने गोदाम से उठती आग की लपटें देख इसकी सूचना रेलवे के अधिकारियों को दी. इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम दो दमकल गाड़ियों के साथ पहुंची और आग बुझाने में जुट गई. गोदाम में बड़े पैमाने पर केबल रखा हुआ था. विभागीय सूत्रों के अनुसार, आग से 50 टन से अधिक केबल जलने का अनुमान है. जिसकी कीमत करोड़ों रुपए बताई जा रही है. आग इतनी विकराल थी कि पूरा इलाका धुएं से भर गया. धुआं देख वहां लोगों की भीड़ जुट गई.

आरपीएफ ने नाबालिग को किया रेस्क्यू

बोकारो । ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत बोकारो आरपीएफ ने घर से भागी किशोरी का रेस्क्यू किया. किशोरी मध्य प्रदेश के गुना जिला अंतर्गत विजयपुर थाना क्षेत्र की है. जिसे आरपीएफ ने बोकारो रेलवे स्टेशन पर पकड़ा. घटना सोमवार रात करीब आठ बजे की है. बताया जाता है एक नाबालिग लड़की के लापता होने के संबंध में बोकारो आरपीएफ ने सूचना साझा किया. इसके साथ ही आरपीएफ एसआई अरुणा उरांव ने मेरी सहेली टीम, सीपीडीएस टीम, सीआईबी यूनिट आद्रा के साथ ट्रेनों सहित स्टेशन पर जांच अभियान चलाया. रात लगभग आठ बजे प्लेटफार्म नंबर एक के राधा गांव छोर के समीप एक लड़की मिली, जो परेशान हालत में अकेली बैठी थी.

रक्तदान कर बचायी महिला मरीज की जान

पाकुड़ । सत्य सनातन संस्था के सदस्य व खदानपाड़ा निवासी अक्षय कुमार ने सोमवार देर शाम को रक्तदान कर 45 वर्षीय महिला की जान बचायी. संस्था के सक्रिय सदस्य राहुल चौरसिया ने बताया कि साहिबगंज जिले के बड़हरवा थाना क्षेत्राधीन पतना प्रखंड के बड़ादिघी ग्राम निवासी सनातन मंडल की मां बीना देवी की बच्चेदानी में दिक्कत थी. जिनका ऑपरेशन करना था. इसे लेकर उनको सोनाजोड़ी स्थित सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जहां चिकित्सकों ने रक्त चढ़ाने का सुझाव दिया गया. हालांकि उनका रक्त समूह काफी दुर्लभ समूह था. इसलिए खोजने में काफी दिक्कत हो रही थी.

ग्रामीणों ने प्रवासी मजदूर के शव को लाया गांव

गावां । गावां प्रखंड अंतर्गत सांख पंचायत निवासी जवाहर प्रसाद यादव 38 वर्ष पिता स्व भूखल राउत की मौत बीती रात मुंबई में हो गई. जिसे ग्रामीणों नं चंदा कर शव को गांव लाया. घटना की खबर सुनकर मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है. परिजनों ने बताया कि मृतक अकेला घर का कमाऊ सदस्य था. वहीं इनकी मौत की खबर सुन पूरे गांव में मातम छा गया. मृतक अपने पीछे एक 12 वर्षीय पुत्री व नौ वर्षीय पुत्र समेत पूरे परिवार को छोड़ गया. पंसस अखिलेश यादव ने सांख पंचायत के सभी ग्रामीणों को धन्यवाद देते हुए कहा कि यहां के ग्रामीणों के सहयोग से प्रवासी मजदूर का शव गांव तक लाया जा सका. सभी ग्रामीणों ने चंदा कर के शव को लाया है. पीड़ित परिवार को जिस तरह से आपलोगों ने सहयोग किया मानवता की यही पहचान और सच्चा धर्म है. प्रवासी मजदूरों के लिए जो भी सरकारी मुआवजा सरकार के तरफ से प्रावधान है, हमलोग बहुत जल्द दिलाने की कोशिश करेंगे.

एफएसटी टीम ने वाहन से 9.95 लाख किये बरामद

गिरिडीह । आगामी लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के उद्देश्य से लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है. इसी क्रम में गिरिडीह में सोमवार की देर रात उड़नदस्ता (एफएसटी) की टीम ने चेकिंग अभियान चलाया और एक वाहन से 9 लाख 95 हजार बरामद किये. एफएसटी की टीम ने बरामद कैश को जब्त कर लिया है और मामले की जांच कर रही है. उक्त जानकारी एसपी दीपक कुमार शर्मा ने दी. दीपक कुमार शर्मा ने बताया कि मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट लागू के बाद से अबतक गिरिडीह में एक करोड़ 77 लाख 33 हजार 340 रुपये जब्त किये गये हैं.

गावां पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च

गावां । पुलिस के द्वारा रामनवमी की पूर्व संध्या पर फ्लैग मार्च का आयोजन किया गया. फ्लैग मार्च में शामिल पदाधिकारियों ने शांति व सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपिल की. इस दौरान पदाधिकारियों ने मंदिरों के पास जाकर विधि व्यवस्था की जानकारी के साथ जुलूस भ्रमण पर का भी अवलोकन किया. मौके पर बीडीओ महेन्द्र रविदास, सीओ अविनाश रंजन, थाना प्रभारी महेश चन्द्र , बीपीओ भीखदेव पासवान समेत पुलिस बल के जवान वो स्थानीय जनप्रतिनिधि व प्रबुद्ध लोग उपस्थित थे.

टोटो पलट जाने से महिला गंभीर रूप से घायल, भर्ती

संवाददाता । साहिबगंज

तालझारी थाना क्षेत्र के महाराजपुर तालझारी सड़क के बीच खरबन्नी गांव के समीप मंगलवार को टोटो पलट जाने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई. टोटो चालक भी टोटो के नीचे दब गया. जिसके कारण उसका बायां पैर टूट गया. जानकारी के अनुसार बागजोड़ी निवासी टोटो चालक भागवत टुडू फुलमुनी तुरी को बिठाकर मंगलहाट हटिया ले जा रहे थे. इसी दौरान टोटो अनियंत्रित होकर खरबन्नी गांव के समीप रोड से नीचे पलट गया. जिसके कारण टोटो में बैठी कैरासोल गांव निवासी महिला फुलमुनी टोटो के नीचे दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई. टोटो के नीचे दब जाने से महिला के गले में गंभीर चोट आई. जिससे उसकी हालत नाजुक बनी हुई थी. मौके पर स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से दोनों घायलों को तालझारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए. वहीं इसकी सूचना तालझारी थाना को भी दी गई. मौके पर एएसआई मनोज मालवीय दल-बल के साथ पहुंचे. दुर्घटना की सूचना सड़क सुरक्षा प्रजापति प्रकाश बाबा को मिलते ही तालझारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे. वहां डॉक्टर व स्वास्थ्य कर्मी के द्वारा इलाज करवाया गया.

ग्रामीणों ने धूमधाम से मनाया सरहुल पर्व

बोकारो । कसमार प्रखंड के मंजूरा गांव स्थित नाइया जेहराथान में मंगलवार को मंजूरा पंचायत के कुड़मी समाज ने सरहुल पर्व धूमधाम से मनाया. गांव के नाइया जानकी महतो ने खीर का भोग चढ़ाकर जेहराथान में पूजा अर्चना की. इस दौरान नाया ने ग्रामीणों के बीच सखुआ का फूल बांटा. ग्रामीणों ने बताया कि मंजूरा गांव में चड़क पूजा के उपरांत सरहुल परब मनाने की परंपरा गांव बसने के दौरान से ही पीढ़ी दर पीढ़ी सदियों से चली आ रही है. नाइया जेहराथान कुड़मि समेत आदिवासियों की गहरी आस्था का केंद्र है. मौके पर भागीरथ बंसरिआर, सदानंद गुलिआर, मिथिलेश महतो केटिआर, प्रवीण केसरिआर, ज्ञानी गुलिआर, दशरथ, पियूष, सहदेव झारखंडी, उमेश, अखिलेश, सुभाष हिंदइआर, बालेश्वर, मुरली, शांती, रंजीत, शैलेश आदि मौजूद थे.

दीपिका पाण्डेय होंगी गोड्डा लोकसभा से कांग्रेस उम्मीदवार

संवाददाता । गोड्डा

लंबे समय तक चले दावे प्रतिदावे के बाद आखिरकार कांग्रेस ने अपने प्रत्याशी के नाम पर मुहर लगा ही दिया. गठबंधन प्रत्याशी के तौर पर महगामा विधायक दीपिका पाण्डेय सिंह के नाम पर सहमति बनी. अन्य नामों को किनारे करते हुए जिस प्रकार दीपिका पांडेय टिकट लेने में कामयाब हुई है उससे एक बार फिर यह संदेश गया कि आलाकमान तक इनकी मजबूत पकड़ है. पूर्व में भी कई बार दीपिका जी ने यह साबित किया है कि कांग्रेस हाईलेवल तक पहुंचना सबके लिए आसान नहीं है. टिकट पाने की दौड़ में सबसे आगे पौडेयाहाट विधायक प्रदीप यादव चल रहे थे. पुराने कांग्रेसी और पूर्व सांसद फुरकान अंसारी के नाम की भी चर्चा चल रही थी. हवा में यह बात भी तैर रही थी कि दूसरे दल से कैंडिडेट को आयात किया जा सकता है और इसमें कुछ सुगबुगाहट भी हुई थी. सबसे पहला नाम भाजपा के पूर्व मंत्री सह मधुपुर के पूर्व विधायक राज पलिवार का ही चल रहा था. मगर सारे नाम के बीच दीपिका पांडेय का नाम आ गया. बता दें कि 2019 में महगामा विधानसभा से टिकट लेकर आई और पहली बार में ही भाजपा प्रत्याशी अशोक भगत को हराकर कांग्रेस पार्टी से विधायक चुन ली गईं.

KAIRALI SCHOOL
[Owned & Managed by the Malayalee Association, Ranchi]
(Affiliated to CBSE, Delhi, Affln. No. 3430042)
Sector -2, HEC Township, Ranchi-04, Jharkhand, India
Website : kairalischoolranchi.edu.in
Ph. No. 0651-2442484, 2443016, 7808257264

Requirement of Teachers

Post Graduates/Graduates with B.Ed./ M.Lib having experience are required for the following posts:
PGT- Chemistry, Librarian
TGT- Chemistry, Computer
Apply on or before **23.04.2024** in prescribed application form availabe at School website:kairalischoolranchi.edu.in Date/s for downloading of application form **18.04.2024**
Sd/- **Hon.General Secretary**
Malayalee Association, Ranchi.

जन्मोत्सव मंझने पंचायत में श्रीराम जन्मोत्सव शोभायात्रा से पहले बाइक रैली निकाली गयी

महाअष्टमी पर काली मंडा में उमड़ी भक्तों की भीड़

संवाददाता । गावां

गावां प्रखंड के मंझने पंचायत में मंगलवार को निकाले जाने वाले श्रीराम जन्मोत्सव शोभायात्रा के पूर्व हिन्दू युवा पूजा समिति मंझने की ओर से बाइक रैली निकाली गई. सड़क पर धर्म ध्वजा फहराते युवाओं का जत्था मंझने पंचायत के विभिन्न मार्गों पर भ्रमण कर हनुमान मंदिर पहुंचा. यात्रा में शामिल युवाओं के जयघोष और जय श्रीराम के नारे से गांव में भक्ति के रंग में रंग गया था. ललाट पर तिलक, हाथ में धर्म ध्वजा और जय श्रीराम के गूंज रहे नारे से गांव की आबोहवा ही बदल गई. मंझने बाजार से मंगलवार को आरम्भ हुई जन जागरण यात्रा बिरने, चिह्यूटिया, महुआरी, पसनौर, पछियाडीह, डडकोल, नावाडीह, नीमाडीह, जिबड़ी होते हुए हनुमान मंदिर पर सम्पन्न हुई. यह कार्यक्रम निरंजन सिंह के नेतृत्व में निकाला गया था. निरंजन ने बताया कि इस तरह का कार्यक्रम करने का मुख्य उद्देश्य यह है कि प्रभु श्री राम महाराज के व्यक्तित्व को सभी लोगों के जीवन मे आत्मसात करना है. मौके पर मिथलेश यादव, सुजीत, सागर चौधरी, रणधीर साव, दिनेश चौधरी, विकास मंडल आदि मौजूद थे.

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मां का पट खोला गया

गावां । चैती यानी वासंतिक नवरात्र के महासप्तमी की देर रात को मां देवी दुर्गा का पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडितों ने मां का पट खोला और लोगों ने देवी दुर्गा के अलौकिक रूप का दर्शन किया. महासप्तमी को देवी दुर्गा के कालरात्रि रूप की आराधना की गयी. गावां बाजार के प्रसिद्ध काली मंडा में जब पंडितों ने मां का पट खोला तो बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दिव्य दर्शन के लिए खड़े थे. सोमवार की देर रात पट खुलने के बाद मंगलवार की सुबह महाअष्टमी को लेकर महागौरी की पूजा अर्चना करने को लेकर गावां प्रखंड सहित अनेक स्थानों से आए श्रद्धालुओं की भीड़ काली मंडा में उमड़ पड़ी. संध्या में निशा पूजा व श्रृंगार पूजा का आयोजन किया गया. यहां भव्य महाआरती का आयोजन हुआ. जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया. इस दौरान मेले में युवा समेत बच्चों में उल्लास का माहौल बना रहा. मेला को लेकर काली मंडा के आसपास चाट, समोसा, मिठाई, श्रृंगार, कोल्ड ड्रिंक्स समेत बच्चों के खिलौने के दुकान सजे हुए हैं.

▼ ब्रीफ खबरें

माइक्रो ऑब्जर्वरों को दिया गया प्रशिक्षण

हजारीबाग। लोकसभा चुनाव के सफल संचालन के लिए सभी माइक्रो ऑब्जर्वरों का प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को स्थानीय नगर भवन में आयोजित किया गया. इस दौरान पोस्टल बैलेट कोषांग के नोडल उज्जवल चौरसिया ने पोस्टल बैलेट से वोट देने की प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया. मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी मां देवप्रिया, नोडल पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग के निर्भय कुमार, मृत्युंजय कुमार, इंदू प्रभा खलखो, उज्जवल चौरसिया एवं जिला मास्टर प्रशिक्षक के रूप में धीरज कुमार, सुनील कुमार पांडेय, राकेश रंजन, अनिल पांडेय आदि उपस्थित थे.

रामनवमी के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित

रामगढ़ । डीएवी बरकाकाना में रामनवमी के अवसर पर वशिष्ठ सदन की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. वर्ग तृतीय की श्रेया सतपति ने रामनवमी के औचित्य एवं महत्व पर प्रकाश डाला. वर्ग तृतीय से पंचम के बच्चों ने रामधुन पर आधारित भजन प्रस्तुत किए. एलकेजी से द्वितीय तक के बच्चों ने रामायण की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की. वर्ग तृतीय की श्रीत्या ने रामभजन पर नृत्य प्रस्तुत किया. प्राचार्य मो. मुस्तफा मजीद ने बच्चों को हवन के महत्व एवं उपयोगिता के बारे में बताया.

पूर्व विधायक ने किया प्रवचन मंच का उद्घाटन

चौपारण। केदली में श्री श्री 1008 श्री मद्भागवत देवी प्राण प्रतिष्ठा एवं नौ दिवसीय महायज्ञ को सातवें दिन प्रवचन मंच का उद्घाटन पूर्व विधायक मनोज यादव ने किया. इससे पूर्व यज्ञ समिति ने अतिथियों को भगवा वस्त्र देकर सम्मानित किया. मौके पर पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष राजदेव यादव, आदित्य चौरसिया, रामचंद्र सिंह, प्रदीप चंद्रवंसी, मुख्य पुजारी जनार्दन यादव, कुलदीप यादव, सुरेश गोप, आदित्य यादव, सुधीर सिंह, रवि सिंह, राज सिंह, यज्ञ समिति के अध्यक्ष छोटु गोप, सचिव राजेश कुमार यादव आदि उपस्थित थे.

हनुमान प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मूर्ति का नगर भ्रमण

टाटीझरिया। प्रखंड के मंडपा में आयोजित पांच दिवसीय श्री हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ में श्रद्धालुओं ने लगातार यज्ञ वेदी की परिक्रमा कर परिवार व क्षेत्र के सुख समृद्धि की कामना की. हवन व मंत्रों की गूंज से मंगलवार को मंडपा व इसके आसपास के ग्रामीणों ने भक्ति सागर में गोता लगाया. इसके साथ ही गाजे-बाजे के साथ हनुमान जी की मूर्ति का नगर भ्रमण कराया गया. इसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए. पूरा क्षेत्र जय श्री राम, जय हनुमान के जयकारे से गूंज उठा. नाचते-गाते श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर रहा.

पूर्व विधायक ने भाजपा की सदस्यता छोड़ी

बरकट्ठा। विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव के आवासीय कार्यालय परिसर में भाजपा समर्थकों की एक चिंतन बैठक का आयोजन किया. बैठक की अध्यक्षता पूर्व मंडल अध्यक्ष गोपाल प्रसाद ने की, जबकि संचालन बीरेंद्र यादव ने किया. वरिष्ठ नेता महाबीर यादव के नेतृत्व में सैकड़ों समर्थकों के साथ लिए गए प्रस्ताव के आलोक में पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता छोड़ दी. उन्होंने जानकारी दी कि भाजपा में पिछले पांच वर्षों से उपेक्षित महसूस कर रहा था.

राजग प्रत्याशी मनीष जायसवाल श्रद्धालुओं के साथ तलवार व भगवा ध्वज पकड़े कदमताल करते नजर आए

पूर्ण वैभव के साथ निकली अष्टमी की शोभायात्रा

संवाददाता। हजारीबाग

जिले में रामनवमी का आगाज़ हो चुका है. मंगलवार को महा अष्टमी के अवसर पर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पूर्ण वैभव और हर्षोल्लास के साथ शोभायात्रा निकाली गयी. श्री चैत रामनवमी महासमिति, विष्णुगढ़ ने विष्णुगढ़ में रामनवमी की पूर्व संध्या आयोजित भव्य और आकर्षक झंडा शोभा यात्रा में विशेषरूप से हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशी मनीष जायसवाल शामिल हुए. मनीष जायसवाल श्रद्धालुओं के साथ सड़क पर तलवार और भगवा ध्वज के साथ कदमताल करते नजर आए. इस दौरान जय श्री राम के नारे से पूरा विष्णुगढ़ और बनासो क्षेत्र गुंजायमान हो उठा. इससे पहले शोभा यात्रा विष्णुगढ़ के दुर्गा मंदिर चौक से शुरू होकर हॉस्पिटल चौक, अखाड़ा चौक, क्रोंज मोड़, जमुनिया नदी, नवादा होते हुए बनासो स्थित मां बागेश्वरी धाम पहुंचकर समाप्त हुआ.

रामभक्तों का उत्साह चरम पर दिखा

शोभायात्रा के दौरान भगवा ध्वज के साथ मोटरसाइकिल पर सवार रामभक्तों का उत्साह चरम पर दिखा. आयोजन समिति ने मनीष जायसवाल का अंग- वस्त्र भेंटकर अभिनंदन किया. वहीं जायसवाल ने आत्मीय स्वागत के लिए विष्णुगढ़ वासियों का ऋणी रहने की बात कही.

महायज्ञ में शामिल हुए राजग प्रत्याशी

वहीं टाटीझरिया प्रखंड के बेड़म गांव में मंगलवार को आयोजित हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ में राजग प्रत्याशी मनीष जायसवाल शामिल हुए. इस दौरान यज्ञ मंडप में मत्था टेक कर उन्होंने सबके लिए मंगल कामना की. महायज्ञ समिति के सदस्यों ने उन्हें अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया. मौके पर मुख्य रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलासपति सिंह, एमके पाठक, राजू यादव, शंकर प्रसाद, पंकज मंडल, निखिल सिंह, सुशांत सिंह, यज्ञ कमेटी के रोहित प्रसाद, भोला शर्मा, जीवाधन प्रसाद, बिरेंद्र प्रसाद, बबलू सिंह, राजेंद्र मंडल, प्रकाश मंडल, पप्पून शर्मा, जागेश्वर मंडल, राजकुमार मंडल, नारायण मंडल, सहदेव मिस्त्री, सचिन मंडल आदि मौजूद रहे. वहीं मनीष जायसवाल मंगलवार को हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के सदर प्रखंड स्थित ग्राम पंचायत मेरू और अमनारी पंचायत के ग्राम डंडई में आयोजित श्री चैती दुर्गा पूजा के महाअष्टमी पूजा में शामिल हुए. मेरू के ग्रामीणों ने रामनवमी से पूर्व आकर्षक झांकी सह शोभा यात्रा निकाली. यहां उनके साथ सदर प्रखंड के विधायक प्रतिनिधि विजय कुमार, भाजपा एससी मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र राम बिहारी, पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष अनेश्वर प्रसाद, महेश प्रसाद, प्रमोद कुमार सिंह, सीताराम प्रसाद, मनोज प्रसाद, राजू मेहता, लल्लू यादव, नंदकिशोर सिंह, बबलू सिंह, श्यामलाल महतो, राजेश शर्मा, भरत सिंह, रंजन चौधरी आदि मौजूद रहे.

श्रद्धांजलि सभा में शामिल हुए जायसवाल

हजारीबाग सदर विधानसभा क्षेत्र के हुटपा पंचायत स्थित ग्राम बानाहप्पा निवासी हजारीबाग जिला परिषद के जिला अभियंता स्व.सीबी सिंह और उनकी मां की संयुक्त श्रद्धांजलि सभा में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के एनडीए उम्मीदवार मनीष जायसवाल शामिल हुए और दिवंगत मां- बेटे की तस्वीर पर माल्यार्पण कर नमन व श्रद्धासुमन अर्पित किया. उनके साथ कई लोग उपस्थित थे.

विजय शंखनाद संस्था सभी झांकियों व रामभक्तों पर करेगी पुष्प वर्षा

संवाददाता। हजारीबाग

विजय शंखनाद संस्था के अध्यक्ष अमरदीप यादव ने मंगलवार को बताया कि 500 वर्षों बाद अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला विराजमान हुए. इस शुभ वर्ष में संस्था अपने शिविर से सभी झांकियों और रामभक्तों पर पुष्प वर्षा करेगी. प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में अमरदीप ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार के पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर हजारीबाग रामनवमी का संक्षिप्त इतिहास और तस्वीरें अपडेट कर दी गयी हैं. इससे विदेशी पर्यटक हज़ारीबाग़ रामनवमी, विजयादशमी और एकादशी जुलूस देखने आने के लिए आकर्षित और प्रेरित होंगे. इससे रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी. इसके लिए भारत सरकार बधाई के पात्र हैं। 27 फरवरी 2022 से संस्था ने इस विषय पर सरकार को ध्यान आकृष्ट कराया था. संस्था ने सबसे पहले हजारीबाग रामनवमी को राजकीय महोत्सव का दर्जा दिलाने का किया था. इस मांग के लिए जागरूकता और प्रयास जारी रहेगी. वहीं प्रत्येक वर्ष की भांति 23 अप्रैल को पैराडाइस रिसॉर्ट में हनुमान बालरूप सजा प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी. दो कैटेगरी में यह प्रतियोगिता होगी, जिसमें नकद पुरस्कार दिए जाएंगे. वहीं इस वर्ष भी संस्था इंद्रलोक टावर के नीचे विजयदशमी और एकादशी जुलूस में चिकित्सा शिविर लगाएगी। साथ ही चना, सत्तू, शरबत, बिस्किट पानी का वितरण करेगी. मौके पर सचिव बुद्ध प्रिय मौर्य आदित्य, उपाध्यक्ष अजीत गुप्ता, सदस्य कैलाश कुमार साहू और संदीप उपाध्याय उपस्थित थे.

भक्ति जागरण में रात भर झूमे श्रद्धालु

भक्ति जागरण से आत्मा के साथ-साथ वातावरण भी होता है शुद्ध : अम्बा प्रसाद

रामगढ़ । पीरी में प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ के सफल आयोजन के अवसर पर भव्य भक्ति जागरण का आयोजन किया गया. इसमें क्षेत्र के हज़ारों श्रद्धालु रात भर भजन, भक्ति गीतों और पौराणिक कथा पर आधारित झांकियों पर झूमते रहे. इस दौरान महायज्ञ में सहयोग करने वाले बरकाकाना ओपी प्रभारी मो अख्तर अली, क्षेत्र के पत्रकारों, समिति के सदस्यों, पदाधिकारियों आदि का सम्मानित किया गया. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि विधायक अंबा प्रसाद, विशिष्ट अतिथि मुखिया नीलम देवी आदि उपस्थित थे. विधायक ने कहा कि भक्ति जागरण से आत्मा के साथ-साथ वातावरण भी शुद्ध होता है. जागरण का मतलब रात में जागना नहीं है, बल्कि भक्ति गीतों को असल जीवन में अमल करना है. इसके बाद विजय मिश्रा म्यूजिकल ग्रुप के गायक विनय कुमार मिश्रा, सरोज कुमार लख्खा, गिरिजा किशोर, गायिका पूजा प्रियंका, पायल बनारसी ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को झूमने पर विवश कर दिया. वहीं प्रसिद्ध अमर तिलक धारी की टीम की जीवंत झांकियां श्रद्धालुओं को खूब भायीं. मौके पर शीतल बेदिया, संतोष दांगी, अनिल दांगी, प्रकाश दांगी, पवन दांगी आदि उपस्थित थे.

रामनवमी समिति ने करायी कुश्ती प्रतियोगिता

हरियाणा, बनारस, अयोध्या, पंजाब व नेपाल के पहलवानों ने दिखाए दांव-पेंच

हजारीबाग । राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त हजारीबाग की रामनवमी में हर साल सैकड़ों अखाड़ों की ओर से दशमी को भव्य झांकियां निकाली जाती हैं, जो एकादशी की देर रात तक चलती है. हजारीबाग संरक्षण समिति भी इसी क्रम में मंगलवार को हजारीबाग बड़ा अखाड़ा के प्रांगण में कुश्ती दंगल का आयोजन किया. इसमें हरियाणा, पंजाब, बनारस व हजारीबाग के भी पहलवानों ने भाग लिया. वहीं प्रशांत प्रधान ने पहलवानों की हौसला आफजाई करते हुए कहा कि हजारीबागवासी मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के आदर्शों को मानने वाले लोग हैं और हमारा कर्तव्य है कि हम उनके पदचिन्हों पर चलते हुए प्रेम और सद्भाव पूर्वक नशा मुक्त रामनवमी मनायें. मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष उमेश प्रसाद मेहता, भाजपा जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह, कांग्रेस जिला अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार यादव, दीपक नाथ सहाय, कार्यकारी अध्यक्ष निशांत कुमार, प्रधान परमेश्वर मेहता, पूर्व महासमिति अध्यक्ष राजकुमार यादव सुनील केशरी, संजीव लाल भगत, ओम प्रकाश गोप, अजय कुमार साव, ज्योति सिन्हा, लब्बु गुप्ता, ओम प्रकाश सिन्हा, केदार कुमार, मोहन कुमार, धर्मेंद्र शुक्ला आदि उपस्थित थे .

प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी से की शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाने की अपील

रामनवमी को लेकर डीसी-एसपी ने किया फ्लैग मार्च

रामगढ़ । रामनवमी के शांति व सौहार्दपूर्ण आयोजन के मद्देनजर उपायुक्त चंदन कुमार पुलिस अधीक्षक डॉ. बिमल कुमार के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मार्च कर रहे हैं. पर्व को लेकर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सोमवार की शाम चितरपुर, दुलमी एवं माण्डू प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों तथा मंगलवार की सुबह रामगढ़ शहर अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च किया. इस दौरान उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने सभी से शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाने एवं कोई भी अफवाह सामने आने पर त्वरित इसकी जानकारी जिला प्रशासन को देने की अपील की.

वहीं उन्होंने पर्व की शुभकामनाएं देते हुये सभी को लोकसभा आम निर्वाचन के तहत प्रभावी आदर्श आचार संहिता की तरफ ध्यान आकृष्ट किया एवं पर्व के दौरान किसी भी हालत में किसी भी तरह का कोई भी राजनीतिक प्रचार प्रसार का कार्य न होने देने का निर्देश दिया. इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी रामगढ़, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामगढ़, उप निर्वाचन पदाधिकारी सह नजारत उप समाहर्ता संबंधित थाना प्रभारी एवं बड़ी संख्या में पुलिस बल के जवान उपस्थित थे.

हुड़दंग करने वाले लोगों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

केरेडारी । रामनवमी को लेकर केरेडारी पुलिस प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है. थाना प्रभारी अजित कुमार व सीओ रामरतन बर्णवाल के नेतृत्व में पुलिस ने केरेडारी, गर्री कला, पाण्डु, बसरिया व तरहेसा सहित कई गांवों में फ्लेग मार्च किया. इस दौरान लोगों से रामनवमी शांति पूर्ण तरीके से मनाने की अपील की गयी. त्योहार में हुड़दंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी.

पुलिस प्रशासन ने बागी टांड़ मैदान में किया मॉक ड्रिल

कोडरमा। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार रामनवमी पर्व को लेकर जिला पुलिस बल को अलर्ट मोड पर रखा गया है. वहीं सोमवार को जिला मुख्यालय के बागी टांड़ स्टेडियम में रामनवमी पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने को लेकर पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह की मौजूदगी में मॉक ड्रिल आयोजित किया गया. एसपी ने जिले वासियों से शांतिपूर्ण तरीके से रामनवमी मनाने की अपील की.

जब दिल में हो भक्ति, तो नहीं रोक सकती कोई शक्ति

प्रमोद कुमार उपाध्याय। हजारीबाग

जब दिल में हो भक्ति, तो नहीं रोक सकती कोई शक्ति. इसका जीता जागता उदाहरण थे कटकमसांडी प्रखंड के पबरा गांव निवासी स्वतंत्रता सेनानी भेखलाल महतो. शहर में नवमी का जुलूस देखकर भेखलाल माहतो की भी इच्छा हुई की हमारे गांव का जुलूस भी शहर में जाए. बस इसी इच्छा के कारण नवमी का जुलूस हजारीबाग शहर लाने का फैसला भेखलाल महतो ने किया. इसके लिए उन्होंने सबसे पहले बनारस जाकर टीन में छपे हनुमानजी के चित्र को लाया और पबरा एवं आसपास के गांवों में डफली और हनुमानजी के चित्र लेकर महीनों तक प्रचार किया कि इस बार की रामनवमी में गांव का एक जुलूस भी हजारीबाग शहर लेकर जाना है. इनके भागीरथी प्रयास से 1932 में पबरा का जुलूस गाजे-बाजे और टीन पर छपे हनुमान जी के चित्र और एक लंबा झंडा लेकर लाठी, डंडा, फरसा, भाला के साथ रोमी,, पेलावल, इंद्रपुरी चौक, पैगोडा. चौक, झंडा चौक होते हुए बड़का अखड़ा पहुंचा और वहां पर अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन कर, पूजा अर्चना कर पुनः उसी रास्ते से जुलूस वापस पबरा पहुंचा. इस कार्य में इनके मित्र स्व. जानकी महतो, स्व. बालदेव महतो, स्व. रामलाल महतो, बंशी महतो, सीताराम महतो ने काफी सहयोग किया. 1932 से लेकर आज तक पबरा का जुलूस शहर आ रहा है. नवमी का जुलूस निकालने और हनुमान जी की भक्ति का जुनून भेखलाल महतो पर इस कदर चढ़ा कि इनको जब भी मौका मिलता डफली और हनुमानजी का चित्र लेकर पैदल गांव-गांव में रामनवमी का जुलूस निकालने के लिए प्रचार प्रसार करने के लिए निकल जाते थे. इनके इस जुनून को देखकर लोग इनको भेखलाल महतो की जगह झंडा महतो कहने लगे. इनके प्रचार प्रसार का ही नतीजा है कि आज दर्जनों गांव की झांकियां हजारीबाग शहर आती हैं. इनके गुजर जाने के बाद पबरा में जुलूस निकालने की जिम्मेवारी इनके बड़े पुत्र और शिक्षक स्व. दिनेश्वर प्रसाद मेहता ने निभायी और उसके बाद उनके छोटे पुत्र सुरेंद्र प्रसाद मेहता अभी तक जुलूस निकालते आ रहे हैं.

आज निकाला जाएगा भव्य रामनवमी जुलूस कई जगह होगी पूजा

चौपारण । प्रखंड में बुधवार को रामनवमी मनेगी. इसको लेकर रामभक्तों में काफी उत्साह है. शहर से ग्रामीण इलाके तक महावीरी झंडे से पट गये हैं. जगह-जगह पर पूजा की तैयारी पूरी हो चुकी है. विभिन्न मंदिरों में भव्य तैयारी की गयी है.

रामनवमी के मौके पर बुधवार को प्रखंड के कुछ गांवों को छोड़कर सभी गांवों व अखाड़ों से भव्य रामनवमी जुलूस निकलेगा. जुलूस में शामिल सभी महावीरी झंडे का पूरे गांव का भ्रमण करते हुए एक निश्चित जगह पर मिलान होगा. प्रखंड के बजरंग क्लब दादपुर में इंटरनेशनल रामनवमी की झलक देखने को मिलती है. यहां दूर दूर से लोग पहुंचते हैं. पूरा इलाका राममय नजर आता है. युवाओं की टोली रामभक्त हनुमान बनकर जमकर लाठी खेलते हैं और करतब दिखाते हैं. मालूम हो कि प्रखंड के बजरंग क्लब दादपुर में तीन पंचायतों के 36 अखाड़े जमा होते हैं. वहीं चौपारण के ब्लॉक मोड़ पर दुर्गा मां की प्रतिमा स्थापित कर पूजा होती है. यहां आरती में पूरी भीड़ उमड़ती है। इसके अलावा बेला, बसरिया रामपुर, सिंघरावा, पांडेबारा, दनुवा, झापा, दैहर, भगहर, सेल्हारा, बच्छई आदि क्षेत्रों में भी रामनवमी का जुलूस और झांकी निकलेगी.

सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया, वापसी जुलूस रोका

महुदी गांव में 40 वर्ष से रुका हुआ रामनवमी जुलूस निकल कर सोनपुरा गांव मेलाटांड़ पहुंचा

संवाददाता। बड़कागांव

प्रखंड के महुदी गांव में 40 वर्ष से रुका रामनवमी का जुलूस अष्टमी के दिन बिना प्रशासनिक अनुमति के शांतिपूर्वक निकल कर सोनपुरा गांव मेलाटांड़ पहुंचा. इस दौरान पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई एवं खुशी का माहौल हो गया. जुलूस निकलने की सूचना पर बड़कागांव प्रशासन महुदी गांव पहुंचकर पूर्व की भांति हरकत में आ गया. महुदी गांव को पुलिस छावनी में तब्दील कर वापसी जुलूस को पुनः प्रशासन द्वारा रोक दिया गया है. इसके बाद जुलूस में शामिल लोग महुदी उत्क्रमित मध्य विद्यालय के पास समाचार लिखे जाने तक धरना में बैठ गए हैं. जुलूस में शामिल लोगों का कहना है कि जब बिना प्रशासन के ही हम लोगों ने शांतिपूर्वक अष्टमी का जुलूस निकाल लिया और किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना नहीं घटी तो फिर प्रशासन वापसी जुलूस को क्यों नहीं जाने दे रहा है.

वहीं जुलूस के समय दूसरे समुदाय के लोगों का कोई विरोध तो नहीं हुआ, लेकिन जुलूस पार होने के बाद प्रशासन के पहुंचते ही विरोध जताना

शुरू कर दिया. स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है.

जनप्रतिनिधियों व प्रबुद्ध लोगों ने प्रशासन से चीटिंग की : इस संबंध में प्रशासन का कहना है कि जनप्रतिनिधियों एवं प्रबुद्ध लोगों द्वारा प्रशासन के साथ चीटिंग की गयी है. समझौता के लिए प्रखंड मुख्यालय में बैठक के नाम पर साजिश के तहत जुलूस निकाला गया. जैसे ही इसकी सूचना मिली गांव में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है. ज्ञात हो कि उक्त जुलूस निकालने के लिए प्रखंड में कई दिनों से प्रयास हो रहा था. कई दौर की बैठकें की गईं. मंगलवार की रात में भी हजारीबाग सदर एसडीओ शैलेश कुमार एवं बड़कागांव एसडीपीओ कुलदीप कुमार के नेतृत्व में पूरा प्रशासन महुदी गांव पहुंचकर धरने पर बैठे लोगों से वार्ता करते हुए गांव में प्रवेश करने का प्रयास किया, लेकिन धरने पर बैठे लोगों ने सोनपुरा-महुदी सीमा पर ही प्रशासन को रोक दिया, जिससे वापस लौटना पड़ा था. समाचार लिखे जाने तक हजारीबाग एसडीओ शैलेश कुमार, बड़कागांव सीडीपीओ कुलदीप कुमार, अंचलाधिकारी बालेश्वर राम, प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल, इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह, थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह सहित डीएसपी रैंक के कई पुलिस पदाधिकारी, प्रखंड के सभी आला अधिकारी सहित संबंधित कर्मचारी एवं लिस बल की तैनाती की गई है.

रामनवमी आज, पुलिस प्रशासन अलर्ट, शरारती तत्वों पर रखेगा निगाहें

चौपारण । जिले के विभिन्न प्रखंडों में रामनवमी को लेकर स्थानीय प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है. मंगलवार को सीओ सह प्रभारी बीडीओ संजय यादव और थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में फ्लैग मार्च निकाला गया. फ्लैग मार्च चौपारण थाना से प्रारंभ होकर प्रखंड के चौपारण, महराजंगज, बेढना बारा, बसरिया, रामपुर, सिंघरावां सहित अन्य क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए लोगों से शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में नशामुक्त रामनवमी मनाने की अपील की गयी. सीओ संजय यादव ने बताया कि त्योहार के दौरान सोशल मीडिया और हुड़दंगियों, असामाजिक तत्वों व भ्रांतियां फैलाने वालों पर पुलिस प्रशासन की पैनी नजर होगी. वर्तमान समय में आदर्श चुनाव आचार संहिता लगी है. ऐसे में शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास न करें. ऐसा करते पकड़े जाने पर विधिसम्मत सख्त कार्रवाई की जायेगी. वही थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने कहा कि पुलिस प्रशासन आपकी सेवा के लिए 24 घंटे तत्पर है. किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या वारदात के लिए प्रशासन को त्वरित खबर करें.

मनमानी छोटी-छोटी दुकानें लगाकर 100 रुपये कमाने वाले गरीब लोगों से 50 रुपये की अवैध वसूली

निगम के ठेकेदार की रंगदारी से परेशान फुटपाथ के दुकानदार

संवाददाता। हजारीबाग

शहर में इन दिनों चुंगी और पार्किंग के नाम पर खूब गोरखधंधा चल रहा है. कही पार्किंग के नाम पर तो कही रंगदारी मांगी जा रही है. इससे फुटपाथ के दुकानदारों में नाराजगी भी देखी जा रही है. हम बात कर रहे हैं हजारीबाग शहर के लोहसिगना थाना क्षेत्र स्थित त्रिमूर्ति चौक की.

बताया जा रहा है कि इस चौक पर लगभग दो दर्जन दुकानें लगती हैं और ये कोई बड़ी दुकानें नहीं हैं, बल्कि आइसक्रीम, गुपचुप, चाट, गन्ना जूस, चाऊमीन की दुकानों के अलावे कई ठेला वाले रहते हैं. यहां सुबह से लेकर रात 9:00 बजे तक दुकानें चलती हैं और कमाई 100 - 200 रुपये हो जाती है, जिससे दुकानदार अपने परिवार का किसी तरह पालन पोषण कर पाते हैं. लेकिन इन दुकानदारों पर नगर निगम के पार्किंग ठेकेदार की नजर गड़ी रहती है. शाम ढलते ही पार्किंग के नाम पर 50 रुपये प्रति दिन रंगदारी मांगी जाती है, जबकि इस जगह पर नगर निगम की पार्किंग नहीं है. इसके बावजूद इन दुकानदारों पर दबाव बनाकर अवैध वसूली की जाती है.

▪ कैसे चलेगा परिवार, डीसी भी सड़क के किनारे दुकान लगाने का दे चुकी हैं इजाजत

रंगदारी नहीं देने पर करते हैं मारपीट, दी जाती है धमकी

इस संबंध में आक्रोशित दुकानदारों ने मंगलवार को बताया कि हम गरीब परिवार से हैं और शहर में किराये के मकान में रहकर कोई चाय तो कोई गुपचुप और आइसक्रीम बेचकर परिवार चलते हैं. ऐसे में जो कमाई होती है उसके तीन हिस्से महाजन को चले जाते हैं और बचा हुआ पैसा रूम रेंट के अलावे बच्चों की पढ़ाई, दवाई और खाना-पीना में चला जाता है. कुछ लोग नगर निगम की पार्किंग बात कहकर 50 रुपये प्रत्येक दिन मांगते हैं और नहीं देने पर मारपीट पर उतर जाते हैं और नगर निगम के अधिकारी से कहकर दुकान हटा देने की धमकी दी जाती है. ऐसे में हमारा ग्राहक भी विवाद वाले दुकानदार के पास आना नहीं चाहता है.

दुकान चलाने की इजाजत लाइसेंस भी हमारे पास

इस संबंध में आइसक्रीम दुकानदार मंटू साहू, गुपचुप दुकानदार धर्मेंद्र मेहता, चाय दुकानदार निकिता कुमारी, राजेंद्र प्रसाद, रामचंद्र मेहता, राजेंद्र सिंह, पंकज महतो, रमेश कुमार, अभय मेहता, रंजीत मेहता, मोहम्मद शमी सहित दर्जनों दुकानदारों ने बताया कि यह पार्किंग का एरिया नहीं है और हजारीबाग उपायुक्त ने भी फुटपाथ पर दुकान चलाने की इजाजत दी हुयी है और नगर निगम भी फुटपाथ दुकानदार को लाइसेंस दिया है. इसके बावजूद रंगदारी मांगी जा रही है.

दुकानदारों को लिखित आवेदन देना होगा

इस संबंध में नगर निगम के सहायक आयुक्त के मोबाइल नंबर 943 11 5001 0 पर फोन लगाकर पक्ष लिया गया. उनकी ओर से बताया गया कि नगर निगम क्षेत्र में जिला पार्किंग का अगर कोई पैसा मांगता है तो दुकानदारों को लिखित आवेदन देना होगा और अगर दुकानदार अवैध तरीके से दुकान लगा रहे हैं तो उन पर भी कार्रवाई की जाएगी एवं फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त करवाया जाएगा.

विभावि में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन, ज्योति अव्वल

संवाददाता। हजारीबाग

विनोबा भावे विश्वविद्यालय में मंगलवार को भारत रत्न डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की 133वीं जयंती पर अर्थशास्त्र विभाग एवं एनएसएस इकाई - 1 के संयुक्त तत्वाधान में 'समाज एवं राष्ट्र के विकास पर बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के विचार' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रथम समसत्र की ज्योति कुमारी, द्वितीय रंजना कुमारी तथा तृतीय स्थान पर चतुर्थ समसत्र की मोनिका मेहता रही. प्रथम समसत्र के सुजीत कुमार को सांत्वना पुरस्कार दिया गया. सभी विजेता प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिया गया. इससे पहले कार्यक्रम की अध्यक्षता अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. एसएम कैसर ने की. समाज विज्ञान संकाय अध्यक्ष डॉ. सादिक रज़्ज़ाक, राजनीति शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुकल्याण मोइत्रा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम समन्वयक सह मानवशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. जॉनी रूफिना तिर्की निर्णायक की भूमिका में रहे. विभाग के प्राध्यापक सह एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. उमेंद्र सिंह तथा डॉ. इफ्शा खुर्शीद ने आयोजन में भूमिका निभाई.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष मानसिक तनाव हो सकता है. माता के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान रखें. चतुर्थ चंद्रमा के प्रभाव से किसी से विवाद होगा. पर पराक्रम में वृद्धि होगी, पर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बताएं.

वृषभ समय शुभ है. धन कुछ कम मिलेगा और मेहनत ज्यादा करना होगा. कार्य पूर्ण होंगे. प्रसन्नता तथा उत्साह से काम कर पाएंगे. मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने से मान-सम्मान मिलेगा. नौकरी में सहयोगी सहायता करेंगे.

मिथुन धन का आगमन से मन प्रसन्न हो जाएगा. उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. व्यस्तता रहेगी. थकान हो सकती है. व्यापार ठीक चलेगा.

कर्क समय सामान्य है, पर रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. समय की अनुकूलता का लाभ लें. प्रमाद न करें. निवेश शुभ फल देगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा.

सिंह कोई धार्मिक या सामाजिक यात्रा हो सकती है. खर्च पर नियंत्रण रखें. आर्थिक तंगी रहेगी. नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेंगी. मन में दुविधा रहेगी. आय में निश्चितता रहेगी. कारोबार अच्छा चलेगा. सूर्य को जल दे.

कन्या आय और नया कार्य के लिए दिन बहुत ही शुभ है. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. किसी समस्या का अंत होगा. प्रसन्नता व उत्साह में वृद्धि होगी. भाग्य का साथ रहेगा. पितरों के नाम से अन्न दान करें.

तुला सरकारी कार्य मे गति आएगी. न्यायालय से लाभ मिलता दिख रहा है. कार्यस्थल पर सुधार या परिवर्तन हो सकता है. मित्रों तथा संबंधियों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा. मान-सम्मान मिलेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी.

वृश्चिक समय सामान्य है. ससुराल से कोई लाभ का योग है. धर्म में मन लगेगा. सत्संग का लाभ प्राप्त होगा. कोर्ट व कचहरी के कार्यों में गति आएगी. चिंता में कमी रहेगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा.

धनु कुछ मानसिक तनाव वाला दिन होगा. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. हताशा का अनुभव होगा. आय में निश्चितता रहेगी. कारोबार ठीक चलेगा. नौकरी में जिम्मेदारी बढ़ सकती है. अन्न और जल पक्षियों को दें.

मकर जीवनसाथी के साथ सम्बंध मधुर होगा. कारोबार मनोनुकूल लाभ नहीं देगा. नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता प्राप्त होगी. बाहरी वातावरण सुखद रहेगा. पर भाग्य का साथ रहेगा. शिव मंदिर में झाड़ू का दान करें.

कुंभ मौसमी बीमारियों से बचाव आवश्यक है. परीक्षा व प्रतियोगिता आदि में सफलता प्राप्त होगी. आय में वृद्धि होगी. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. शारीरिक कष्ट की आशंका प्रबल है.

मीन शिक्षा में स्वास्थ को लेकर बाधा हो सकता है. माता से विवाद हो सकता है. आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे. मान-सम्मान मिलेगा. अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा

डूब क्षेत्र मे विकास के लिए योजनाएं बनाने की मांग की जाएगी: गीता कोड़ा

सुकेश कुमार। चाइबासा

सिंहभूम की सांसद तथा भाजपा प्रत्याशी गीता कोड़ा ने मंगलवार को ईचा-खरकई डूब क्षेत्र समेत राजनगर के कई गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया. प्रचंड गरमी के बीच डेढ़ दर्जन वाहनों के काफिले में सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ वे गांवों में पहुंची और ग्रामीणों संग बैठक कर 13 मई को भाजपा के पक्ष में वोट देकर नरेंद्र मोदी को तीसरी बार भी प्रधानमंत्री बनाने की अपील की. गीता कोड़ा ने इस दौरान झारखंड की सत्तारुढ़ झामुमो को जमकर आड़े हाथों लिया और उनपर केंद्र की विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने पर ध्यान नहीं देने का आरोप लगाया. डूब क्षेत्र के गांवों में ग्रामीणों ने मूलभूत सुविधाओं से वंचित होने की शिकायत की. उन्होंने कहा कि हमारे गांवों को डूब क्षेत्र बताकर हमें पेयजल, सड़क, बिजली, सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य केंद्र की सुविधाओं से भी वंचित कर दिया गया हैं. इससे हमारी समस्या गंभीर हो रही है. गीता कोड़ा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यहां के लोग लोकसभा, विधानसभा व पंचायत चुनाव में वोट देकर सरकार बनाने का संवैधानिक व लोकतांत्रिक अधिकार तो है लेकिन उनको मौलिक सुविधाओं से भी वंचित कर दिया गया है. गीता कोड़ा ने कहा कि केंद्र में फिर भाजपा सरकार बनती है तो झारखंड सरकार द्वारा उपेक्षित इन डूब क्षेत्र के गांवों के विकास के लिये विशेष योजनाएं बनाने की मांग की जायेगी.

डैम रद्द करने के लिये चंपाई सोरेन की अध्यक्षता में बनी थी विशेष कमेटी, लेकिन केंद्र को भेजी ही नहीं रिपोर्ट : गीता कोड़ा ने कहा कि 2013-14 में ईचा-खरकई डैम को रद्द करवाने के लिये एक विशेष कमेटी सरायकेला के विधायक चंपाई सोरेन की अध्यक्षता में गठित की गयी थी. इस कमेटी में मैं भी शामिल थी. इस कमेटी ने डैम को रद्द करने की अनुशंसा करते हुए झारखंड सरकार को रिपोर्ट सौंपी थी. मैंने भी डैम रद्द करने के पक्ष में अपनी अनुशंसा की थी. लेकिन तब की झामुमो सरकार ने यह रिपोर्ट केंद्र सरकार को आजतक नहीं भेजी. नतीजा, डैम आजतक रद्द नहीं हुआ. झामुमो वाले वर्षों से डूब क्षेत्र को उपेक्षित रखकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकने का ही काम कर रहे हैं जो दुर्भाग्यपूर्ण है.

पूर्व सीएम हेमंत की पत्नी ने बेंगाबाद में आदिवासी समाज के साथ जनसंवाद कार्यक्रम किया

भाजपा की तानाशाह ताकतों के खिलाफ लड़ाई में जनता साथ दे: कल्पना

संवाददाता। बेंगाबाद (गिरिडीह)

बेंगाबाद के धूमाडीह मैदान में मंगलवार को पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधानसभा उपचुनाव में इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी कल्पना सोरेन ने आदिवासी समाज के साथ जनसंवाद कार्यक्रम किया. कार्यक्रम में प्रखंड के विभिन्न गांवों से आदिवासी समाज के हजारों मांझी हड़ाम महिला-पुरुष व झामुमो के कार्यकर्ता शामिल हुए. कल्पना सोरेन ने लोगों से भाजपा की तानाशाह ताकतों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की. उन्होंने कहा कि देश में लोकतंत्र को मिटाने की जोरदार साजिश चल रही है. भाजपा चुनी हुई सरकारों को गिराने व परेशान करने में जुटी है. लोकतंत्र को बचाने के लिए ऐसी तानाशाह ताकतों के खिलाफ सभी को एकजुट होकर लड़ाई लड़ने का समय आ गया है. इस लड़ाई में जनता का साथ चाहिए.

सरकार गिराने की कोशिश की गई

कल्पना ने कहा कि झारखंड में आदिवासी-मूलवासियों की सरकार को साजिश के तहत गिराने की कोशिश की गई. लेकिन इंडिया गठबंधन ने ऐसा होने नहीं दिया. उन्होंने झारखंड झुकेगा नहीं, इंडिया टूटेगा नहीं की आवाज बुलंद की. कल्पाना ने कहा कि उन्हें गांडेय में लोगों का भरपूर प्यार और समर्थन मिल रहा है.

कल्पना ने की उलगुलान महारैली में आने की अपील

21 अप्रैल को रांची में आयोजित उलगुलान न्याय महारैली में लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में भाग लेने की अपील की. ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याएं कल्पाना को बताईं. मौके पर प्रखंड झामुमो अध्यक्ष नुनुराम किस्कू, विजय सिंह, नीलकंठ मंडल, मंजु मरांडी, शिबू मुर्मू, मो. फखरुद्दीन, प्रमिला मेहरा, मो. सलीम, किशुन सोरेन समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे.

झामुमो ने प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा पर किए तीखे प्रहार

संभावित हार को देखते हुए धर्म पर उतर आयी भाजपा : सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

झामुमो ने भाजपा पर तीखे प्रहार किए हैं. झामुमो के पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में कहा कि टीम मोदी अब अपनी संभावित हार को देखते हुए धर्म पर उतर रही है. बेरोजगारी, महंगाई पर बहस करना तो दूर उसे अपने घोषणा पत्र में भी शामिल नहीं किया. अब कोई चारा नहीं देखकर फिर से मोदी टीम धर्म का सहारा लेने लगी है. सनातन, हिंदू-मुस्लिम की बातें होने लगी है. हद तो तब हो गयी जब बेरोजगारी और महंगाई के मुद्दे को चुनावी एजेंडा में नहीं डाला, मगर 2037 में ओलपिंग गेम्स होस्ट करने की बात उसमें कही गयी. क्या ऐसा घोषणा पत्र या चुनावी एजेंडा आज तक किसी भी राजनीतिक दल का भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में किसी ने देखा है. दरअसल अब इनके पास कोई मुद्दा बचा नहीं है. इसलिए तो राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा अपने नाराज नेताओं की बातें अनसूनी कर रहे थे, तब कार्यकर्ता जाने लगे. इसके बाद भजन लाल शर्मा को कहना पड़ा कि आपलोगों को महादेव की सौंगध, अगर आप हिंदू हैं तो बैठ जाएं. अगर धर्म की बात करना है तो ये लोग आदिवासी, सरना धर्म कोड की बात क्यों नहीं करते हैं.

बोले सुप्रियो

- घोषणा पत्र में बेरोजगारी और महंगाई मुद्दे गायब
- अदिवासी, सरना धर्म कोड की बात क्यों नहीं करती है भाजपा
- आदिवासी-मूलवासी मोदी को सबक सिखाने को आतूर

कई राष्ट्रीय नेता उलगुलान रैली में लेंगे हिस्सा

सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि 21 अप्रैल को आयोजित उलगुलान न्याय महारैली में झारखंड के साथ हुए अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए कई राष्ट्रीय नेता हिस्सा लेंगे. इस रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, अखिलेश यादव, शरद पवार, प्रियंका चतुर्वेदी, सीताराम येचुरी, दीपांकर भट्टाचार्य, डी राजा, फारूख अब्दुल्ला सहित कई राष्ट्रीय नेता शामिल होंगे. इस रैली से भी भाजपा के पेट में दर्द होने लगा है.

तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है नजरूल इस्लाम का बयान

झामुमो केंद्रीय समिति सदस्य नजरूल इस्लाम के बयान पर सुप्रियो ने कहा कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है. राजनीतिक भाषण एक मिनट का नहीं होता है, उसके आगे और पीछे भी कई बातें होती हैं. मगर विवादित बातों को ही सामने रखकर उसे वायरल किया जाता है. वह बात नजरूल ने कहा इसलिए इतना विवाद है. यह बात मैंने या बबलू पांडेय ने नहीं कही. नहीं तो हमसे यह सवाल नहीं होता, क्योंकि बोलने वाला एक मुस्लिम है इसलिए इसे हवा दी जा रही है. उसने कहा था कि किस मुंह से भाजपा 400 पार का नारा दे रही है. भाजपा को 400 नहीं 400 फीट नीचे कर देंगे, यह राजनीतिक बयान था, जिसे दूसरा ही रंग देकर पेश किया जा रहा है.

आदिवासी-मूलवासियों ने अपना मन बना लिया है

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि पिछले दिनों सिंहभूम में घटी घटना, पलामू में लोगों द्वारा सीटिंग एमपी के खिलाफ लगाए जा रहे पोस्टर-बैनर ने साफ कर दिया है कि यहां के आदिवासी-मूलवासियों को वर्तमान सांसदों और केंद्र सरकार के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश है. सिंहभूम, पलामू, चतरा, खूंटी, लोहरदगा के चुनाव में अब इसका असर दिखना शुरू हो गया है. इन सब को देखकर केंद्रीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व अपनी संभावित हार को देखते हुए आपा खो रहे हैं. बिहार में हाफ और झारखंड से पूरा साफ होना एनडीए का तय है.

खाताधारकों को किया जा रहा परेशान

बीओआई चिरकुंडा शाखा में 100 से अधिक खाता फ्रिज

संवाददाता। मैथन

बैंक ऑफ इंडिया की चिरकुंडा शाखा के 100 से अधिक खाताधारकों का खाता ई-केवाईसी अपडेट करने के नाम पर फ्रिज कर दिया गया है. जबकि सभी खाताधारकों ने ई-केवाईसी से संबंधित कागजात बैंक में जमा कर दिए हैं. खाता फ्रिज होने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. वे राशि की निकासी नहीं कर पा रहे हैं. लोग खाता शुरू कराने के लिए दो-तीन माह से बैंक का चक्कर लगा रहे हैं.

किसी को बेटी की शादी करनी है, तो किसी को बच्चे के स्कूल की फीस जमा करनी है. लेकिन उनका ई-केवाईसी अपडेट नहीं हो रहा है. बैंक कर्मचारी खाता अपडेट होने में 20-25 दिन लगने की बात कह कर उन्हें लौटा दे रहे हैं. जबकि, नियमानुसार ई-केवाईसी जमा होने के बाद दो दिन के भीतर खाता चालू हो जाना चाहिए. मंगलवार को एक खाताधारक ने इस संबंध में मैनेजर शिंटू गोराई से शिकायत की. मैनेजर ने स्टाफ से उस व्यक्ति का जमा ई-केवाईसी फॉर्म मंगवाया, लेकिन फॉर्म नहीं मिला. बैंक मैनेजर ने स्टाफ को कड़ी फटकार लगाते हुए खाता चालू कर दिया.

अधिक केवाईसी फॉर्म जमा होने से बढ़ी परेशानी: मैनेजर

कुमारधुबी कालीमंडा निवासी पेंशनधारी इंद्रदेव सिंह भी खाता फ्रिज होने से काफी परेशान दिखे. उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी फॉर्म जमा किये तीन माह हो गये, लेकिन अबतक ई-केवाईसी अपडेट नहीं किया गया है. कुमारधुबी के शिवलीबाड़ी मुंडाधौड़ा निवासी पेंशनभोगी फकीर बाउरी ने भी इस तरह की बात बताई. मैनेजर शिंटू गोराई ने कहा कि अधिक फॉर्म जमा होने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है. धीरी-धीरे सभी का खाता चालू कर दिया जायेगा.

बुंडू में आजसू पार्टी कार्यालय का हुआ उद्घाटन

जीत के लिए संकल्पित होकर कार्य करें कार्यकर्ता : सुदेश

संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने बुंडू में आजसू पार्टी कार्यालय का उद्घाटन किया. इस दौरान उन्होंने तमाड़ विधानसभा क्षेत्र के सभी ग्राम और पंचायत प्रभारियों के साथ लोकसभा चुनावों को लेकर चर्चा की. उन्होंने कहा कि हमारी तैयारी राज्य की सभी 14 लोकसभा सीटों पर एनडीए की जीत सुनिश्चित करने की है. पार्टी के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी इसके लिए संकल्पित होकर कार्य कर रहे हैं. तमाड़ की जनता हमारे लिए एक परिवार है. इस सीट पर एनडीए के पक्ष में एक बड़ा जनादेश पाने और भविष्य में यहां पर एक बेहतर नेतृत्व देने की हमारी तैयारी है.

कार्यकर्ताओं पर है दोहरी जिम्मेदारी

सुदेश महतो ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं पर दोहरी जिम्मेदारी है. लोकसभा चुनाव के साथ ही आने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारी में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को जोर लगाना है. पार्टी ने पूरे राज्य में ग्राम प्रभारी सुनिश्चित किए है. हर गांव में महिला और पुरुष प्रतिनिधि बनाने का काम लगभग पूरा हो गया है. बुंडू, तमाड़ और अड़की क्षेत्र में भी इस काम को पूरा कर लिया गया है. अब तय समय के अंदर चूल्हा प्रमुखों के चयन के दायित्व को भी आप सभी पूरा करें. पार्टी का यह कार्यालय क्षेत्र की जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का काम करेगा.

लोहरदगा में व्यापारी हत्याकांड में चार अपराधी हुए गिरफ्तार

संवाददाता। लोहरदगा

जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र स्थित सेरेंगहातू गांव में व्यापारी राममोहन साहू की बीते आठ अप्रैल को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. इस घटना में शामिल चार अपराधी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. मंगलवार की देर शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते करते एसपी हरिश बिन ने बताया कि राममोहन साहू से आरोपियों ने सूद पर काफी रुपये उधार लिया था और पैसा वापस नहीं दे रहा था. पैसा नहीं देना पड़े, इसलिए आरोपियों ने गोली मारकर राममोहन साहू की हत्या कर दी. इस मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अमरेश मिश्रा, मनीवर अंसारी, मुस्तकीम अंसारी और सरवर कुरैशी शामिल हैं. इनके पास से पुलिस ने एक पिस्टल समेत कई अन्य सामान बरामद किया है. राममोहन साहू की उस समय हत्या कर दी गई थी, जब वो सैलून में सुबह बाल कटवा रहे थे. उसी समय उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई.

- आरोपियों ने सूद पर काफी रुपये उधार लिया था

गुदड़ी प्रखंड के कई गांवों में जोबा माझी ने किया जनसंपर्क

मोदी सरकार को आदिवासियों की जमीन लूटने नहीं देंगे : जोबा माझी

शंभू कुमार। चक्रधरपुर

सिंहभूम सीट से झामुमो की लोकसभा प्रत्याशी जोबा माझी ने गुरुवार को गुदड़ी प्रखंड के कई गांवों में जन संपर्क किया. इस दौरान जोबा माझी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विकास के लिए समर्थन मांगा. सुदूरवर्ती क्षेत्र गुदड़ी प्रखंड के राजगांव, सेरेंगदा, माराश्रम, कुमडी गांव में जन संपर्क के दौरान जोबा माझी ने भाजपा पर प्रहार करते हुए कहा की इस बार जनता वोट से अपना जवाब देगी.उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आदिवासियों की जमीन छीनकर उद्योगपतियों को देना चाहती है, लेकिन आपका साथ मिला तो उनके गलत मंसूबों को पूरा होने नहीं देंगे.

उन्होंने क्षेत्र में किये गए विकास कार्यों की जानकारी दी और कहा की सांसद बनकर आपकी अन्य समस्याओं का तेजी से समाधान करेंगे.इस दौरान उन्होंने शहीद देवेंद्र माझी के संघर्ष को याद किया. साथ ही सेरेंगदा में शहीदों की समाधि स्थल पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया.इस मौके पर झारखंड आंदोलनकारी भुवनेश्वर महतो, प्रखंड अध्यक्ष सुनील बुढ,अनिल बुढ, दुनु लोमगा, रोलेन बरजो, दाउद बरजो, योगेंद्र भुइयां, अकबर खान, सोहन माझी, हेमचंद महतो, कालिया जामुदा, सागर महतो, डॉक्टर महतो समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे.

एक्सएलआरआई पीजीडीएम एचआरएम प्रोग्राम के पहले कन्वोकेशन का हुआ आयोजन

लांग टर्म के लिए शॉर्ट टर्म में अच्छी स्ट्रैटेजी बनाना जरूरी: अनुराधा

आनंद मिश्रा। जमशेदपुर

एक्सएलआरआई जमशेदपुर के पीजीडीएम (एचआरएम) प्रोग्राम के पहले कन्वोकेशन का आयोजन किया गया. इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में हिंदुस्तान यूनिलीवर व यूनिलीवर साउथ एशिया की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एचआर सह सीएचआरओ अनुराधा राजदान उपस्थित थी. उन्होंने एक्सएलआरआइ से पोस्ट ग्रेजुएशन डिप्लोमा की डिग्री हासिल करने वाले कुल 38 विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया. इस दौरान वरुण सेव्वा रेड्डी को एकेडमिक एक्सीलेंस के लिए एक्सएलआरआई मेडल दिया गया.

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अनुराधा राजदान ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी कंपनी या फिर संस्थान में एचआर का रोल काफी महत्वपूर्ण होता है. उन्होंने कहा कि एक्सएलआरआई में जो कुछ भी उन्होंने सीखा है, उसका सकारात्मक इस्तेमाल व्यावहारिक जीवन में करें. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान में सीएचआरओ के ऊपर कंपनी की सोच को आगे ले जाने की महत्ती जिम्मेवारी होती है. एक सफल एचआर के लिए कर्मचारियों के बीच अच्छा रिलेशनशिप बनाने के साथ ही उनकी बातों को प्रबंधन तक सकारात्मक तरीके से पहुंचाने की अहम जिम्मेवारी होती है. साथ ही कहा कि किसी भी कंपनी के लांग टर्म अचीवमेंट के लिए यह जरूरी है कि आप शॉर्ट टर्म गोल को हासिल करने के लिए अच्छी रणनीति बनाएं.

'इंसान को हमेशा तार्किक दृष्टिकोण रखने वाला होना चाहिए'

इस अवसर पर एक्सएलआरआई के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी. उन्होंने कहा कि इंसान को हमेशा प्रश्न करने व तार्किक दृष्टिकोण रखने वाला होना चाहिए. साथ ही कहा कि सवाल करने की भावना को जीवित रखनी चाहिए. पीजीडीएम एचआरएम प्रोग्राम के प्रोग्राम डायरेक्टर डॉ आरके प्रेमराजन ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

एक साल से निर्माण कार्य अधूरा रहने पर जिप सदस्य ने जतायी नाराजगी

चक्रधरपुर। पश्चिमी सिंहभूम जिला के बंदगांव प्रखंड की सुदूरर्ती क्षेत्र भालुपानी पंचायत के नवादा गांव में प्राथमिक विद्यालय भवन निर्माण कार्य एक साल से अधूरा रहने पर मंगलवार को बंदगांव भाग दो की जिला परिषद् सदस्य बसंती पूर्ति ने गांव पहुंचकर नाराजगी जतायी. स्थानीय ग्रामीणों की शिकायत पर जिला परिषद् सदस्य जांच करने पहुंची थी. जहां जांच में पाया गया कि भवन निर्माण विभाग रांची की ओर से वित्तीय वर्ष 2022-23 में लगभग 55 लाख रुपये की लागत से प्राथमिक विद्यालय नवादा में छह कमरों का नवनिर्माण छह महीने में पूरा किया जाना था, लेकिन एक वर्ष बीतने के बाद भी अब तक कार्य धरातल पर प्रारंभ शुरु नहीं किया गया है. जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को पठन-पाठ्न में परेशानी हो रही है.

पेज एक का शेष

धार्मिक अधिकार से ऊपर...

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, छात्रा की याचिका खारिज करते हुए 83 पेज के लिखित फैसले में जज थॉमस लिंडेन ने कहाः जब छात्रा ने स्कूल में दाखिला लिया था, तभी उसने स्कूलों के नियमों को अंतर्निहित रूप से स्वीकार कर लिया था कि वह अपने धर्म को प्रकट करने के प्रतिबंधों के अधीन होगी और उसे धर्म केआधार पर किसी तरह की छूट नहीं दी जाएगी. छात्रा ने आरोप लगाया था कि स्कूल के प्रतिबंधों की वजह से उसके धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है और यह एक प्रकार का भेदभाव है, जो धार्मिक अल्पसंख्यकों को समाज से अलग-थलग महसूस कराता है, लेकिन अदालत ने इस तर्क को खारिज कर दिया. स्कूल ने अदालत को बताया कि धार्मिक अलगाव की समस्या और सांस्कृतिक विभेद से बच्चों को बचाने के लिए ही धार्मिक पूजा या रीति रिवाजों के अनुपालन पर प्रतिबंध लगाया गया है. स्कूल के संस्थापक और मुख्य शिक्षक कैथरीन बीरबलसिंह ने कहा कि यह फैसला सभी स्कूलों की जीत है. इस स्कूल में आधी संख्या यानी करीब 700 बच्चे मुस्लिम हैं. कोर्ट ने कहा कि सभी छात्र-छात्राओं से अपेक्षा की जाती है कि वे स्कूलों के नियमों का पालन करें और पाठ के दौरान शिक्षकों पर अधिक ध्यान केंद्रित करें. स्कूल के नियमों में गलियारों में चुप रहना, साथ ही वर्दी पर प्रतिबंधों का पालन करना भी शामिल है.

इलेक्टोरल बॉण्ड्स का बचाव

क्या देश में एक चुनी हुई तानाशाही का दौर आ गया है, जिसमें डर का माहौल है? अभिव्यक्ति की आजादी का सवाल राजनीति में बारबार दस्तक देता है. इसके साथ ही संविधान बदलने की आवाज भाजपा के ही कुछ नेताओं ने उठायी है, जो चुनाव के मैदान में हैं. इसके साथ इलेक्टोरल बॉण्ड्स का पहलू भी दरपेश है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक एजेंसी से बात करते हुए कहा है कि किसी को उनकी नीतियों से डरने की जरूरत नहीं है. आखिर ऐसा कहने की जरूरत क्यों महसूस की गयी. इसके साथ ही प्रधान मंत्री मोदी ने इलेक्टोरल बॉण्ड्स का बचाव भी किया है. विपक्ष के आरोप को खारिज करने का यह तरीका नायाब ही है. प्रधानमंत्री ने अपने साक्षात्कार में सनातन का मुद्दा भी उठाया है. मतलब साफ है कि सत्ता शीर्ष अब भी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का कोई भी अवसर छोड़ने को तैयार नहीं है. प्रधानमंत्री ने बेरोजागरी जैसे सवाल पर मौन साध रखा है. 2024 के चुनावों में वे 2047 का सपना बेचना चाहते हैं. 2014 में भी प्रधानमंत्री ने 2022 का सपना बेचते हुए किसानों की आय दुगनी करने का वायदा किया, जो जमीन पर नहीं उतरा. दूसरी ओर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर एक बार गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि इलेक्टोरल बॉण्ड्स का इस्तेमाल एक्सटॉर्शन रैकेट के बतौर किया गया. इसी सरकार में वित्त मंत्री के पति परकाला प्रभाकर ने एक अन्य साक्षात्कार में कहा है कि

> राजनीतिक चंदे के लिए लाई गई चुनावी बॉण्ड्स की योजना को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवैध बताए जाने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर बयान दिया है. उन्होंने चुनावी बॉण्ड्स की योजना का बचाव किया है और कहा कि विपक्षी पार्टियों ने इसे लेकर झूठ फैलाया.

प्रधानमंत्री तानाशाह प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं और वे दिवास्वप्न बेचते हैं. उन्होंने कहा है कि पिछले दस सालों में देश की अर्थव्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है. इसके साथ ही इलेक्टोरल बॉण्ड्स को उन्होंने एक बड़ा घोटाला बताया है. राजनीतिक चंदे के लिए लाई गई चुनावी बांड की योजना को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवैध बताए जाने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर बयान दिया है. उन्होंने चुनावी बॉण्ड्स की योजना का बचाव किया है और कहा कि विपक्षी पार्टियों ने इसे लेकर झूठ फैलाया. प्रधानमंत्री ने कहा कि जो लोग इसे लेकर हल्ला मचा रहे हैं, उनको भी अफसोस होगा. मोदी ने इसका बचाव करते हुए यहां तक कहा कि इसका विरोध करने वालों ने देश को काले धन की ओर धकेल दिया है. लोकसभा चुनाव के पहले चरण का प्रचार बंद होने से दो दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में कहा इलेक्टोरल बॉण्ड्स के कारण आपको मनी ट्रेल का पता चल रहा है. किस कंपनी ने पैसा दिया? उन्होंने पैसे किसे दिया? पैसा कहां दिया? गौरतलब है कि 2017 में यह कानून बनने के बाद से इसमें पारदर्शिता नहीं होने के नाम पर इसका विरोध हुआ था और इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी. लंबे इंतजार के बाद सर्वोच्च अदालत ने इस पर सुनवाई की और 15 फरवरी 2024 को एक अहम फैसले में चुनावी बॉण्ड्स की योजना को अवैध करार देते हुए इस पर रोक लगा दी. संविधान बदलने के आरोपों को प्रधानमंत्री ने खारिज जरूर किया है.

सुभाषित

आहारनिद्राभयमैथुनं च सामान्यमेतत् पशुभिर्नराणाम् ।
धर्मो हि तेषां अधिकोविशेषो धर्मेण हीनाः पशुभिः समानाः ॥

आहार, निद्रा, भय और मैथुन मनुष्य और पशु दोनों ही के भाविक आवश्यकताएं हैं. अर्थात् यदि केवल इन चारों को ध्यान में रखें तो मनुष्य और पशु समान हैं. केवल धर्म ही मनुष्य को पशु से श्रेष्ठ बनाता है. अतः धर्म से हीन मनुष्य पशु के समान ही होता है.

राहुल की असली लड़ाई कांग्रेस की भाजपा से

सारी दुनिया को पता है कि मुंबई की आदर्श हाउसिंग सोसाइटी में फ़्लैटों के घोटाले के बाद चव्हाण को मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफ़ा देना पड़ा था. आज़ादी के बाद से ही संघ-जनसंघ(भाजपा) की विचारधारा वाले लोगों ने भी कांग्रेस में महत्वपूर्ण जगहें बना लीं थीं. जनसंघ के एक संस्थापक श्यामप्रसाद मुखर्जी तो नेहरू के नेतृत्व में बने पहले मंत्रिमंडल (1947-'50) में वाणिज्य और उद्योग मंत्री थे.

लोगों के मन में एक सवाल है. सवाल छोटा नहीं बड़ा है. लोग जानना चाहते हैं इतनी बड़ी संख्या यानी हज़ारों लाखों में नेता और कार्यकर्ता 139 साल पुरानी कांग्रेस छोड़कर 44 साल की उम्र की भाजपा में क्यों शामिल हो रहे हैं ? सवाल के जवाब कई हो सकते हैं और उलट सवाल भी! मसलन, कांग्रेस आज तो काफ़ी बेहतर स्थिति में है और जो लोग छोड़ रहे हैं, वे पार्टी के ख़राब समय में भी उसके साथ बने रहे हैं! पिछले दो चुनावों (2014 और 2019) के पहले और बाद में भी इस तरह से भगदड़ नहीं मची! क्या भाजपा (या मोदीजी) को इन लोगों की तब इतनी ज़रूरत नहीं थी, जितनी कि आज है? यह ज़रूरत किन कारणों से पड़ रही है? भाजपा हार के कगार पर है, इसलिए? भाजपा के असली सदस्यों की संख्या ही बीस करोड़ के लगभग बताई जाती है. संघ और आनुषंगिक संगठनों के सदस्यों की संख्या अलग से है. ऊपर के सवाल का जवाब तलाशने के लिए कुछ तथ्यों की खोज करनी पड़ेगी ! पहला तो यह कि जिन भी नेताओं के चालों या कहे में आकर ये कार्यकर्ता अपनी नई राजनीतिक अयोध्या की यात्रा पर निकल रहे हैं उनके नाम, जाति, पते, धंधे और 'धार्मिक' प्रतिबद्धताएं क्या हैं? सार्वजनिक जीवन में नैतिकता और ईमानदारी का रिकॉर्ड कैसा रहा है? समाज के सबसे वंचित तबकों, जिनमें कि अल्पसंख्यक भी शामिल हैं, के प्रति उनका नज़रिया संरक्षणवादी है अथवा समावेशी? प्रतिष्ठित अंग्रेज़ी दैनिक 'इण्डियन एक्सप्रेस' ने हाल में प्रकाशित एक खोजपूर्ण खबर में बताया कि 2014 के बाद से अब तक विपक्षी पार्टियों के पच्चीस ऐसे बड़े-बड़े नेता जो भ्रष्टाचार के मामलों से जुड़ी जांचों में फंसे हुए थे. भाजपा में शामिल हो गए. इनमें से 23 नेताओं को जांचों से राहत भी मिल गई. इनमें सबसे ज़्यादा दस कांग्रेस के थे. शेष में एनसीपी और शिव सेना के चार-चार, तृणमूल और टीएमसी के तीन-तीन और सपा-वायएसआर के एक-एक थे.

अपनी दूसरी 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की समाप्ति पर 17 मार्च को मुंबई के शिवाजी पार्क में हुई विशाल जनसभा में राहुल गांधी ने बिना किसी का नाम लिए एक खुलासा किया था कि किस तरह कांग्रेस के एक बड़े नेता उनकी मां (सोनिया गांधी) के सामने पहुंचकर रोने लगे कि वे अगर भाजपा में शामिल नहीं हुए तो उनका पूरा परिवार तबाह हो जाएगा. राहुल के इस खुलासे के तुरंत बाद महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने सार्वजनिक रूप से सफ़ाई दी थी कि उन्होंने सोनिया गांधी से कोई मुलाक़ात नहीं की. सारी दुनिया को पता है कि मुंबई की आदर्श हाउसिंग सोसाइटी में फ़्लैटों के घोटाले के बाद चव्हाण को मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफ़ा देना पड़ा था. आज़ादी के बाद से ही संघ-जनसंघ(भाजपा) की विचारधारा वाले लोगों ने भी कांग्रेस में महत्वपूर्ण जगहें बना लीं थीं. जनसंघ के एक संस्थापक श्यामप्रसाद मुखर्जी तो नेहरू के नेतृत्व में बने पहले मंत्रिमंडल (1947-'50) में वाणिज्य और उद्योग मंत्री थे. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और भारत के प्रथम गवर्नर जनरल सी राजागोपालाचारी द्वारा दक्षिणपंथी 'स्वतंत्र पार्टी' की स्थापना (1959-1974) ही कांग्रेस के बढ़ते समाजवादी नज़रिए की प्रतिक्रिया में की गई थी. तत्कालीन उत्तेजना का कारण कांग्रेस के अवाडी और नागपुर संकल्पों में व्यक्त पार्टी का वामपंथी रुख़ था.

• देश-काल

श्रवण गर्ग

अब समझा जा सकता है कि राजाजी के पड़पोते सीआर केसवन 22 वर्षों तक तमिलनाडु कांग्रेस में रहने के बाद पिछले साल भाजपा में क्यों शामिल हो गए! आश्चर्य नहीं व्यक्त किया जाए कि भाजपा ने 10 अप्रैल को अपने जिन नौ उम्मीदवारों की दसवीं सूची जारी की, उसमें बलिया से देश के पूर्व प्रधानमंत्री और कट्टर कांग्रेसी रहे चंद्रशेखर के बेटे नीरज शेखर को उम्मीदवार बनाया गया है. कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाने वालों में इस भय की तलाश की जा सकती है कि राहुल के नेतृत्व में खड़ी हो रही नई समावेशी पार्टी में छद्म हिंदुत्व के लिए छुपने की जगहें ख़त्म होती जा रही हैं! क्या कल्पना की जा सकती है कि जो व्यक्ति कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता के तौर पर मीडिया की तमाम बहसों में छाया रहता था, जिसे पार्टी ने दो बार सिर्फ़ हारकर दिखाने के लिए टिकिट दिया था, उसके अंदर छुपी बैठी हिंदुत्व की कुंडली अचानक से जाग उठी और वह भागकर भाजपा में भर्ती हो गया.

प्रो. गौरव वल्लभ नामक यह व्यक्ति कांग्रेस से त्यागपत्र देते हुए दो पन्नों के पत्र में लिखता है '...मैं जन्म से हिंदू और कर्म से शिक्षक हूं. पार्टी व गठबंधन से जुड़े कई लोग सनातन के विरोध में बोलते हैं और पार्टी का उस पर चुप रहना उसे मौन स्वीकृति देने जैसा है.' वे आगे लिखते हैं : 'हम एक ओर जाति आधारित जनगणना की बात करते हैं और दूसरी ओर संपूर्ण हिंदू समाज के विरोधी नज़र आते हैं.' प्रो.साहब कहते हैं : 'आर्थिक मामलों पर कांग्रेस का स्टैंड हमेशा देश के वेल्थ क्रिएटर्स (यहां अदाणी, अंबानी पढ़ा जा सकता है) को नीचा दिखाने का, उन्हें गाली देने का रहा है.' राहुल गांधी की लड़ाई सिर्फ़ भाजपा के सवर्णवाद से ही नहीं, बल्कि अपनी ही पार्टी में दीमकों की तरह चिपके बैठे कट्टर हिंदुत्व और पूंजीवाद के समर्थकों से भी है. ये लोग चुपचाप तरीक़ों से पार्टी के तहख़ानों में घुसकर हिन्दुत्ववादी ताक़तों के लिए मुखबिरी करते रहे हैं. 'जयश्री राम' के उद्घोष के साथ संजय निरुपम जब दावा करते हैं कि भारत अब एक धार्मिक राष्ट्र बन गया है और 'नेहरू की धर्मनिरपेक्षता ने हिंदुओं को उनके धर्म के प्रति भयभीत कर दिया था' तो समझा जा सकता है कि कांग्रेस की हार के बुनियादी कारण क्या रहे होंगे ! हो सकता है आने वाले समय में लड़ाई ग़रीबों की वकालत करने वाली एक धर्मनिरपेक्ष कांग्रेस और उन भगोड़े कांग्रेसियों के बीच हो जो अब भाजपा में भर्ती होकर उसके हिंदुत्व को भी भ्रष्ट कर रहे हैं!

• बोधि-वृक्ष सुज्ञ

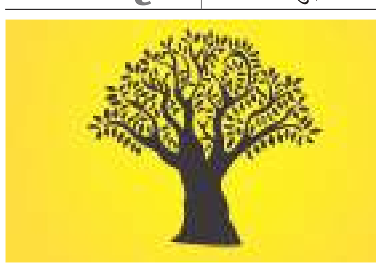

क्षमा की महत्ता

क्रोध अनर्थ का मूल है. क्रोध के कारण बड़े-बड़े अपराध होते रहते हैं. क्रोध के बाद पश्चात्ताप आता है और इसके बाद भारी विपदा का आगमन हो जाता है. क्षण भर की सहिष्णुता किसी मनुष्य को पूरे जीवन की विपदा से बचाता है. यही कारण है कि मनीषियों ने क्रोध पर नियंत्रण करने का परामर्श दिया है. इसका एक मात्र उपाय है क्षमा. क्षमा आत्मा का नैसर्गिक गुण है. यह आत्मा का स्वभाव है. जब हम विकारों से ग्रस्त हो जाते हैं तो स्वभाव से विभाव में चले जाते है. यह विभाव क्रोध, भय, द्वेष एवं घृणा के विकार रूप में प्रकट होते हैं. जब इन विकारों को परास्त किया जाता है तो हमारी आत्मा में क्षमा का शांत झरना बहने लगता है. क्रोध से क्रोध ही प्रज्वलित होता है. क्षमा के स्वभाव को आवृत्त करने वाले क्रोध को, पहले जीतना आवश्यक है. अक्रोध से क्रोध जीता जाता है. क्योंकि क्रोध का अभाव ही क्षमा है. अतः क्रोध को धैर्य एवं विवेक से उपशांत करके, क्षमा के स्वधर्म को प्राप्त करना चाहिए. बडा व्यक्ति या बडे दिल वाला कौन कहलाता है? वह जो सहन करना जानता है, जो क्षमा करना जानता है. क्षांति जो आत्मा का प्रथम और प्रधान धर्म है. क्षमा के लिए 'क्षांति' शब्द अधिक उपयुक्त है. क्षांति शब्द में क्षमा सहित सहिष्णुता, धैर्य और तितीक्षा अंतर्निहित है. क्षमा में लेश मात्र भी कायरता नहीं है. सहिष्णुता, समता, सहनशीलता, मैत्रीभाव व उदारता जैसे सामर्थ्य युक्त गुण, पुरूषार्थ हीन या अधैर्यवान लोगों में उत्पन्न नहीं हो सकते. निश्चित ही इन गुणों को पाने में अक्षम लोग ही प्रायः क्षमा को कायरता बताने का प्रयास करते है. यह अधीरों का, कठिन पुरुषार्थ से बचने का उपक्रम होता है, जबकि क्षमा व्यक्तित्व में तेजस्विता उत्पन्न करता है. वस्तुतः आत्मा के मूल स्वभाव क्षमा पर छाये हुए क्रोध के आवरण को अनावृत्त करने के लिए, दृढ़ पुरुषार्थ, वीरता, निर्भयता, साहस, उदारता और दृढ़ मनोबल चाहिए, इसीलिए 'क्षमा वीरस्य भूषणम्' कहा जाता है. दान करने के लिए धन खर्चना पड़ता है, तप करने के लिए काया को कष्ट देना पडता है, ज्ञान पाने के लिए बुद्धि को कसना पडता है. किंतु क्षमा करने के लिए न धन-खर्च, न काय-कष्ट, न बुद्धि-श्रम लगता है. फिर भी क्षमा जैसे कठिन पुरुषार्थ युक्त गुण का आरोहण हो जाता है. क्षमा ही दुखों से मुक्ति का द्वार है. क्षमा मन की कुंठित गांठों को खोलती है. और दया, सहिष्णुता, उदारता, संयम व संतोष की प्रवृत्तियों को विकसित करती है.

लोकतंत्र का पेपर लीक है, सन्नाटा क्यों

• सामयिकी

प्रफुल्ल कोलख्यान

कोलाहल का हद के पार चला जाये तो अपने पीछे सन्नाटा छोड़ जाता है. विपक्षी गठबंधन के नेताओं के भाषणों से शब्दों और वाक्य खंडों को चुन-चुनकर शब्द गोलों को उछालते रहना चुनाव प्रचार की शैली नहीं हो सकती है. खासकर लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में दस साल के शासन के बाद कोई राजनीतिक दल तीसरी बार चुनाव मैदान में जनादेश के लिए चुनाव प्रचार कर रही हो. अचरज की बात है कि धीरे-धीरे जिनकी जबान ने हिलना बंद कर दिया था. लोक के जीवन में एक-से-बढ़कर-एक संकट आया, लेकिन उनका मुंह न खुला! अब वे भी बोलने की कोशिश कर रहे हैं. अफसोस है कि उनकी बातें अब प्रदूषण फैलानेवाले धुआं के आवारा छल्लों से अधिक कोई हैसियत नहीं रखती. लोकतंत्र का पर्व सामने है. हर साल मनाये जानेवाले पवित्र पर्वों का लोग बेसब्री से इंतजार करते हैं. पांच साल में होनेवाले पर्व के इंतजार में कोई बेसब्री नहीं दिखती है, तो धरती पर कान लगाइये! हवा की सनसनाहट को कान से पढ़िये! जी, आंख को बचाइए, यह चित्र से चौंधियाने के खतरों से बचाव का वक्त है. सोचिए कि भारत में ऋषि-मुनि-दार्शनिक, सत्यान्वेषी भी अपनी साधना की शुरुआत ही आंख मूंदने से क्यों करते थे!' वे ऋषि-मुनि थे उनके आंख के कारण अपनी जगह, यहां तो चित्र की चौंधियाहट के खतरों से बचाव की बात है, आंख मूंदने की नहीं. लोकतंत्र का पर्व सामने है, जनता के खामोश सब्र के पीछे की सुगबुगाहट में आनेवाले समय की आहट है. गनीमत है कि रावण को रामायण लिखने का मौका नहीं मिला, मिलता तो पता नहीं क्या-क्या लिखता. वैसे छलछलाती हुई छलकारी आत्मीयता और दुम दबाकर गले लगती आत्महीनता की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय वर्तमान के डील-डौल से कुछ-न-कुछ अनुमान तो लग ही सकता है. अपराधियों के झुंड और दलों के दलदल में दहाड़े वसंत में छिपे लोकतंत्र के पतझड़ के संकेतों को पढ़ लेना क्रिया सचमुच बहुत मुश्किल है! नहीं न! न्याय की बात! न्याय तो प्रमाण के इंतजार में उम्र गुजारता है. भारत में 'न्याय शास्त्र' के अनुसार प्रमाण चार तरह के होते हैं. प्रमाण चतुष्टय हैं, प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान और शब्द. प्रत्यक्ष यानी आंख के सामने जो साफ-साफ दिख रहा हो. लेकिन, आंख तो चौंधियाहट की चपेट में है. उसका प्रमाण होना मुश्किल ही है. अनुमान का मतलब मान यानी किसी मानदंड का सहारा लेते हुए सत्य के ज्ञान तक पहुंचना. जब न हो कोई

> भारत में लोकतंत्र का पेपर लीक है. पंचर साइकिल खींचते आदमी के सामने सवाल उठाना कि आखिर मुद्दा क्या है? जाहिर है, वह लोकतंत्र नहीं, साइकिल कहेगा! पता लगाना मुश्किल है कि पंचर साइकिल है या साइकिल को खींचनेवाला आदमी है! या फिर लोकतंत्र! सवाल उठानेवाले के पंचर होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है.

मान और न बचा हो मानदंड तो अनुमान मृग-छौनों की तरह कभी उछलकर इधर तो कभी उधर! ऐसे में काम का बचता है, उपमान और शब्द. उपमान यानी उदाहरण. दूसरों के कारनामों के उदाहरण से कोई अपनी बेगुनाही का प्रमाण नहीं जुटा सकता है. सच की मुट्ठी खोलकर झूठ उछालने के लिए उदाहरणों के विविध प्रसंगों से भरा हुआ है सार्वजनिक परिदृश्य. बचा शब्द यानी आवाज! याद है न! प्यासे मां-बाप की प्यास बुझाने के लिए श्रवण कुमार पानी भरने गये थे.पानी भरने की गुड़गुड़ी आवाज के चलते प्राण जाये पर वचन न जाये की दुहाई देने वाले दसरथ के वाण से बिंधकर प्राणहारी मुकाम पर पहुंच गये थे! याद है न! यक्ष के प्रश्नाकुल आवाज की! यक्ष की आवाज को अनसुनी करते हुए पानी लेना किस तरह प्राणघाती हो जाता है. याद रखना जरूरी है पानी के लिए हुई अब्बास की शहादत! लोकतंत्र का पानी सूख रहा है. लोकतंत्र को सूखा से बचाने की प्राथमिकता और प्रतिबद्धता के रास्ते में सुख-सुविधा के लालच से बचना जरूरी है. कठिन समय में प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान और शब्द जैसे प्रमाण के किसी भी प्रसंग से लापरवाह शासकीय सिद्धांत का सूत्र होता है, जो साथ है वह ईमानदार, जो साथ नहीं वह गिरफ्तार! मीडिया का सहारा! सहारे के सर्वेक्षण का विश्वास करे कोई या इंतजार के विवेक का मनोरंजन! कहना मुश्किल है. मीडिया सर्वेक्षण का अपना तरीका है. भारत में लोकतंत्र का पेपर लीक है. पंचर साइकिल खींचते आदमी के सामने सवाल उठाना कि आखिर मुद्दा क्या है? जाहिर है, वह लोकतंत्र नहीं, साइकिल कहेगा! पता लगाना मुश्किल है कि पंचर साइकिल है या साइकिल को खींचनेवाला आदमी है! या फिर लोकतंत्र! सवाल उठानेवाले के पंचर होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है. भारी संख्या में मतदाताओं को अपना-अपना मतदान कर लोकतंत्र के पर्व को सफल बनाना चाहिए.

नरेंद्र मोदी की पार्टी है नई भाजपा

• सियासत

वीर सिंघवी

भाहर चुनाव में भारतीय राजनीति थोड़ी बदल जाती है. ज़रूरी नहीं कि यह अच्छे या बुरे के लिए हो, लेकिन फिर भी यह बदलता है और फिर कभी भी पहले जैसा नहीं रहता. जैसा कि लोकसभा चुनाव होने जा रहे हैं, आइए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बारे में कुछ धारणाओं पर गौर करें, जिन्हें पिछले कुछ साल के अनुभव के कारण जल्दबाजी में संशोधित करना पड़ा है. पहला यह पुराना दृष्टिकोण है कि भाजपा कभी भी किसी एक नेता के आसपास व्यक्तित्व पंथ को उभरने नहीं देगी. जब पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी पार्टी के सबसे लोकप्रिय नेता बन गए और उनका चेहरा होर्डिंग और पोस्टरों पर छाने लग गया, तो पार्टी के एक वर्ग के साथ-साथ आरएसएस में भी बेचैनी थी. 1984 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की करारी हार के बाद, वाजपेयी को किनारे कर दिया गया और पार्टी लालकृष्ण आडवाणी के इर्द-गिर्द लामबंद होने लगी. आडवाणी कभी भी राष्ट्रीय स्तर पर जन नेता नहीं थे और जब यह स्पष्ट हो गया कि उनका नेतृत्व गठबंधन सहयोगियों के लिए अस्वीकार्य होगा, तो वाजपेयी को वापस लाया गया, लेकिन अपने पूरे कार्यकाल के दौरान, आरएसएस को लगातार वाजपेयी की ज़रूरत महसूस होती रही और ऐसा माना जाता था कि ज़रूरी नहीं कि आडवाणी के प्रति वफादार मंत्री उनकी सर्वोच्चता को स्वीकार करें. उन वर्षों के अनुभवों की तुलना पिछले दशकों की राजनीति से करें. भाजपा अब उसी तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी है जैसे कभी कांग्रेस इंदिरा गांधी की पार्टी हुआ करती थी. वे अपनी पार्टी से ज्यादा लोकप्रिय हैं. जब वे दावे और वादे करते हैं, तो वे ऐसा मोदी के नाम पर करते हैं (हां, तीसरे व्यक्ति में) — पार्टी के नाम पर नहीं और जबकि आप रैलियों और पार्टी समारोहों में जय श्री राम के नारे सुन सकते हैं, एक नए कोरस ने इसे पूरक किया है: "मोदी, मोदी, मोदी...वाजपेयी के लिए अक्सर मुश्किल परिस्थितियों का सामना करने का एक कारण यह था कि आरएसएस के अधिकांश लोग वास्तव में उन्हें पसंद नहीं करते थे. अब, कोई नहीं जानता या इसकी परवाह भी नहीं करता कि आरएसएस मोदी के बारे में क्या सोचता है. प्रधानमंत्री इतने लोकप्रिय हैं कि नागपुर की किसी भी शिकायत से बहुत फर्क नहीं पड़ता. आप यह तर्क दे सकते हैं कि मोदी जो कुछ करते हैं या जिसके बारे में बात करते हैं वे आरएसएस, (नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और अनुच्छेद 370 को निरस्त करना) को खुश करता है. हालांकि, वे आरएसएस मुख्यालय में वरिष्ठों के गुट की मंजूरी हासिल करने की

> पार्टी लाइन से किसी भी विचलन की अनुमति नहीं है और सीपीआई (एम) की तरह, भाजपा ने आमतौर पर अपने नेताओं को कैडर से चुना है. बहुत कम वॉक-इन और बहुत कम पाश्र्व प्रविष्टियां थीं. वे बदल गए हैं. केंद्र सरकार में शीर्ष मंत्रियों में बहुत कम पुरुष और महिलाएं हैं, जिन्होंने कैडर या शाखाओं में वर्षों बिताए हैं.

कोशिश नहीं कर रहे हैं. वे अपने निर्वाचन क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए ये कदम उठा रहे हैं. कांग्रेस युग में हम एक 'हाईकमान' के विचार का मज़ाक बनाएंगे, जिनके पास सभी फैसले भेजे जाते थे. यहां तक कि मुख्यमंत्रियों का चयन दिल्ली में बैठे किसी व्यक्ति द्वारा किया जाता था, राज्य के विधायकों द्वारा नहीं और सभी मुख्यमंत्रियों को बर्खास्त किया जा सकता था और इच्छानुसार नियुक्त किया जा सकता था. पुरानी भाजपा अलग थी : दिल्ली में पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के लिए अपनी इच्छा थोपना बहुत मुश्किल था. (याद रखिए कि कैसे वाजपेयी के पास मोदी को गुजरात से बाहर ले जाने की ताकत नहीं थी?) अब, जब कांग्रेस के पास न तो कोई प्रभावी हाई कमान है और न ही कोई कम कमान, तो वह पुरानी संस्कृति भाजपा को दे दी गई है. मोदी और अमित शाह पार्टी के आलाकमान हैं. हर बड़े फैसले को उनके पास भेजा जाता है. अगर वे एक लोकप्रिय मुख्यमंत्री को बदलना चाहते हैं (उदाहरण के लिए मध्य प्रदेश में जीत के बाद शिवराज सिंह चौहान), तो कोई भी उनके फैसले पर सवाल नहीं उठाएगा. शायद भाजपा में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव वैचारिक रहा है. जवाहरलाल नेहरू के शब्दों में कांग्रेस को हमेशा इस बात पर गर्व रहा है कि वह एक बरगद का पेड़ है जो अलग-अलग दृष्टिकोण वाले लोगों को आश्रय देता है. दूसरी ओर, भाजपा सख्त अनुशासन वाली कैडर-आधारित पार्टी रही है. पार्टी लाइन से किसी भी विचलन की अनुमति नहीं है और सीपीआई (एम) की तरह, भाजपा ने आमतौर पर अपने नेताओं को कैडर से चुना है. बहुत कम वॉक-इन और बहुत कम पार्श्व प्रविष्टियां थीं. वे बदल गए हैं. केंद्र सरकार में शीर्ष मंत्रियों में बहुत कम पुरुष और महिलाएं हैं, जिन्होंने कैडर या शाखाओं में वर्षों बिताए हैं. वे पार्श्व प्रवेशकर्ता, पार्टी के बाहर के विशेषज्ञ या शीर्ष नेतृत्व के पसंदीदा हैं. कुछ तो वंशवादी भी हैं, जिनके खिलाफ भाजपा लड़ने के लिए प्रतिबद्ध थी. यहां तक कि भाजपा द्वारा थोपी गई पुरानी वैचारिक स्थिरता भी अब दो अलग-अलग स्तरों पर काम करती है. **(साभार)**

मीडिया में अन्यत्र

श्रम बाजार पर ध्यान दिया जाना जरूरी

श्रम बाजार के हालात पर होने वाली बहस अक्सर बेरोजगारी और श्रम शक्ति भागीदारी दरों पर निर्भर रहती है. वास्तविक आय की अक्सर अनदेखी कर दी जाती है. श्रम शक्ति भागीदारी आंकड़ों में सुधार और बेरोजगारी दर में कमी के बीच अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और मानव विकास संस्थान की एक रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि भारत के श्रम बाजार के नतीजों में सबकुछ अच्छा नहीं है. रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में वास्तविक मेहनताने में कमी आई है. 2012 और 2022 के बीच के आंकड़े दर्शाते हैं कि नियमित वेतन वाले कर्मचारियों की औसत मासिक वास्तविक आय में हर वर्ष करीब एक फीसदी की गिरावट आई. दस वर्ष की अवधि में यह 12,100 रुपये से कम होकर 10,925 रुपये रह गई. शहरी इलाकों का प्रदर्शन ग्रामीण भारत से खराब रहा. शहरी भारत में 2012 से 2022 के बीच वास्तविक वेतन औसतन 7.3 फीसदी गिरा, जबकि समान अवधि में ग्रामीण क्षेत्र में वास्तविक वेतन 3.8 फीसदी कम हुआ. यह बात इसलिए खासतौर पर चिंतित करने वाली है कि वेतनभोगी कर्मचारी बेहतर काम में लगे हैं, उनका कार्यकाल लंबा है, उन्हें किसी न किसी तरह की सामाजिक सुरक्षा हासिल है और उन्हें नियमित अंतराल पर वेतन मिलता है. नियमित नौकरी करने वालों में भी सरकारी नौकरी करने वालों के वेतन में इजाफा हुआ, जबकि निजी क्षेत्र में काम करने वालों के वास्तविक वेतन में कमी आई. निश्चित तौर पर इसकी वजह कम कौशल वाले श्रमिकों की आय में स्थिरता को ठहराया जा सकता है. स्वरोजगार श्रेणी में भी वास्तविक वेतन में ऐसा ही रुझान नजर आता है. देश के कुल श्रमिकों में से करीब 55 फीसदी की आय महामारी के कारण लगने वाले झटकों और लॉकडाउन के दौरान आर्थिक गतिविधियों के ठप पड़ने से प्रभावित हुई. आश्चर्य की बात है कि आकस्मिक कामगारों की मासिक वास्तविक आय में 2022 तक हर वर्ष 2.4 फीसदी की वृद्धि हुई. नियमित वेतन वाले कर्मचारियों और स्वरोजगार करने वालों की वास्तविक आय का रुझान और साथ ही आकस्मिक कामगारों के वास्तविक वेतन में मामूली वृद्धि को हाल के वर्षों में रोजगार निर्माण की गुणवत्ता में गिरावट के संकेतक के रूप में देखा जा सकता है. इसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के अंतर्गत रोजगार की मांग में भी देखा जा सकता है जो अभी भी महामारी के पहले की मांग से ऊंचे स्तर पर है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

कायदा/फायदा

जो कायदे में रहेगा, वह फायदे में रहेगा. इस दुनिया में हर कोई चाहता है, उसे फायदा हो, लेकिन सबको कायदा रास नहीं आता. वे इसे बंधन समझते हैं. इन वाक्यों में कायदा शब्द की तारीफ की गयी है और बताया गया है कि अगर फायदा चाहते हो तो कायदा सीखो. यह तभी होगा, जब आप कायदे को अच्छी तरह समझ पायेंगे. कायदा और फायदा दोनों ही अरबी मूल संज्ञा पुल्लिंग शब्द हैं. अरबी भाषा में मूल शब्द काइदा और कायदह है, जो हिंदी में आकर कायदा हो गया है. हालांकि हर समय ये एक दूसरे पर निर्भर नहीं करते. कायदा शब्द के बहुत सारे अर्थ होते हैं, जो इसके वाक्य में प्रयोग पर निर्भर करते हैं, लेकिन इन वाक्यों में प्रयोग में आये कायदा का मतलब उसूल, सिद्धांत, अदब, सम्मान, दस्तूर, शिष्ट एंग, सलीका, शैली, रस्म, चलन, रीति ही है. वैसे कायदा का मतलब कानून, संविधान, संहिता भी होता है. प्रकृति, आदत, तरीका, बुनियाद, नींव, जड़ को भी कायदा कहा जाता है. सवाल हल करने का तरीका भी कायदा ही होता है. कायदे का मतलब बैठक, कुर्सी, राजगीरी, पाया, पेंदा, तला, डंठल भी है. बच्चों को पढ़ाने की आरंभिक पुस्तक को भी अरबी भाषा में कायदा कहा जाता है, जिसमें वर्णमाला और उनके आसान रूप लिखित होते हैं. यहूदी और मुस्लिम समाज में लड़कियों का नाम कायदा रखा जाता है. जैसा कि कहा गया कायदा से फायदा. मतलब यह कि अगर सही तौर तरीके से चलेंगे तो लाभ होगा. रेख्ता हिंदी-उर्दू शब्दकोश और हिंदी शब्द सागर के अनुसार अरबी भाषा में इसे भी फाइदा और फायदह कहा जाता है. मतलब नफा, प्राप्ति, आय. जैसे कहा जाता है-इस रोजगार में बड़ा फायदा है. वहीं कहा जाये कि उससे पूछने से भी कुछ फायदा नहीं, क्योंकि वह बतायेगा ही नहीं. इस वाक्य में फायदा का मतलब प्रयोजन ही ध्वनित होता है. अच्छा नतीजा, उत्तम प्रभाव को भी फायदा ही समझा जाता है.

नहीं हो पाया आसुरी शक्तियों का निवारण

• तीर-तुक्का

कुबेर

अक्सर जैसे होता है, हमारे मुहल्ले वाले भी बड़े आस्तिक और धर्मपरायण हैं. वातावरण में व्याप्त आसुरी शक्तियों का नाश करने और नकारात्मक ऊर्जा की जगह सकारात्मक ऊर्जा भरने के लिए नित कोई न कोई धार्मिक आयोजन करते रहते हैं. इस तरह के किसी कार्य में मैं रुचि नहीं लेता, लिहाजा उनके लिए मैं सर्वथा अस्पृश्य हो गया हूं. मुहल्ले वाले मेरे जैसे नहीं हैं. सारे, सकारात्मक ऊर्जा से लबालब भरे हुए हैं. उनके अंदर खालिश दैवीय शक्तियों का वास है. इनमें संस्था के अध्यक्ष अगरवाल जी भी शामिल हैं, जिसकी नई नवेली बहू पिछले हफ्ते चाय बनाते-बनाते झुलस कर मर गई थी और पुलिस जिसकी जांच कर रही है. शर्मा जी भी शामिल हैं, जो रिश्वत लेने के आरोप में कई बार सस्पेंड हो चुके हैं. अभी-अभी मुहल्ले में आसुरी शक्तियों के निवारणार्थ एक प्रोग्राम हुआ. आसुरी शक्तियों का काम तमाम करने बहुत बड़ा संत बुलाया गया था. सप्ताह भर की ध्वनि विस्तार से मैं अवसाद में जाते-जाते बचा. न चाहते हुए भी उनका प्रवचन सुनना पड़ा. वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने वाली उनकी बातों का लोगों ने जमकर रस लिया. मैंने भी खूब रस लिया. कुछ रस आपके लिए भी बचाकर लाया हूं. उनके अनुसार, 'कपि श्रेष्ठ हनुमान जी प्रभु राम के भक्तों में सबसे ऊंचे हैं.' इस वाक्य के प्रत्येक शब्द, प्रत्येक अक्षर की विशद् व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा- 'कपि'! क माने कष्ट, प माने पाप और इ माने इति; अर्थात मनुष्य के सारे कष्टों और पापों का नाश करने वाला.' पंडाल बजरंगबली के जयकारी से गूंज उठा. मुझे लगा, पंडाल का वातावरण सकारात्मक ऊर्जा से भरने लगा है. 'भक्त' शब्द को अनावृत्त करते हुए उन्होंने कहा -' भ माने भागने वाला, क माने कमर कसकर और त माने पूरी ताकत से. अर्थात भगवान के कामों में कमर कसकर पूरी ताकत से भागने वाला.' मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि वहां एक भी भाषा वैज्ञानिक नहीं रहा होगा. होता तो जरूर उन्हें हार्ट अटैक आया होता. पंडाल एक बार फिर बजरंगबली के जयकारे और तालियों की आवाज से गूंज उठा. मुझे लगा, अब की बार तालियों की चोट से पंडाल के अंदर मौजूद सारी आसुरी शक्तियों का नाश हो गया होगा. यह उदाहरण तो एक दिन का, एक प्रसंग मात्र का है. सात दिनों में ऐसे कई प्रसंग आए, अनगिनत जयकारी लगे, सैकड़ों बार तालियां बजीं. मजाल है कि कोई आसुरी शक्ति बच पाई हो. आज की बात है. बहू को जलाकर मारने के आरोप में अगरवाल जी सपरिवार पकड़ लिए गए हैं. शर्मा जी रिश्वत लेने के आरोप में फिर सस्पैंड हो गये हैं. नाती-पोते वाला साठ साल का एक आदमी जिन्होंने आसुरी शक्तियों का निवारण करने वाले कथा-प्रसंगों का सर्वाधिक रसपान किया था, एक नाबालिग की इज्जत लूटते मौके पर पकड़ा गया.

रामनवमी विशेष

लोक-परलोक का संकट हरते हैं श्रीराम

आचार्य
अजय मिश्रा

पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 16 अप्रैल को दोपहर 01 बजकर 23 मिनट से आरंभ हुई और 17 अप्रैल 2024 को दोपहर 03 बजकर 14 मिनट पर खत्म हो जाएगी. उदया तिथि के आधार पर राम नवमी का पर्व 17 अप्रैल को मनाई जाएगी. राम नवमी पर मध्याह्न पूजा का शुभ मुहूर्त 11 बजकर 10 मिनट से लेकर 01 बजकर 43 तक रहेगा. इस वर्ष शुभ रवि योग में रामनवमी पर्व मनाया जाएगा. मान्यता है कि चूंकि इस योग में सूर्य का प्रभाव है, इसलिए भक्तों को सभी कष्टों से मुक्ति मिलेगी और मान सम्मान में इजाफा होगा.

राम नवमी पूजा विधि

राम नवमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें. अब एक पूजा स्थल पर साफ-सफाई के बाद एक चौकी पर भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण जी और हनुमानजी की मूर्तियों को स्थापित करें. फिर इसके बाद जल अर्पित करें. फिर चंदन, रोली, अक्षत, पीले फूल आदि पूजन सामग्री चढ़ाएं. फल व कई तरह के भोग का नैवेद्य अर्पित करें. अंत में आरती करें. राम नवमी पर भगवान राम का जाप, राम रक्षा स्त्रोत, श्रीराम चालीसा और रामायण की चौपाइयों का पाठ करें. राम नवमी पर प्रभु राम की पूजा के साथ उनके भक्त हनुमान जी की भी विशेष पूजा-उपासना का महत्व है इस दिन सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का पाठ जरूर करें.

नवमी तिथि प्रारम्भ- 16 अप्रैल 2024 को दोपहर 01 बजकर 23 मिनट से.

नवमी तिथि समाप्त- 17 अप्रैल 2024 को दोपहर 03 बजकर 14 मिनट तक.

अभिजीत मुहूर्त - इस दिन अभिजीत मुहूर्त नहीं रहेगा.

विजय मुहूर्त- दोपहर 02 बजकर 34 मिनट से 03 बजकर 24 मिनट तक.

गोधूलि मुहूर्त - शाम 06 बजकर 47 मिनट से 07 बजकर 09 मिनट तक.

रवि योग - पूरे दिन..

राम का नाम अमोघ

धर्म शास्त्रों के अनुसार राम का नाम अमोघ है. इसमें ऐसी शक्ति है जो इस संसार के तो क्या, परलोकों के संकट काटने में भी सक्षम है. असल में जब आप राम बोलते हैं तो पहला अक्षर 'रा' उच्चारित होता है जिसमें आपको पूरा मुख खोलता जिससे सारे ब्रह्मांड की शक्ति शरीर के अंदर प्रवेश कर जाती है और जब 'म' अक्षर उच्चारित करते हैं तो मुख आपका बंद हो जाता है. ऐसे में सारे ब्रह्मांड की अच्छी शक्तियां आपके शरीर में समाहित हो जाती हैं. मान्यता है कि अंतिम समय में राम का नाम लेने वाला व्यक्ति मोक्ष को प्राप्त होता है. भगवान श्री रामचंद्र जी का नाम इस कलयुग में कल्पवृक्ष अर्थात मनचाहा फल प्रदान करने और कल्याण करने वाला है. अनादि काल से महादेव जिस नाम का स्मरण करते हैं और जिस नाम की महिमा का बखान भगवती पार्वती से किया हैं, जिनके सेवार्थ उन्होंने श्री हनुमत रूप में अवतार लिया ऐसे प्रभु श्री राम का नाम लिखना, बोलना भवसागर से पार तो लगाता है ही साथ ही मनुष्य को समस्त प्रकार के दैहिक, दैविक एवं भौतिक तापों से मुक्ति प्रदान करता है.

वहीं, अगर सुबह शाम राम दरबार का स्मरण करते हुए 108 बार 'अजपा' जप कर लिया जाए तो जीवन के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं. इस जप को करते समय 'रा' बोलते हुए श्वास को पूरा खींचें और 'म' बोलते हुए श्वास को छोड़ें. इससे आपका शरीर स्वस्थ रहती है. यह एक तरह की योग मुद्रा है. बरगद के पत्ते पर केसर से राम का नाम लिखकर पर्स में रखने से धन की वृद्धि होती है. राम नाम के जाप से शनि दोष भी दूर होता है. भगवान राम के जप करने से मंगली दोष का भी असर कम होता है.

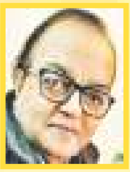

डॉ हरेन्द्र सिन्हा

रामनवमी का महापर्व है तो झारखंड सहित पूरे देश में हर तरफ श्री राम और राम मंदिरों की चर्चा है. एक प्रकार से देखा जाए तो सनातन धर्म की परंपराओं का, जो कालक्रम में विभिन्न कारणों से कमज़ोर और प्रभावहीन होती जा रही थीं, अब पुनर्जागरण हुआ है, पुनर्स्थापना हो रही है. यही कारण है कि आज पूरा देश राममय हो चुका है. 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के उपरांत तो हमारी पौराणिक परंपराएं देश भर में अधिक दृढ़ता पूर्वक पुनर्स्थापित हो गई हैं और ऐसे लोगों में भी, जो अपने धर्म के प्रति उदासीन हो चले थे, जागरूकता देखी जा रही है. धर्म के सकारात्मक पक्ष को लेकर समाज अग्रसर हो, यही सबके लिए उचित है और श्री राम के माध्यम से ये धार्मिक पुनर्जागरण इसी दिशा में एक सुखद विकास है. वैसे भी सनातन धर्म तो विश्वबंधुत्व की धारणा में विश्वास रखता है, इसलिए यह किसी भी धर्म के प्रति असहिष्णु नहीं है.

रोम-रोम में राम

विष्णु के अवतार राम

राम के प्रति मन में जिज्ञासा होती है कि राम कौन थे. इस संबंध में सबसे आसान परिभाषा यही दी जा सकती है कि हमारे शास्त्रों में भगवान विष्णु के 10 अवतार माने गए हैं जिनमें, पौराणिक कथाओं के अनुसार, श्री राम, भगवान विष्णु के सातवें अवतार हैं. माना यही जाता है कि समाज में उपजी कुछ बुराइयों को संतुलित करने के लिए ईश्वर, मानव या पशुओं के विभिन्न रूपों में, अवतार ले सकते हैं. तो राम विष्णु के सातवें अवतार हैं. राम का नाम मन में आते ही हमारी आंखों में श्री हनुमान की छवि भी झलकने लगती है जो श्री राम के अनन्य भक्त हैं. एक मान्यता के अनुसार उनकी भी जन्म तिथि वही है जो श्री राम की मानी जाती है. इस संबंध में, हमारे समाज में सनातनी धर्म के लोग रामनवमी नामक महापर्व प्रतिवर्ष हर्षोल्लास के साथ मनाते हैं. हमारी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को भगवान विष्णु ने राम के रूप में धरती पर जन्म लिया था और इसी दिन से, बड़े हर्षोल्लास के साथ, सनातन धर्म के लोग रामनवमी को भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाने लगे.

श्री राम ने किया था देवी दुर्गा का अनुष्ठान

इसी दिन नारी शक्ति की देवी मां दुर्गा के नवें यानी सिद्धिदात्री रूप की भी पूजा की जाती है. रामनवमी से 9 दिनों पूर्व से ही चैत्र नवरात्रि का पर्व भी शुरु हो जाता है. इस 9 दिवसीय आयोजन के महत्व के बारे में कहा जाता है कि जिस वक्त श्री राम, सीता को रावण के चंगुल से छुड़ाने के लिए युद्ध कर रहे थे, उस समय रावण पर विजय पाने के लिए भगवान श्री राम ने देवी दुर्गा का अनुष्ठान किया था. यह अनुष्ठान पूरे 9 दिनों तक चला था जिसके बाद मां दुर्गा ने भगवान श्री राम के सामने प्रकट होकर उन्हें विजयी होने का आशीर्वाद दिया था. तो चैत्र नवरात्रि के ये 9 दिन उसी अनुष्ठान के प्रतीक रूप में मनाए जाते हैं.

छोटी अयोध्या सा बन जाता तपोवन मंदिर

ढोल नगाड़ों की गूंज के बीच विभिन्न दिशाओं से आ रहे विभिन्न आकारों के जुलूस एक दूसरे से मिलते हुए विशाल शोभा यात्रा के रूप में तपोवन मंदिर पहुंचते हैं. शुरुआती दौर में, पहली बार यहां एक ही झंडा लाया गया था जबकि आज इनकी संख्या हजारों में पहुंच गई है. लेकिन पूजा आज भी इसी प्रथम झंडे की होती है जिसे पहले महंत श्री राम शरण दास जी पूजा करते थे और अब वर्तमान महंत करते हैं. मंदिर परिसर में विधि विधान से पूजन तथा आरती उतारने के बाद भोग लगाया जाता है. शेष झंडों का माथा, सिंह द्वार पर, टिकाया जाता है और उनको मंदिर के प्रधान पुजारी द्वारा टीका लगाया जाता है. रांची के उत्तरी और दक्षिणी अंचलों के झंडों का यहां मिलन होता है. राम और हनुमान के गगन भेदी जयकारों से तपोवन छोटी अयोध्या का रूप ले लेता है. रामनवमी जुलूस के 6 दिन बाद यहां भगवान राम की छठी भी मनाई जाती है और भंडारा भी होता है.

1929 से रांची में रामनवमी मनाने की परंपरा

रांची में रामनवमी मनाने की परंपरा काफी पुरानी है. इसकी शुरुआत अनुमानतः 1929 से हुई. इस अवसर पर पहला जुलूस अपर बाज़ार स्थित महावीर मंदिर से तपोवन मंदिर, निवारणपुर तक निकाला गया था. यह सिलसिला आज भी पूर्ववत जारी है. जुलूस निकालने की यह परंपरा बहुत प्राचीन है, जिसका श्रेय तपोवन मंदिर के तत्कालीन महंत रामशरण दास जी को जाता है. इस अवसर पर उत्तर से मध्य भारत तक राम की पूजा अर्चना की जाती है. चूंकि श्री राम के अलावा एक मान्यता के अनुसार इसी तिथि को श्री हनुमान का भी जन्म हुआ था, अतः झारखंड में रामनवमी के दिन राम भक्त हनुमान की पूजा के साथ साथ कई जगहों पर उनके विशाल महावीरी झंडे के साथ भव्य शोभायात्रा और जुलूस भी निकाले जाते हैं.राजधानी रांची के विभिन्न हनुमान मंदिरों और अखाड़ों से, सुबह पूजा अर्चना के बाद, विशाल महाबली पताकाओं के साथ जुलूस निकाले जाते हैं.

तपोवन की यह दंतकथा

निवारणपुर स्थित तपोवन मंदिर तप से उपजी हुई भूमि है, जिसका इतिहास काफी पुराना है. कहा जाता है कि जंगल झाड़ के बीच कभी तपस्वियों के इस पावन स्थल का अंग्रेजों ने विरोध किया था. यहां के बारे में एक दंतकथा है कि एक ऋषि वेंकटेश्वर दास महाराज जब वहां तपस्या में लीन रहते थे तो उनके आसपास जंगल के जीव-जंतु आकर बैठ जाते थे. एक दिन जब वो तपस्या में लीन थे तो एक अंग्रेज अधिकारी ने उनके पास बैठे बाघ को गोली मार दी. महंत जी अत्यंत क्रुद्ध हुए. उन्होंने उस अधिकारी से कहा कि यह तपभूमि है, यहां शिकार नहीं किया जाता. अपनी ग़लती मान अंग्रेज अधिकारी ने उनसे माफी मांगी और प्रायश्चित का मार्ग पूछा. प्रायश्चित स्वरूप उस अधिकारी ने वहां भगवान शंकर का मंदिर बनाने का संकल्प लिया. मंदिर बनाने के लिए जब यहां खुदाई शुरू हुई तो महंत वेंकटेश्वर दास जी को सपने में भगवान ने दर्शन दिए और कहा कि मंदिर स्थल के पास वो भूमिगत हैं, उन्हें बाहर निकाला जाए. वेंकटेश्वर दास जी ने अपने सपने के बारे में अंग्रेज अधिकारी को बताया. बताई गई ज़मीन पर खुदाई करने पर वहां राम-जानकी आदि की मूर्तियां निकलीं. दोनों मूर्तियों को यहां स्थापित कर दिया गया. बाद में जयपुर से लक्ष्मण की मूर्ति भी मंगवा कर साथ में स्थापित की गई. ढाई एकड़ में फैला तपोवन मंदिर नदी के समीप ही स्थित है जहां भगवान शंकर के अलावा भगवान जगन्नाथ, बलराम और सुभद्रा का मंदिर भी बनवाया गया. उसके बाद यहां विष्णु, कृष्ण के विराट स्वरूप, माता दुर्गा, शिव और गौरी, गणेश भगवान, वामन, लक्ष्मी नारायण, रामकृष्ण, बनवासी राम-लक्ष्मण और माता शबरी आदि की मूर्तियां भी स्थापित की गई. मंदिर परिसर में महंत वेंकटेश्वर की समाधि 1905 में बनवाई गई थी और अन्य महंत रामचरण दास की समाधि 1945 में बनवाई गई. यहां के महंत का चयन अयोध्या के श्री राम मंदिर से ही होता है. अयोध्या के कनक भवन स्थित लाल साहब के दरबार में महंत की नियुक्ति की जाती है.

400 वर्ष पुराना चुटिया का राममंदिर

प्राचीन काल से चली आ रही रामनवमी महापर्व के महत्व को देखते हुए लगभग 400 वर्ष पहले रांची के चुटिया नामक स्थल पर एक राम मंदिर का निर्माण भी किया गया, जहां 16वीं शताब्दी में महाप्रभु चैतन्य ने उड़ीसा से वृंदावन जाने के मार्ग में रात्रि निवास किया था. वक्त के साथ राम मंदिर के मूल स्वरूप में काफी परिवर्तन आया. पूर्व में यहां नागवंशी राजा रघुनाथ शाहदेव का निवास था. इस निवास के चारों ओर गुफाएं या सुरंग बनी थीं. इनमें पहरेदार रात दिन पहरेदारी किया करते थे. राजा को कहीं जाना होता था तो इन्हीं सुरंगों के रास्ते निकलते थे. बाद में शाहदेव रातू किले में चले गए. उसके बाद से इस् मंदिर की देखभाल और सेवा चुटिया के निवासी करते आ रहे हैं. इस मंदिर में मुख्यतः श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ विराजमान हैं. यह स्थल राम और शिव का एक अद्भुत मिलन स्थल है. पूरे राज्य में यह राम भक्तों की आस्था का केंद्र है. अयोध्या में हाल ही में राम मंदिर के भूमि पूजन के अवसर पर चुटिया राम मंदिर को भी भव्य तरीके से सजाया गया था. रांची स्थित प्राचीन मंदिरों में चुटिया के राम मंदिर का भी नाम आता है.

जब देश भर में खत्म हो जाती रामनवमी, यहां जश्न की होती शुरुआत

जब देशभर में रामनवमी का समापन हो जाता है, तब हजारीबाग में भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव शुरू होता है. यहां की रामनवमी देश-दुनिया में अलग पहचान रखती है. यहां रामनवमी की निकली झांकी दशमी को भी रात में निकलती है और एकादशी की शाम तक खत्म होती है. जुलूस और झांकियों का कारवां पूरे 36 घंटे अनवरत चलता रहता जिसे देखने के लिए महासैलाब उमड़ता है.

रामनवमी की चर्चा हो और हजारीबाग का जिक्र नहीं, यह हो ही नहीं सकता. जब देशभर में रामनवमी संपन्न हो जाती है, तो यहां की रामनवमी शुरू होती है. जुलूस और झांकियों का कारवां पूरे 36 घंटे अनवरत चलता रहता है. रामनवमी की शाम से देर रात और फिर दशमी की रात जुलूस व झांकियां निकलने का प्रचलन है. हजारीबाग की रामनवमी यानी तीन दिवसीय भव्य उत्सव व दर्शन. होली के बाद रामनवमी तक पड़नेवाले मंगलवार की रात मंगला जुलूस निकालने की रीत है. इस तरह हजारीबाग की रामनवमी की अलग पहचान बन गई है. जुलूस व झांकियों के दौरान करीब 25 हजार से अधिक लोग सड़कों पर होते हैं. रामनवमी का नाम यहां लोगों के रोम-रोम में रचा-बसा है, जैसे सनातन धर्मावलंबियों के मन में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम. शहर में रामनवमी के दशमी का जुलूस करीब छह किमी पथ संचलन करता है. इसमें रामभक्त परंपरागत अस्त्र-शस्त्रों के साथ कला-कौशल का भरपूर प्रदर्शन करते हैं. बजरंगी डंका और भगवान श्रीराम के जयघोष के साथ लोग झूमते-नाचते उल्लासित रहते हैं. जिलेभर में 500 से अधिक पंजीकृत व गैर पंजीकृत अखाड़े हैं.

1925 से चल रही परंपरा

वर्ष 1925 में यहां नगरपालिका के सेवानिवृत्त कर्मी काजी मुहल्ला निवासी धर्मप्रेमी गुरुसहाय ठाकुर ने रामनवमी की नींव रखी. हालांकि उन्होंने कतई अनुमान नहीं लगाया होगा कि बाद के दशकों में यह महापर्व उत्सव और दर्शन का रूप ले लेगा और देश-दुनिया में अलग पहचान बनाएगा. इस पुनित काम में उनका साथ दिया था समाजसेवी टिभर गोप, हीरालाल महाजन, कर्मवीर सिंह, कन्हैया प्रसाद, घनश्याम गोप, पांचू गोप आदि ने. रामगढ़ राजा कामाख्या नारायण सिंह के आर्थिक सहयोग से हजारीबाग बाडम बाजार स्थित बड़ा अखाड़ा ठाकुरबाड़ी से रामनवमी का ध्वज निकाला गया था. पुराने लोग बताते हैं कि तब झंडा निकालने की परंपरा थी. पहले एक लकड़ी की मूर्ति बनाई गई थी, जिसे पूरे हजारीबाग में दर्शन के लिए नगर भ्रमण कराई जाती थी. उसके बाद तांबा और कांसे की बजरंग बली की मूर्ति बनाई गई. जामा मस्जिद सुभाष मार्ग स्थित एक परिवार के घर 80 साल पुरानी मूर्ति है, जिसका नगर भ्रमण कराया जाता था. लोग आज भी उस मूर्ति की पूजा करते हैं. अनूप कुमार बताते हैं कि उनके घर में 80 और 50 साल पुरानी मूर्तियां हैं, जो रामनवमी में रथ पर जुलूस में निकाली जाती थी. यह मूर्ति उनके पूर्वज विष्णु प्रसाद कसेरा, रामचंद्र प्रसाद कसेरा, मथुरा प्रसाद कसेरा और यदुनंदन प्रसाद कसेरा ने बनारस से मंगवाई थी.

- **1925 में पहली बार हजारीबाग में रामनवमी का जुलूस निकाला गया.**
- **1960 में पहली बार हजारीबाग में रामनवमी समिति का गठन हुआ.**
- **1970 में हजारीबाग की ग्वालटोली में पहली बार ताशा पार्टी लायी गई.**
- **500 से अधिक जिलेभर में पंजीकृत व गैर पंजीकृत अखाड़े हैं.**

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ओलंपिया (यूनान) : प्राचीन खेलों के जन्मस्थली यूनान में जलाई गयी पेरिस ओलंपिक की लौ

इस बार बैकअप लौ का इस्तेमाल किया गया, जिसे रिहर्सल के दौरान जलाया गया था

पेरिस ओलंपिक में जलने वाली लौ दक्षिणी यूनान में प्राचीन खेलों के स्थल पर जलाई गयी. बादलों के कारण मंगलवार को पारंपरिक तरीके से लौ जलाने के प्रयास विफल हो गये. पारंपरिक तरीके में चांदी की मशाल जलाने के लिए सूरज का इस्तेमाल किया जाता है, जिसके लिए प्राचीन यूनान की पुजारिन की पोशाक पहने एक युवती हाथ में मशाल लिये रहती थी .इस बार मंगलवार को एक 'बैकअप' लौ का उपयोग किया गया, जिसे सोमवार को अंतिम 'रिहर्सल' के दौरान उसी स्थान पर जलाया गया था. मशाल को मशालधारियों की एक रिले द्वारा प्राचीन ओलंपिया के खंडहर मंदिरों और खेल मैदानों से ले जाया जायेगा. यूनान में रिले की 11 दिवसीय यात्रा एथेंस में पेरिस 2024 के आयोजकों को सौंपने के साथ समाप्त होगी.

आईपीएल : खराब दौर से गुजर रही दो टीमों के बीच मुकाबला आज

गुजरात-दिल्ली को निरंतरता की तलाश

भाषा। अहमदाबाद

निरंतरता हासिल करने की कोशिश में जुटी गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ही टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में बेहतर प्रदर्शन कर एक दूसरे को पराजित करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी. पिछले दो चरण की तरह गुजरात टाइटंस अभी तक एकजुट होकर शानदार प्रदर्शन नहीं कर सकी है, हालांकि उनके पास अपनी कमियों को पूरा करने का अब भी काफी समय है. गुजरात टाइटंस ने तालिका में शीर्ष पर चल रही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 10 अप्रैल को अंतिम गेंद में जीत हासिल की थी और अगर उसे अपने अभियान में जान फूंकनी है तो उसे ऐसा ही प्रदर्शन करने की जरूरत है. टीम अपने पहले छह मैच में केवल दो में ही जीत सकी है और अभी आठ मैच बाकी हैं, तो शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम के पास चीजों का रूख बदलने के लिए काफी समय है. मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति हालांकि उसके लिए नुकसानदायक रही है, लेकिन उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करना होगा. उमेश यादव ने अभी तक सात विकेट झटके हैं, लेकिन प्रति ओवर 10 से ज्यादा रन लुटाये हैं. उनके नयी गेंद के जोड़ीदार स्पेंसर जॉनसन और अनुभवी मोहित शर्मा भी अपने इकोनॉमी रेट में सुधार कर सकते हैं. स्टार स्पिनर राशिद खान ने अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी की है लेकिन वह अपने खाते में और विकेट डालना चाहेंगे. पिछले मैच में उनकी बदौलत गुजरात टाइटंस रोमांचक जीत हासिल करने में सफल रही और टीम भी उनसे बल्ले से इससे अधिक रनों की उम्मीद करेगी.

अब तक सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश जुटाने में असफल रही है दिल्ली : वहीं दिल्ली कैपिटल्स की बात की जाये तो टीम फॉर्म और फिटनेस मुद्दों के कारण अभी तक अपनी सर्वश्रेष्ठ अंतिम एकादश जुटाने में असफल रही है. पांच मुकाबलों में चार हार के बाद लखनऊ सुपर जायंट्स पर मिली जीत से टीम का मनोबल बढ़ा. लेकिन अगर उन्हें प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए खुद को दौड़ में बनाये रखना है तो अपनी कमियों में सुधार करके मुकाबले जीतने होंगे. फिट होकर वापसी करने वाले कुलदीप यादव की मौजूदगी से काफी बड़ा अंतर पड़ा. इस गेंदबाज ने लखनऊ सुपर जायंट्स के तीन विकेट लेकर उसकी बल्लेबाजी पर लगाम कसी. गुजरात टाइटंस के लिए उनका सामना करना, विशेषकर उनकी गुगली को खेलना मुश्किल हो सकता है.

टीम है इस प्रकार

- **गुजरात टाइटंस** : शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रॉबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, शशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुथार.
- **दिल्ली कैपिटल्स** : ऋषभ पंत (कप्तान), डेविड वॉर्नर, पृथ्वी साव, स्वस्तिक चिकारा, यश ढुल, एनरिच नॉर्किया, ईशांत शर्मा, झाय रिचर्डसन, खलील अहमद, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, प्रवीण दुबे, रसिक डार, विकी ओस्तवाल, अक्षर पटेल, जैक फ्रेजर गुर्क, ललित यादव, मिचेल मार्श, सुमित कुमार, अभिषेक पोरेल, कुमार कुशाग्र, रिकी भुई, शाइ होप, ट्रिस्टन स्टब्स.

जैक फ्रेजर के रूप में दिल्ली को मिला अच्छा खिलाड़ी

जैक फ्रेजर मैकगुर्क के रूप में दिल्ली कैपिटल्स को तीसरे नंबर पर अच्छा खिलाड़ी मिल गया है और टीम को उनसे प्रभावशाली प्रदर्शन की उम्मीद होगी. टीम उम्मीद कर रही होगी कि यह ऑस्ट्रेलियाई अपने पहले आईपीएल मैच की सफलता के बूते आगे बढ़े. टीम के लिए सबसे सकारात्मक चीज कप्तान ऋषभ पंत की बल्लेबाजी फॉर्म रही है जो प्रत्येक मैच के साथ बेहतर से बेहतर होते जा रहे हैं. यह कहा जा सकता है कि संजू सैमसन और ईशान किशन जैसे खिलाड़ियों से कड़ी प्रतिद्वंद्विता के बावजूद पंत भारत की टी-20 विश्व कप की टीम में जगह बनाने के लिए अच्छी स्थिति में है.

खर्चीले साबित हुए हैं दिल्ली के गेंदबाज

एनरिच नॉर्किया पिछले मैच में नहीं खेले थे, जिनकी गेंदों की बल्लेबाजों ने अभी तक धज्जियां उड़ायी हैं. मुकेश कुमार ने पांच मैच में 10 रन प्रति ओवर दिये हैं और वह लखनऊ के खिलाफ मैच में भी काफी खर्चीले रहे. दिल्ली कैपिटल्स के पास भारतीय बल्लेबाजी प्रतिभाओं की कमी है, जिससे टीम डेविड वॉर्नर जैसे खिलाड़ियों पर निर्भर है और यह बल्लेबाज भी पिछले तीन मैच में ज्यादा योगदान नहीं करने के बाद प्रभावित करने के लिए बेकरार होगा.

राष्ट्रीय महिला लीग के पहले चरण का ट्रायल संपन्न

झारखंड टीम में 30 खिलाड़ी चयनित

- चयन ट्रायल में 60 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा
- 18 अप्रैल से शुरु होगा प्रशिक्षण शिविर

संवाददाता। रांची

राष्ट्रीय महिल लीग के झारखंड टीम का चयन ट्रायल मंगलवार को संपन्न हुआ. चयन ट्रायल का आयोजन मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में किया गया. इस ट्रायल में एकलव्य हॉकी सेंटर बरियातू, सिमडेगा, रांची, गिरिडीह व साई के 60 खिलाड़ियों ने भाग लिया. 60 खिलाड़यों में से 30 खिलाड़ियों का चयन झारखंड की टीम के लिए किया गया.

प्रशिक्षण ट्रायल में होगा टॉप 21 का चयन

चयनित खिलाड़ियों के लिए 18 अप्रैल से विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा. प्रशिक्षण शिविर से झारखंड टीम के लिए टॉप 21 खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा. चयन ट्रायल में मुख्य रूप से विजय शंकर सिंह, मनोज कोणबेगी, असरिता लकड़ा, माइकल लाल उपस्थित थे.

पोर्शे ग्रां प्री में बडोसा से भिड़ेंगी सबालेंका

स्टुटगार्ट (जर्मनी)। पाउला बडोसा ने डायना श्नाइडर पर 6-3, 6-4 की जीत से स्टुटगार्ट पोर्शे ग्रां प्री टेनिस प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया, जिसमें उनका सामना दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा. सबालेंका स्टुटगार्ट में पिछले तीन साल से उप विजेता रही हैं. वह 2021 में फाइनल में क्रमशः पूर्व नंबर एक एशले बार्टी तथा 2022 और 2023 के फाइनल में मौजूदा नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक से हार गयी थीं. अमेरिका के सचिया विक्रे ने बेलारूस की अलियांकसांद्रा सासनोविच को 7-6, 7-5 से पराजित किया और अब दूसरे दौर में उनका सामना हमवतन कोको गॉफ से होगा. रूस की वेरोनिका कुद्रेमेतोवा ने बारबोरा क्रेजसिकोवा को 5-7, 6-4, 6-4 से मात देकर दूसरे दौर में प्रवेश किया, जिसमें उनका सामना एलीना रिबाकिना से होगा.

अब हमारे लिए हर मैच सेफा की तरह है : फ्लावर

भाषा। बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने मौजूदा इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सात मैच में अपनी टीम की छठी हार के बाद स्वीकार किया कि बचे हुए सात में से प्रत्येक मैच को अब सेमीफाइनल की तरह ही खेला जायेगा. आरसीबी को सोमवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद से 25 रन से हार का सामना करना पड़ा. फ्लावर ने 'आरसीबी गेम डे' पर कहा कि यह निश्चित रूप से नॉकआउट का समय है और प्रत्येक मैच को हम अब सेमीफाइनल की तरह ही लेंगे. लेकिन हमें सोचना होगा कि हम मजबूत वापसी करें. सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने आरसीबी के दिशाहीन गेंदबाजों के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन बनाकर आईपीएल का रिकॉर्ड स्कोर खड़ा किया. फ्लावर ने स्वीकार किया कि यह उनकी टीम के लिए मुश्किल रात थी. उन्होंने कहा कि मैदान पर यह वास्तव में मुश्किल रात रही क्योंकि उन्होंने इतनी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की. लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी के लिए दिनेश कार्तिक ने 35 गेंद में 83 रन और कप्तान फाफ डुप्लेसी ने 28 गेंद में 62 रन बनाये. फ्लावर ने कहा कि हमने क्रीज पर बल्ले से जिस तरह का जज्बा दिखाया, उस पर मुझे बहुत गर्व है. हमने मैच गंवा दिया लेकिन हमने जिस तरह की बल्लेबाजी की, उस पर गर्व है.

आरसीबी-हैदराबाद मैच छक्कों का मुकाबला: फिंच

भाषा। बेंगलुरू

38 छक्के लगे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और हैदराबाद के बीच मुकाबले में

ऑस्ट्रेलिया की टी-20 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान आरोन फिंच ने कहा कि सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने अपने आईपीएल मैच में छक्कों की झड़ी लगा दी, जिससे बल्लेबाजी के लिए बहुत अधिक जगह नहीं बची थी और मायने यह रखता था कि सबसे ज्यादा छक्के किसने लगाए. ट्रेविस हेड के पहले टी-20 शतक और हेनरिक क्लासेन की 67 रन की आक्रामक पारी से सनराजर्स ने तीन विकेट पर 287 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाया. उन्होंने 27 मार्च को हैदराबाद में मुंबई इंडियंस के खिलाफ तीन विकेट पर 277 रन के अपने पिछले रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा. इसके बाद दिनेश कार्तिक ने 35 गेंद में 83 रन की धमाकेदार पारी खेली लेकिन आरसीबी मैच हार गई. इस मैच में कुल 38 छक्के लगे. फिंच ने कहा कि यह ऐसा मैच कभी नहीं होगा जहां आप बल्लेबाजी के बारे में बात करेंगे. यह ऐसा मैच है जहां आप बात करेंगे कि सबसे ज्यादा छक्के किसने मारे और यही अंतर था. उन्होंने कहा कि उन्हें (आरसीबी को) 14 (रन प्रति ओवर) से शुरुआत करनी थी और यदि आपका एक ओवर खराब हुआ तो यह 16 हो जाता है.

फिंच ने कहा कि हैदराबाद की टीम ने पावरप्ले का अच्छा इस्तेमाल किया. उन्होंने कहा कि वे (सनराइजर्स) पहले पावरप्ले में भाग्यशाली रहे थे और उन्हें उन छक्कों की जरूरत थी और ट्रेविस हेड ने वहां अंतर पैदा किया. फिंच ने कहा कि उन्होंने अच्छी शुरुआत की, उनका इरादा शॉट खेलने का था और फिर उन्होंने क्लासेन को नंबर तीन पर उतारने का साहसी कदम उठाया.

विश्व कप विजेता होलजेनबीन का निधन

फ्रैंकफर्ट (जर्मनी)। पश्चिम जर्मनी की 1974 विश्व कप जीत के दौरान नीदरलैंड के खिलाफ फाइनल में महत्वपूर्ण पेनल्टी दिलाने वाले फुटबॉलर बर्नड होलजेनबीन का सोमवार को निधन हो गया. वह 78 वर्ष के थे. होलजेनबीन के पूर्व क्लब एंट्राच्ट फ्रैंकफर्ट ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि उनका सोमवार को निधन हो गया, वह अपने परिवार के साथ थे. हालांकि इसमें इससे ज्यादा जानकारी नहीं दी गयी है. क्लब ने सोशल मीडिया पर कहा कि हमारे सबसे महानतम खिलाड़ियों में से एक का निधन हो गया. होलजेनबीन ने पश्चिम जर्मनी के लिए 40 मैच खेले थे.

मैक्सवेल ने लिया मानसिक व शारीरिक ब्रेक

भाषा। बेंगलुरु

खास बातें

- हैदराबाद के खिलाफ मैच में नहीं खेले थे मैक्सवेल
- आईपीएल में खराब फॉर्म से गुजर रहे थे मैक्सवेल

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने बल्लेबाजी में अपनी खराब फॉर्म के चलते इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से अनिश्चितकालीन 'मानसिक और शारीरिक' ब्रेक लेने का फैसला किया है. सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सोमवार को आरसीबी के मैच के लिए मैक्सवेल को अंतिम एकादश में शामिल नहीं किया गया था. इसका कारण मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच के दौरान लगी ऊंगली की चोट बताया गया था. लेकिन बाद में मैक्सवेल ने खुद को टीम से बाहर करने की बात स्वीकार कर ली. मैक्सवेल ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि यह काफी आसान फैसला था. मैं पिछले मैच के बाद कप्तान फाफ डुप्लेसी और कोच के पास गया और कहा कि शायद अब समय आ गया है कि मेरी जगह किसी और को आजमाया जाये. उन्होंने कहा कि यह खुद को थोड़ा मानसिक और शारीरिक आराम देने के अलावा अपने शरीर को फिट करने का अच्छा समय है. अगर टूर्नामेंट के दौरान मुझे शामिल कराने की जरूरत होती है तो उम्मीद है कि मैं मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत स्थिति में वापस आ सकता हूं तथा प्रभाव डाल सकता हूं. यह मैक्सवेल के करियर में दूसरी दफा है जब इस आल राउंडर ने खुद की मानसिक और शारीरिक फिटनेस के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर करने का फैसला किया है. मैक्सवेल ने अक्टूबर 2019 में भी ऐसा ही ब्रेक लिया था.

आईपीएल मे दबाव में था मैक्सवेल : पोंटिंग

नयी दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का स्टार खिलाड़ी होने का दबाव मैक्सवेल पर हावी हो गया और उन्होंने खेल से अनिश्चिकालीन 'मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य' ब्रेक लेकर सही फैसला किया. पोंटिंग ने कहा कि आरसीबी में ग्लेन, विराट कोहली के साथ टीम का बड़ा खिलाड़ी है, जिससे उस टीम में खेलते हुए इन दोनों खिलाड़ियों पर काफी दबाव होता है.

शतरंज | कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के 10वें दौर के बाद भारतीय खिलाड़ियों की स्थिति मजबूत

डी गुकेश ने नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेला, संयुक्त बढ़त बरकरार

भाषा। टोरंटो

खास बातें

- प्रज्ञानानंदा और विदित के बीच भी मैच ड्रॉ
- फैबियानो व हिकारू ने अपने-अपने मैच जीते

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 10वें दौर में रूस के इयान नेपोमनियाच्ची से ड्रॉ खेलकर इस खिलाड़ी के साथ संयुक्त शीर्ष बढ़त कायम रखी. भारतीयों के बीच हुए मुकाबले में आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती ने भी अंक बांटे जबकि फैबियानो कारूआना ने फिरोजा अलीरेजा को और हिकारू नाकामूरा ने निजात अबासोव को पराजित किया. अब साल के इस सबसे बड़े टूर्नामेंट में महज चार राउंड बचे हैं. गुकेश और नेपोमनियाच्ची के समान छह छह अंक हैं जबकि प्रज्ञानानंदा, कारूआना और नाकामूरा इनसे आधा अंक पीछे हैं. गुजराती के छह अंक हैं, जिससे वह अकेले छठे स्थान पर काबिज हैं जबकि अलीरेजा 3.5 अंक और अबासोव दो अंक लेकर दौड़ से बाहर हो गये हैं. नेपोमनियाच्ची काले या सफेद मोहरों से ज्यादा जोखिम नहीं ले रहे हैं, जिससे उन्हें अपने मजबूत खेल की बदौलत अभी तक 10 दौर में हार का मुंह नहीं देखना पड़ा है. प्रज्ञानानंदा को भी बस दूसरे दौर में गुकेश से हार का सामना करना पड़ा जो उनकी एकमात्र पराजय थी.

आर वैशाली ने की वापसी

आर वैशाली ने लगातार हार से वापसी करते हुए बुल्गारिया की नुरग्युआल सालिमोवा को पराजित किया जबकि रूस की कैटरीना लाग्नो ने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक से ड्रॉ खेला. लेई और टान दोनों के 6.5 अंक हैं, जिन्होंने गोरयाचकिना और लाग्नो पर पूरे एक अंक की बढ़त बनायी हुई है. हम्पी के 4.5 अंक हैं और वह सालिमोवा और मुजिचुक से आधा अंक आगे चल रही हैं. वैशाली जीत के बावजूद 3.5 अंक लेकर अंतिम स्थान पर हैं. हम्पी को उम्मीद जीवंत रखने के लिए जीत हासिल करने की जरूरत थी लेकिन टान ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया और बाजी ड्रॉ रही. मंगलवार को आराम का दिन है, जिससे मुकाबले बुधवार से शुरू होंगे.

हम पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी करना चाहते हैं : हेड

भाषा। बेंगलुरु

सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बार बार रिकॉर्ड स्कोर बनाकर टी-20 बल्लेबाजी को एक अलग ही स्तर पर पहुंचा दिया है और ट्रेविस हेड का कहना है कि उनकी रणनीति का मुख्य हिस्सा पावरप्ले में सबसे ज्यादा रन जुटाना रहा है.

हेड ने सोमवार को 39 गेंद में 100 रन की पारी खेलकर सनराइजर्स हैदराबाद को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ तीन विकेट पर 287 रन का रिकॉर्ड स्कोर बनाने में मदद की. हेड ने कहा कि उनकी कोशिश पावरप्ले के अंदर अर्धशतक जड़ने की रहती है. यह दूसरी बार है जब हेड ने पहले छह ओवर के अंदर ही पचासा पूरा कर लिया हो. हेड ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि निश्चित रूप से हमने अपने शीर्ष और मध्यक्रम की बदौलत ही सबसे ज्यादा रन जुटाये हैं. मुझे लगता है कि अपने मजबूत शीर्ष और मध्यक्रम से हमने इसी तरह खेलने का तरीका बना लिया है, विशेषकर पावरप्ले में.

ब्रीफ खबरें

पूर्वी चंपारण में 10 हजार का इनामी गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । जिले के कोटवा थाना क्षेत्र का 10 हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है. इस संबंध में एएसपी शेखर चौधरी ने बताया कि गिरफ़्तार अपराधी आजाद मियां कोटवा थाना क्षेत्र का निवासी है, जिसके विरुद्ध पुलिस मुख्यालय की ओर से 10 हजार का इनाम घोषित था. इसके विरुद्ध कोटवा थाने में वर्ष 2019 में तीन लूट कांड का मामला दर्ज है. पिछले 5 साल से यह पुलिस के गिरफ्त से फरार चल रहा था. वही इसका एक सहयोगी कोटवा का ही राजू कुमार पूर्व में सरेंडर किया है.

गला रेतकर युवक की हत्या, मचा हड़कंप

भागलपुर । जिले के हबीबपुर थाना क्षेत्र के पंखा टोला स्थित लीची पट्टी मैदान में बेखौफ बदमाशों ने कपड़ा व्यवसाई की गला रेत कर हत्या कर दी. घटना सोमवार देर रात की बताई जा रही है. बताया जा रहा है कि पड़ोस के ही एक युवक ने देर रात उसे फोन कर अपने साथ बाइक पर बैठा कर ले गया था. मंगलवार सुबह घटना की जानकारी परिजन को स्थानीय लोगों ने दिया कि भाई की गला रेत कर हत्या कर दिया गया है. घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे मृतक के छोटे भाई मोहम्मद शाहबाज ने शव की पहचान की. सिटी एसपी राज एवं डीएसपी राकेश कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन शुरू कर दी है.

विक्षिप्त युवक चढ़ा हाईटेंशन पोल पर

अररिया । एनएफ रेलवे के कटिहार जोगबनी रेलखंड में सिमराहा रेलवे स्टेशन से तीन किलोमीटर आगे मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक 25 हजार वोल्ट वाले हाईटेंशन बिजली तार वाले पोल पर चढ़ गया. कभी भी वह हाई वोल्टेज वाली बिजली के तार के चपेट में आ सकता था. लेकिन रेलवे के आरपीएफ प्रभारी उमेश प्रसाद सिंह की सक्रियता के कारण कंट्रोल रूम से रेलखंड का लाइन कटवाया गया और फिर बड़ी मशक्कत के बाद समझा बुझाकर पोल पर चढ़े मानसिक रूप से विक्षिप्त युवक को पोल से नीचे उतारा गया. विक्षिप्त युवक विकास कुमार के रूप में हुई है.

गया और पूर्णिया में पीएम नरेंद्र मोदी की रैली, कहा-

राजद भ्रष्टाचारी पार्टी, संविधान के नाम पर झूठ बोल रहा विपक्ष

संवाददाता । गया/पूर्णिया

प्रधानमंत्री मोदी ने मंगलवार को गया और पूर्णिया में चुनावी रैली को संबोधित किया. गया में विपक्ष पर आरोप लगाया कि वह अफवाहें फैलाकर देश के संविधान को राजनीतिक हथकंडे के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है. पीएम ने कहा कि यह चुनाव उन्हें सजा देगा जो संविधान के खिलाफ हैं एवं देश को विकसित भारत बनाने के केंद्र के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं. उन्होंने राजद और कांग्रेस सहित विपक्षी नेताओं पर संविधान के साथ राजनीति करने का आरोप लगाया. पीएम मोदी ने कहा, यह चुनाव घमंडिया (इंडिया) गठबंधन के नेताओं को सजा देगा. यह चुनाव उन्हें सजा देगा जो संविधान के खिलाफ हैं एवं देश को विकसित भारत बनाने के केंद्र के प्रयासों का विरोध कर रहे हैं. पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी गया लोकसभा सीट से राजग के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं. प्रधानमंत्री ने कहा कि यह चुनाव 'विकसित भारत और विकसित बिहार के लिए है. उन्होंने कहा, कांग्रेस और उसके सहयोगी मुझे अपमानित करने के लिए संविधान के नाम पर झूठ बोल रहे हैं. राजग संविधान का सम्मान करता है. मोदी और भाजपा तो क्या स्वयं बाबा साहेब आंबेडकर भी इस संविधान को नहीं बदल सकते हैं, इसलिए विपक्ष झूठ फैलाना बंद करे.

सीमांचल बिहार का एक संवेदनशील इलाका है : पीएम मोदी ने पूर्णिया की रैली में कहा कि सीमांचल बिहार का एक संवेदनशील इलाका है. वोट बैंक की राजनीति करने वालों ने पूर्णिया-सीमांचल को अवैध घुसपैठियों का सुरक्षित पनाहगाह बना दिया है. अवैध घुसपैठियों के कारण गरीब-पिछड़े गरीबों को भारी परेशानी हो रही है. पीएम ने कहा कि देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाला हर तत्व सरकार की नजर में है. कहा कि चार जून का परिणाम इस सीमांचल की सुरक्षा को तय करेगा. सीएए को लेकर कहा कि जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं वो जान लें.

राम मंदिर आज पूरी दुनिया में भारत का गौरव बढ़ा रहा है : पीएम मोदी ने जंगलराज का करते हुए विपक्ष पर हल्ला बोला. उन्होंने कहा कि उस दौर (लालू राज) में अपहरण, भ्रष्टाचार, अपहरण आदि का यहां उद्योग चलता था. नीतीश जी के नेतृत्व में उस दौर को हमने बदला है. कहा कि महा जंगलराज के दौर की वापसी वही लोग चाहते हैं. जिनका एजेंडा लूट और भ्रष्टाचार है. लेकिन मोदी के रहते यह मुमकिन नहीं है. मैं कहता हूं भ्रष्टाचार हटाओ ये लोग कहते हैं भ्रष्टाचार बचाओ. पीएम मोदी ने अनुच्छेद 370 हटाने का भी जिक्र करते हुए विपक्ष को कटघरे में खड़ा किया.

पटना में भीषण सड़क हादसा, सीएम ने जताया दुख

क्रेन-ऑटो में टक्कर, सात लोगों की मौत

संवाददाता । पटना

पटना में मंगलवार को भीषण सड़क हादसा हो गया है. यहां कंकड़बाग थाना क्षेत्र के रामलखन पथ के पास एक ऑटो और क्रेन में जबरदस्त भिड़ंत हो गयी. इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गयी है. इसमें तीन महिला और चार पुरुष शामिल हैं. जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है. घायल व्यक्ति को नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुटी है. बताया जाता है कि सभी बस पकड़ने के लिए बैरिया बस स्टैंड जा रहे थे. घटना के संबंध में बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह तेज रफ्तार ऑटो 8 लोगों को लेकर मीठापुर से जीरोमाइल की तरफ जा रहा था. इसी बीच रामलखन पथ के पास मेट्रो रेल के निर्माण कार्य में लगा एक क्रेन पिलर को उठाकर दूसरी जगह ले जा रहा था. तभी ऑटो ने क्रेन में जोरदार टक्कर मार दी. इस हादसे में ऑटो सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी. जबकि तीन लोग अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिये. वहीं एक की हालत गंभीर बतायी जा रही है.

सीएम ने हादसे पर जताया दुख : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस हादसे पर दुख जताया है. मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से बयान जारी किया गया है. जारी बयान में कहा गया है कि नीतीश ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएं व्यक्त की हैं.

बिहार के दो स्थानीय नेता कांग्रेस में शामिल हुए

पटना । बिहार में 'विकासशील स्वराज पार्टी' के वरिष्ठ नेता प्रेम कुमार चौधरी मंगलवार को कांग्रेस में शामिल हो गए. उनके साथ, एक और स्थानीय नेता और पेशे से नेत्र रोग विशेषज्ञ मनीष कुमार यादव ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की. कांग्रेस के बिहार प्रभारी मोहन प्रकाश और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने दोनों का पार्टी में स्वागत किया. मोहन प्रकाश ने कहा, आज प्रेम कुमार चौधरी जी और डॉ. मनीष कुमार यादव जी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर रहे हैं. इसके साथ ही प्रेम चौधरी जी अपनी 'विकासशील स्वराज पार्टी' का कांग्रेस में विलय कर रहे हैं.

बथवरिया बाजार में आग लगने से 60 घर जलकर राख

संवाददाता । बगहा

बगहा अनुमंडल अंतर्गत टेसरहिया बथवरिया पंचायत के बाजार बथवरिया में सोमवार की रात अचानक आग लगने से 60 घर जल कर राख हो गया है. आग लगने का कारण घर में खाना बनाकर आग नहीं बुझाने का बताया जा रहा है. आग लगने की सूचना पर मंगलवार सुबह वाल्मीकि नगर लोकसभा के सांसद प्रत्याशी दिनेश अग्रवाल पीड़ितों से मिलने पहुंचें, फिर पीड़ितों का हालचाल जाना. ग्रामीणों के अनुसार एक घर में सोमवार देर रात खाना बनाने के दौरान असावधानी के कारण एक घर से आग का धुंआ निकली, जो देखते ही देखते भयानक आग मेंतब्दील हो गयी, जिसने 60 घर को अपने आगोश में ले लिया. आग लगने से लाखों रूपया मूल्य की संपत्ति जलकर राख हो गई.

राजद के पूर्व विधायक गुलाब यादव बीएसपी से लड़ेंगे चुनाव

पटना । झंझारपुर लोकसभा सीट पर एक बार फिर से सरगर्मी बढ़ गई है. इस सीट से बसपा ने पूर्व विधायक गुलाब यादव को अपना उम्मीदवार बनाया है. इस सीट पर एनडीए की तरफ से मौजूदा जदयू सांसद रामप्रीत मंडल मैदान में हैं.

महागठबंधन ने यहां से मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी के सुमन कुमार महासेठ को उम्मीदवार बनाया है. बसपा के प्रदेश अध्यक्ष शंकर महतो ने इस संबंध में कहा है कि पार्टी ने तीसरे चरण के लिए पूर्व विधायक गुलाब यादव को पार्टी का सिंबल दिया है. बता दें कि गुलाब यादव झंझारपुर विधानसभा सीट से राजद की टिकट पर विधायक रह चुके हैं. लेकिन बाद में उन्हें राजद से निष्कासित कर दिया गया.

भाजपा प्रत्याशी प्रदीप सिंह ने नामांकन भरा

फारबिसगंज/अररिया । अररिया लोकसभा सीट पर तीसरे चरण में मतदान 7 मई को होने वाला है. इसको लेकर भाजपा प्रत्याशी प्रदीप कुमार सिंह के नामांकन और संकल्प सभा में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, चिराग पासवान, उमेश कुशवाहा, उपेंद्र कुशवाहा, रामनाथ ठाकुर समेत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कई अन्य नेताओं ने संकल्प सभा को संबोधित किया.

बिहार के विकास के लिए महागठबंधन को वोट दें : तेजस्वी

संवाददाता । नवादा

राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को कहा कि देश का संविधान बचाने के उद्देश्य तथा बिहार के विकास के लिए लोकसभा चुनाव में महागठबंधन उम्मीदवार श्रवण कुशवाहा को वोट दें. ताकि बिहार का बेहतर विकास हो सके. तेजस्वी यादव नवादा जिले के सिरदला के जर्रा बाबा पहाड़ी मैदान में महागठबंधन की चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि सभी के खाते में 15-15 लाख रुपये काला धन विदेश से मंगवाने की घोषणा की थी भाजपा वालों ने. लेकिन क्या 15 लाख रुपये मिल गए. उन्होंने कहा कि केवल झूठ बोलकर तथा सांप्रदायिक भावना को भड़काकर गद्दी हथियाने की कोशिश की जा रही है. जो देश समाज हित में उचित नहीं है.

उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार में 17 महीने तक हमने साथ रखकर 5 लाख लोगों को सरकारी नौकरी दी. अगर अब तक हम साथ रहते तो 10 लाख लोगों को निश्चित तौर पर नौकरी देते .जो काम अधर में लटक गया है. उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी सर्वजात, सर्वधर्म की पार्टी है. इसीलिए महागठबंधन को वोट दें.

कारोबार

अपोलो टायर्स को 2.06 करोड़ की कर मांग मिली

नयी दिल्ली । अपोलो टायर्स लिमिटेड ने मंगलवार को कहा कि उसे जीएसटी प्राधिकरण से 2.06 करोड़ रुपये की कर मांग और जुर्माने का आदेश मिला है. कंपनी ने बताया कि तमिलनाडु में जीएसटी प्राधिकरण ने इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाने और अन्य मुद्दों के चलते यह आदेश जारी किया. अपोलो टायर्स ने शेयर बाजार को बताया कि तमिलनाडु के उपायुक्त ने जीएसटी अधिनियम के तहत एक आदेश पारित किया है, जिसमें जीएसटी मांग और जुर्माने सहित 2.06 करोड़ की मांग की गई है.

बीपीसीएल ईंधन के लिए पाइपलाइन बिछाएगी

नोएडा । भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) अपने पियाला टर्मिनल से जेवर हवाई अड्डे के टैंक फार्म तक 35 किमी लंबी विमान ईंधन पाइप लाइन बिछाएगी. नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने मंगलवार को कहा कि हवाई अड्डा और भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. ने कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने और हवाई अड्डे की एटीएफ मांग को कुशलतापूर्वक पूरा करने के लिए 20 फरवरी को एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं. पियाला टर्मिनल हरियाणा के फरीदाबाद में स्थित है.

कनोडिया ने 153 करोड़ रुपये में जमीन खरीदी

नयी दिल्ली । कनोडिया समूह लक्जरी आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए गुरुग्राम में 153 करोड़ रुपये में 1.74 एकड़ जमीन खरीदी है. कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी. सीमेंट कारोबार में शामिल कनोडिया समूह ने हाल ही में रियल एस्टेट क्षेत्र में प्रवेश किया है. समूह की इस क्षेत्र में अगले 5-7 साल में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है. एक बयान के मुताबिक, गुरुग्राम के सेक्टर-46 में स्थित 1.74 एकड़ जमीन का अधिग्रहण लगभग 153 करोड़ रुपये में किया गया है. सह-संस्थापक गौतम कनोडिया ने कहा कि यह अधिग्रहण लक्जरी आवासीय खंड में हमारे प्रवेश का प्रतीक है.

बायजू के निवेशकों ने वित्तीय संकट दूर करने के लिए ईजीएम में वोटिंग कर लिया निर्णय

शेयर कैपिटल में बढ़ोतरी की मिली मंजूरी

भाषा । मुंबई

एडटेक कंपनी बायजू इन दिनों वित्तीय संकट से गुजर रहा है. पिछले कुछ समय से कंपनी में शेयरधारकों के बीच संघर्ष जारी है. इसका असर कंपनी की साख पर भी पड़ा है. इससे जो कंपनी मुनाफे में चल रही थी, वह वित्तिय संकट में फंस गई. लेकिन अब दिक्कत दूर हो सकती है. दरअसल, कंपनी के शेयरहोल्डर्स ने इसे अपने शेयर कैपिटल में बढ़ोतरी की मंजूरी दे दी है. इसके लिए पिछले महीने कंपनी की असाधारण आमसभा (ईजीएम) की बैठक हुई थी. इस दौरान कुल पड़े वोट के मुकाबले 55% के साथ बहुमत से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई.

कंपनी द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक बायजू की वोटिंग प्रक्रिया बीते 6 अप्रैल को संपन्न हुई. इसमें ईजीएम और पोस्टल बैलेट दोनों शामिल थे. इसकी बकायदा स्वतंत्र थर्ड पार्टी (तीसरे पक्ष) द्वारा विधिवत जांच भी की गई. ईजीएम प्रस्तावों की मंजूरी से बायजूस की मूल कंपनी, थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के लिए नए शेयर जारी करने और अवैतनिक वेतन, नियामक बकाया और विक्रेता भुगतान सहित तरलता की कमी से निपटने के उद्देश्य से

निकलेगा रास्ता

- 6 अप्रैल को पूरी हुई बायजू की वोटिंग प्रक्रिया
- 55% बहुमत से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई

राइट्स इश्यू को पूरा करने का रास्ता साफ हो गया है.

बताया जाता है कि चार विदेशी शेयरधारकों की अतार्किक शत्रुता की वजह से इस प्रक्रिया में देरी हुई, जिन्होंने रचनात्मक संवाद की बजाए मुकदमेबाजी के रास्ते को चुना. बायजूस के फाउंडर बायजू रवींद्रन ने कहा कि हम इस महत्वपूर्ण चरण के दौरान अपने निवेशकों के समर्थन और उनकी समझ के प्रति आभार व्यक्त करते हैं. आवश्यक कार्यशील पूंजी मुहैया कराए जाने में उनका अमूल्य सहयोग हमारे नए सिरे से विकास को बढ़ावा देने के लिए उनकी सामूहिक प्रतिबद्धता पर जोर देता है. उन्होंने कहा कि शेयरधारक की मंजूरी चुनौतियों से घिरे कारोबार को आगे बढ़ाने के हमारे निरंतर प्रयास में एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसे हम धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से एक-एक कर हल कर रहे हैं. बता दें कि कर्ज के बोझ तले दबी बायजू से दो महीने पहले फाउंडर और सीईओ बायजू रविंद्रन को हटा दिया था.

कंपनी के शेयरहोल्डर्स ने बायजू रविंद्रन के अलावा उनके परिवार के सदस्यों को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया था. जिसके बाद से हालात और बिगड़ते चले गए थे. इस वजह से कंपनी को अपने कर्मचारियों की छंटनी करनी पड़ी थी. कई जगह कार्यालय बंद करने पड़े थे. लेकिन अब इसमें पूंजी बढ़ाने के रास्ते निकाले जा रहे हैं.

वित्तिय मामले पर कंपनी का कहना है कि एक स्वतंत्र जांचकर्ता ने पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करते हुए, लागू कानूनों के मुताबिक सख्ती से पूरी प्रक्रिया का मूल्यांकन किया. हालांकि, सफल राइट्स इश्यू बायजूस को आवश्यक वित्तीय संसाधन मुहैया कराता है, लेकिन कंपनी वर्तमान में इस पूंजी का इस्तेमाल करने में असमर्थ है. चार विदेशी शेयरधारकों की तरफ से दायर याचिका पर राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण के अंतरिम आदेश ने कंपनी को राइट्स इश्यू से प्राप्त पूंजी को अभी एस्क्रो खाते में रखने का निर्देश दिया है.

मामले पर अगली सुनवाई 23 अप्रैल को होनी है. राइट्स इश्यू का सफल समापन बायजूस 3.0 के लॉन्च का मार्ग प्रशस्त करेगी. कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का सबसे उन्नत एआई-फर्स्ट प्रॉडक्ट है. जिसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर शिक्षा को हाइपर-पर्सनलाइज़ (यानी यूजर की जरूरतों के मुताबिक) करना है.

रुपया 14 पैसे की गिरावट के साथ 83.57 प्रति डॉलर पर हुआ बंद

मुंबई । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मंगलवार को 14 पैसे की गिरावट के साथ 83.57 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भू-राजनीतिक तनाव के बीच घरेलू बाजारों में नकारात्मक रुझान और वैश्विक बाजार में डॉलर के मजबूत होने का असर स्थानीय मुद्रा पर पड़ा. विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बिकवाली से रुपया और कमजोर हुआ. अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.51 प्रति डॉलर पर खुला. कारोबार सत्र के अंत में यह 83.57 प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की गिरावट दर्शाता है. रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 83.44 पर बंद हुआ था. इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ 106.23 पर कारोबार कर रहा था. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 89.74 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने सोमवार को शुद्ध रूप से 3,268.00 करोड़ मूल्य के शेयर बेचे.

डायर फॉल 2024

न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन संग्रहालय में पहनने के लिए तैयार डायर फॉल 2024 के दौरान मॉडल रनवे पर चलते हुए.

ओआरएफ रिपोर्ट के आधार पर

वर्ष 2028 तक बेरोजगारी दर में 0.97% की कमी संभव

एजेंसी । नयी दिल्ली

देश में बेरोजगारी दर में वर्ष 2028 तक 0.97 प्रतिशत अंक की कमी आ सकती है. एक रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया है कि देश की अर्थव्यवस्था के पांच लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जिससे बेरोजगारी दर घटेगी. शोध संस्थान ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) की भारत रोजगार परिदृश्य 2030 रिपोर्ट के मुताबिक, श्रमबल में बिना रोजगार वाले लोगों का प्रतिशत यानी बेरोजगारी दर वर्ष 2024 के 4.47 प्रतिशत से घटकर 2028 में 3.68 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है. रिपोर्ट कहती है, भारत का रोजगार बाजार व्यापक बदलाव का अनुभव कर रहा है.

कोविड-19 महामारी के बाद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है. रिपोर्ट के मुताबिक, भारत 7.8 प्रतिशत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के साथ 2026-27 तक पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल कर सकता है. मजबूत निजी खपत और सार्वजनिक निवेश से इस वृद्धि को समर्थन मिलेगा. भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का आकार वर्ष 2024 में चार लाख करोड़ डॉलर से थोड़ा कम होने का अनुमान है. ओआरएफ ने एक बयान में कहा, भारत के पांच लाख करोड़ डॉलर के लक्ष्य के करीब पहुंचने के साथ कुल रोजगार 22 प्रतिशत बढ़ सकता है, जबकि बेरोजगारी दर 2028 तक 0.97 प्रतिशत कम हो सकती है.

बेरोजगारी दर वर्ष 2024 के 4.47% से घटकर 2028 में 3.68% रह जाने का अनुमान है

रिपोर्ट में सेवा क्षेत्र में विशेष रूप से अधिक अवसर वाले दस उप-क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया है. इनमें डिजिटल सेवाएं, वित्तीय सेवाएं और स्वास्थ्य, आतिथ्य, उपभोक्ता खुदरा, ई-कॉमर्स और नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित सेवाएं शामिल हैं. ओआरएफ के निदेशक और रिपोर्ट के सह-लेखक नीलांजन घोष ने कहा, अगली पीढ़ी के रोजगार में सुधार के लिए उद्यमिता को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण होगा. उद्यमियों का एक नया वर्ग रोजगार सृजन को प्रोत्साहित कर सकता है.

शेयर बाजार

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में तनाव के बीच

लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 456 अंक और लुढ़का

एजेंसी । मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 456 अंक और लुढ़क गया. वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका के बीच मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में भारी बिकवाली से बाजार नीचे आया.

विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई. तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 456.10 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,943.68 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 714.75 अंक तक लुढ़क गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 124.60 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,147.90 अंक पर बंद हुआ. सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से नुकसान में रहे. दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, मारुति, आईटीसी, पावरग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं.

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, वैश्विक राजनीतिक तनाव की आशंका और हाल-फिलहाल नीतिगत दर में कटौती की संभावना कम होने के बीच घरेलू बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही. अनुमान से अधिक मजबूत अमेरिकी खुदरा बिक्री के आंकड़ों के बाद चिंता बढ़ी है. इससे यह धारणा बढ़ गई कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर कटौती में देरी कर सकता है. इससे डॉलर सूचकांक और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. उन्होंने कहा, आईटी क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गयी. मुख्य रूप अमेरिका में सोच-विचारकर किये जाने वाले खर्च में कमी की आशंका से कंपनियों की कमाई प्रभावित होने के अनुमान से आईटी कंपनियों में गिरावट आई. इसके अलावा, घरेलू कंपनियों के चौथी तिमाही के हल्के वित्तीय परिणाम का भी बाजार पर असर है. अधिक शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.57 प्रतिशत चढ़ा, जबकि मिडकैप 0.05 प्रतिशत मजबूत हुआ. शेयर बाजार आज 'रामनवमी' के अवसर पर बंद रहेगा. अमेरिकी बाजार वॉल स्ट्रीट में सोमवार को गिरावट देखी गयी : एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में रहे.

ब्रीफ खबरें

अमेरिका में प्रदर्शनकारियों ने राजमार्गों को किया बंद

शिकागो। अमेरिका के इलिनॉयस, कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और पैसिफिक नॉर्थवेस्ट में फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को सड़कों को अवरुद्ध कर दिया, जिससे देश के प्रमुख हवाई अड्डों, गोल्डन गेट व ब्रुकलिन पुलों और हमेशा व्यस्त रहने वाले वेस्ट कोस्ट राजमार्ग पर अस्थायी रूप से यातायात बंद रहा. फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे रिफ्का फलानेह के अनुसार शिकागो में मंगलवार को प्रदर्शनकारियों ने ओहारे की ओर जाने वाले राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया.

मलबे से बच्ची व उसकी मां के शव बरामद

ताना तोराजा (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर बचावकर्मियों द्वारा तीन वर्षीय एक बच्ची एवं उसकी मां के शवों को निकाले जाने के साथ ही भूस्खलन में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ कर 20 हो गयी है. अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी. घटनास्थल पर खड़ी चट्टानों के कारण भारी उपकरण नहीं ले जाये जा सके. ऐसे में बचावकर्मियों ने छोटे औजारों की मदद से ही मिट्टी हटायी. पुलिस के अनुसार, मंगलवार को मलबे से दो लोगों के शव निकाले गये.

परमाणु संयंत्र को लेकर आईएईए ने दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र। रूस और यूक्रेन ने यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए हमलों के लिए सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समक्ष एक दूसरे पर दोषारोपण किया. इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख ने कहा कि इसने दुनिया को खतरनाक रूप से परमाणु हादसे के करीब पहुंचा दिया है. आईएईए महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा कि उनकी एजेंसी ने 7 अप्रैल से जापोरीजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के खिलाफ तीन हमलों की पुष्टि की है.

ईरान के हमले का जवाब मिलेगा : सेना

यरूशलम। इजराइल के सेना प्रमुख ने सोमवार को कहा कि उनका देश पिछले हफ्ते हुए ईरान के हमले का जवाब देगा. इजराइल ने दो सप्ताह पहले सीरिया की राजधानी दमिश्क में ईरान के वाणिज्य दूतावास की इमारत पर कथित तौर पर हमला किया था, जिसके जवाब में ईरान ने शनिवार को इजराइल पर हमला किया. दोनों देशों के बीच दशकों से जारी दुश्मनी के बीच ईरान ने पहली बार इजराइल पर सीधे तौर पर सैन्य हमला किया.

मुख्य न्यायाधीश की मंदिर में तबीयत बिगड़ी

उज्जैन (मध्य प्रदेश)। केरल उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आशीष देसाई को मंगलवार सुबह मध्य प्रदेश के महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के दौरान उल्टी और बेचैनी की समस्या हुई जिसके बाद उन्हें उज्जैन के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि देसाई का मंदिर परिसर में प्रारंभिक उपचार किया गया और बाद में उन्हें उज्जैन हार्ट केयर अस्पताल भर्ती किया गया है जहां उनका इलाज चल रहा है.

प्रियंका गांधी ने गौरव गोगोई के समर्थन में किया रोड शो, बोलीं-

कांग्रेस असम में चाय बागान के श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाएगी

एजेंसी। तिताबोर (असम)

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने असम के जोरहाट में पार्टी उम्मीदवार गौरव गोगोई के समर्थन में मंगलवार को रोड शो किया और कहा कि यदि विपक्षी गठबंधन को लोकसभा चुनाव में जीत हासिल होती है तो चाय बागान के श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाई जाएगी. यहां एक रोड शो के दौरान भारी भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ दल संविधान को भी 'बदलना' चाहता है और अगर ऐसा हुआ, तो देश के आम लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान होगा.

प्रियंका ने कहा, जब मैं दो-तीन साल पहले विधानसभा चुनाव से पूर्व असम आई थी और चाय बागानों का दौरा किया था, तो मैंने कांग्रेस की सरकार बनने पर मजदूरी बढ़ाने का वादा किया था. लेकिन आपने भाजपा को चुना और मजदूरी नहीं बढ़ाई गई जो लगभग 250 रुपये है.

गांधी ने कहा, मैं आपको फिर से बता रही हूं कि अगर हम केंद्र में सरकार बनाते हैं तो हमारे घोषणापत्र में चाय बागान श्रमिकों की मजदूरी बढ़ाने की गारंटी दी गई है. उन्होंने यह भी दावा किया कि अगर सत्ताधारी पार्टी तीसरी बार सत्ता में लौटती है तो वह भारतीय संविधान को 'बदल' देगी और अधिकारों में कटौती के बाद आम लोगों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ेगा.

महंगाई-बेरोजगारी से जीना मुश्किल हो गया है

प्रियंका गांधी ने रोड शो शुरू करने से पहले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, पूर्वोत्तर के राज्यों की अपनी एक अनूठी संस्कृति है, ऐतिहासिक विरासत है. भाजपा सरकार ने इस विरासत पर अपने कायदे थोपे हैं. उन्होंने यह भी कहा कि महंगाई और बेरोजगारी ने जनता का जीना दुश्वार कर दिया है. प्रियंका ने कहा, कांग्रेस की न्याय की पांच गारंटी न सिर्फ जनता को राहत पहुंचाएगी, बल्कि युवाओं का और देश का भविष्य मजबूत करेगी. जोरहाट लोकसभा सीट पर गोगोई का मुकाबला भाजपा के मौजूदा सांसद तपन कुमार गोगोई से होगा. जोरहाट सीट पर मतदान लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को होगा. कांग्रेस की मीडिया समन्वयक (असम) महिमा सिंह ने कहा कि रोड शो में शहर के भीतर तिताबोर तिनियाली तक लगभग दो किलोमीटर की दूरी तय की गई.

बेरोजगारी अब तक के सर्वोच्च स्तर पर है

कांग्रेस के जोरहाट लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवार गोगोई के समर्थन में प्रियंका ने कहा, जब भाजपा नेता प्रचार करने आते हैं, तो वे अप्रासंगिक मुद्दों के बारे में बात करते हैं. लेकिन गौरव गोगोई ने हमेशा लोगों के मुद्दों को उठाया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि बेरोजगारी अब तक के सर्वोच्च स्तर पर है, लेकिन प्रधानमंत्री ने हाल ही में एक साक्षात्कार में केवल दो बार इसका उल्लेख किया जो कि उनके मन की बात को दर्शाता है.

सपा प्रत्याशी डिंपल यादव ने मैनपुरी से भरा पर्चा

मैनपुरी (उप्र)। समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी और वर्तमान सांसद डिंपल यादव ने मंगलवार को मैनपुरी लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया. समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी डिंपल यादव ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. डिंपल के नामांकन के समय अखिलेश यादव, राम गोपाल यादव और शिवपाल यादव मौजूद थे. मैनपुरी में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा. मैनपुरी सीट से भाजपा के प्रत्याशी जयवीर सिंह और बसपा के शिव प्रसाद यादव मैदान में हैं. सिंह उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री हैं.

झेलम नदी में यात्रियों से सवार नाव पलटी, छह लोगों की मौत

एजेंसी। श्रीनगर

श्रीनगर शहर के बाहरी इलाके में मंगलवार को एक नाव के झेलम नदी में पलट जाने से छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग लापता हो गये. अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि नाव में ज्यादातर स्कूली बच्चे थे. अधिकारियों ने बताया कि यह घटना गंदबल नौगाम इलाके में हुई और अबतक तीन लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया है. अधिकारियों ने कहा कि कई अन्य लोग लापता हैं और बचाव अभियान जारी है. कश्मीर के संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, श्रीनगर के उपायुक्त और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित

नगर निकाय के वरिष्ठ अधिकारी और पुलिसकर्मी गंदबल में चल रहे बचाव अभियान की निगरानी के लिए घटनास्थल पर मौजूद हैं. जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और कई अन्य नेताओं ने इस हादसे में मारे गये लोगों की मौत पर दुख जताया. मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, श्रीनगर में नाव पलट जाने से लोगों की मृत्यु पर मुझे गहरा दुख हुआ.

आप इतने भोले नहीं हैं, बाबा रामदेव को सुप्रीम कोर्ट ने फिर फटकारा, कहा

एक हफ्ते में सार्वजनिक तौर पर माफी मांगें

एजेंसी। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को योग गुरु रामदेव, उनके सहयोगी बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद को भ्रामक विज्ञापन मामले में सार्वजनिक माफी मांगने के लिए एक सप्ताह का समय दिया, लेकिन यह भी कहा कि वह अभी उन्हें इस चरण में राहत नहीं देने जा रहा है. सुनवाई के दौरान रामदेव और बालकृष्ण दोनों उपस्थित थे और उन्होंने व्यक्तिगत रूप से शीर्ष अदालत से बिना शर्त माफी मांगी. न्यायमूर्ति हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने उनकी माफी पर संज्ञान लिया, लेकिन यह स्पष्ट भी किया कि उन्हें इस चरण में राहत देने का फैसला नहीं किया है. पीठ ने बालकृष्ण से कहा, आप अच्छा काम कर रहे हैं, लेकिन आप एलोपैथी को नीचा नहीं दिखा सकते. रामदेव ने भी पीठ से कहा कि उनका किसी भी तरह से अदालत के प्रति अनादर दिखाने का कोई इरादा नहीं था. हालांकि, पीठ ने बालकृष्ण से कहा कि वे (पतंजलि) इतने भोले नहीं हैं कि उन्हें नहीं पता कि शीर्ष अदालत ने मामले में अपने पहले के आदेशों में क्या कहा था.

पतंजलि भ्रामक विज्ञापन मामले में अगली सुनवाई 23 को : शीर्ष अदालत ने अब मामले की अगली सुनवाई 23 अप्रैल को तय की है. रामदेव और बालकृष्ण ने अपने उत्पादों की औषधीय प्रभावशीलता के बारे में बड़े-बड़े दावे करने वाले कंपनी के विज्ञापनों पर शीर्ष अदालत के समक्ष पिछले सप्ताह बिना शर्त मांगी थी. सुप्रीम कोर्ट में दाखिल दो अलग-अलग हलफनामों में रामदेव और बालकृष्ण ने शीर्ष अदालत के पिछले साल 21 नवंबर के आदेश में दर्ज बयान के उल्लंघन के लिए बिना शर्त माफी मांगी.

21 नवंबर को जारी निर्देशों के उल्लंघन का मामला

शीर्ष अदालत ने 21 नवंबर, 2023 के आदेश में कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उसे आश्वासन दिया था कि अब से खासकर पतंजलि आयुर्वेद द्वारा निर्मित और विपणन किए गए उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग के संबंध में किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा. पतंजलि ने यह भी कहा था कि असर के संबंध में या चिकित्सा की किसी भी पद्धति के खिलाफ कोई भी बयान किसी भी रूप में मीडिया में जारी नहीं किया जाएगा. शीर्ष अदालत ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड इस तरह के आश्वासन का पालन करने के लिए बाध्य है.

तीन बार सलमान के घर के बाहर 'रेकी' की थी आरोपियों ने : पुलिस

एजेंसी। मुंबई

मुंबई में अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों ने घटना से पहले तीन बार इस जगह की 'रेकी' की थी. बिहार निवासी विक्की गुप्ता और सागर पाल रविवार सुबह बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में खान के घर के बाहर गोली चलाने के बाद से फरार थे. पुलिस ने बताया कि दोनों को सोमवार देर रात गुजरात के कच्छ जिले में माता नो माध गांव से

गिरफ्तार किया गया. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि घटना के समय विक्की बाइक चला रहा था और पीछे बैठे सागर ने सलमान खान के घर पर कथित रूप से गोली चलाई थी. अधिकारी ने कहा कि उनकी चिकित्सा जांच के बाद अदालत में पेश किया गया जिसने उन्हें 25 तक पुलिस हिरासत में भेज दिया.

भाजपा ने 21 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की

भुवनेश्वर। भाजपा ने ओडिशा विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 21 उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की. पार्टी ने पूर्व केंद्रीय कोयला मंत्री दिलीप रे को राउरकेला विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है. भाजपा ने ओडिशा विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की है. बीजू जनता दल (बीजद) छोड़कर हाल ही में भाजपा में शामिल हुए कम से कम पांच दलबदलुओं को भी पार्टी ने टिकट दिया है. भाजपा का टिकट पाने वालों में अमरेंद्र दास, डंबरू सीसा, कलिलाश कुलेसिका, भादव हंसदा और जगन्नाथ नुदुका शामिल हैं.

किश्तवाड़ जिले में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए अनुराग ठाकुर बोले

मोदी के शासनकाल में कोई भेदभाव नहीं

जम्मू। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत देश में मुस्लिम समुदाय के साथ कोई भेदभाव नहीं किया गया. उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद केंद्र सरकार ने सेवा, सुशासन और गरीबों की भलाई पर ध्यान केंद्रित किया. उन्होंने कहा कि कांग्रेस पर लोगों को पंथ, जाति और धर्म के नाम पर बांटने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा देश को एकजुट करने और इसे आगे ले जाने में

विश्वास करती है. किश्तवाड़ जिले में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ठाकुर ने कहा, 2014 से पहले मुसलमानों से कहा जा रहा था कि अगर मोदी सत्ता में आए तो तुम्हें खत्म कर दिया जाएगा, क्या आपने मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को धर्म के आधार पर किसी के साथ भेदभाव करते देखा है? जब केंद्र सरकार की योजनाओं और मुफ्त राशन और मुफ्त इलाज जैसी सुविधाओं का लाभ उठाने की बात आती है तो क्या किसी ने आपसे पूछा है कि आप मुस्लिम हैं, हिंदू हैं या सिख हैं? किश्तवाड़ उधमपुर संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां भाजपा उम्मीदवार जितेंद्र सिंह और 'इंडिया' के उम्मीदवार चौधरी लाल सिंह सहित 11 अन्य उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने के लिए 19 को मतदान होगा.

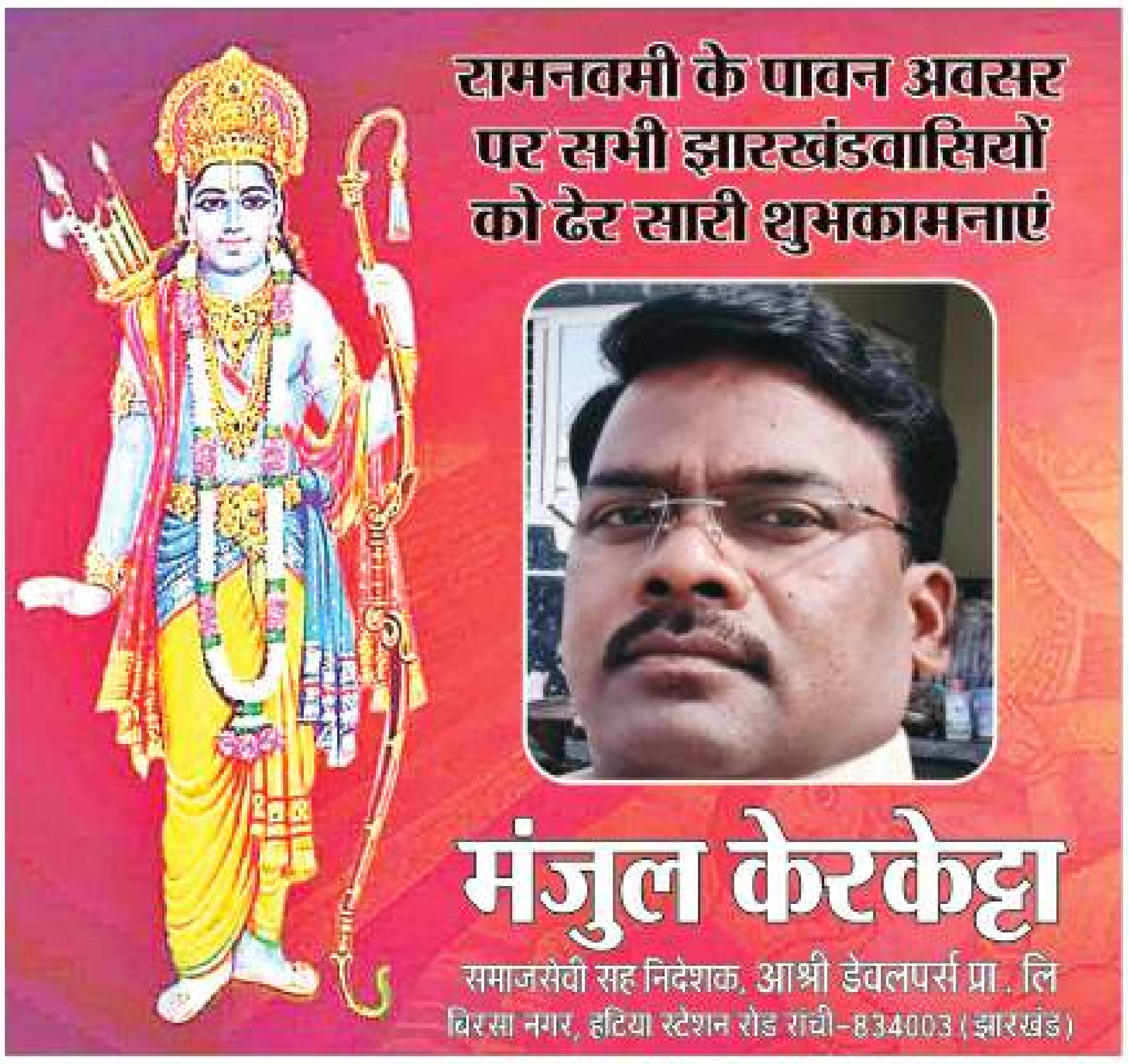

कॅरियर-काउंसिलिंग

आहार विशेषज्ञ के रूप में बनाएं अपना करियर

रजनीश। रांची

आहार विशेषज्ञ पाठ्यक्रम विभिन्न रूपों में किया जा सकता है, जिनमें से सबसे आम है स्नातक की डिग्री. हालांकि, बड़ी संख्या में व्यक्तियों ने डिप्लोमा, मास्टर या स्नातकोत्तर डिप्लोमा की डिग्री हासिल करने में रुचि दिखानी शुरू कर दी है, साथ ही कुछ प्रेरित व्यक्ति उच्च शोध के लिए भी जा रहे हैं. दुनिया भर में आहार विज्ञान विभाग अब अन्य आहार पहलुओं के साथ-साथ पोषण विज्ञान, खाद्य प्रौद्योगिकी, चयापचय, पशु पोषण और खाद्य विज्ञान पर भी ध्यान केंद्रित करते हैं.

जॉब प्रोफाइल और करियर स्कोप

- क्लीनिकल आहार विशेषज्ञ
- आहार नीति-निर्माता
- खाद्य विज्ञान अनुसंधान
- दाई का काम
- खाद्य प्रणाली प्रबंधन
- शिक्षा
- दंत चिकित्सा
- मनोविज्ञान
- स्वास्थ्य और कल्याण
- बाल एवं मातृ आहार विशेषज्ञ
- पोषण संबंधी संचार
- सार्वजनिक स्वास्थ्य
- अंतर्राष्ट्रीय पोषण
- पशुओं का आहार
- विशिष्ट विकार-संबंधी उपचार
- काउंसिलिंग

आपको आहार विशेषज्ञ पाठ्यक्रम क्यों लेना चाहिए

- आहार विशेषज्ञ चिकित्सा जगत में सबसे प्रसिद्ध पेशेवरों में से एक हैं, जो ग्राहकों और रोगियों के स्वास्थ्य के साथ-साथ पोषण संबंधी जरूरतों का ख्याल रखने के लिए जिम्मेदार हैं. उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि उनके ग्राहक और मरीज शरीर को उचित कार्यक्षमता के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने के लिए उचित आहार संरचना का पालन कर रहे हैं.
- जब आप आहार विशेषज्ञ में स्नातक की पढ़ाई पूरी कर लेंगे, तो आपका करियर पथ निस्संदेह अधिक उत्पादक बन जाएगा. ऐसा इसलिए है क्योंकि लोग अब अपनी स्वास्थ्य स्थितियों और पोषण आवश्यकताओं के बारे में अधिक जागरूक हैं.
- उचित स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के अलावा, आहार विशेषज्ञ बनने पर आप लोगों को उनकी स्वास्थ्य स्थितियों के बारे में भी सिखाने में सक्षम होंगे.
- जब आप अपने स्नातक स्तर पर अच्छे अंक प्राप्त करते हैं, तो आपको दुनिया की प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा काम पर रखा जाएगा जो आपको उच्च वेतन वाले वेतन पैकेज की पेशकश करने में कभी संकोच नहीं करेंगी.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **दीपक कुमार अम्बष्ठ***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)